राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 103 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,19 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

धाकड़ और साहू बने एसपी लोकायुक्त

भोपाल । गृह विभाग ने सोमवार को चार पुलिस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। जिसमें दो पुलिस अधीक्षक और दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी शामिल हैं। जारी किए गए आदेश के अनुसार पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र चौहान और पुलिस अधीक्षक राजेंद्र वर्मा को विशेष पुलिस स्थापना लोकयुक्त संगठन से एआईजी पीएचयू पदस्थ किया गया है। इसी तरह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम भोपाल गोपाल सिंह धाकड़ और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिशा संजय साहू को पुलिस अधीक्षक विशेष पुलिस स्थापना लोकयुक्त संगठन भोपाल स्थानांतरित किया है।

गेट्स की बेटी ने मिस्र के नासर से की शादी

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। माइक्रोसॉट की उराधिकारी व अरबपति बिल गेट्स की सबसे बड़ी बेटी जेनिफर गेट्स ने एक निजी सेरेमनी में शादी रचा ली है। जेनिफर ने मिस्र के मुस्लिम घुड़सवार नायल नासर (30) से शादी की है। जेनिफर-नासर की शादी की खुशी में शनिवार दोपहर को एक रिसेप्शन पार्टी का आयोजन भी हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेनिफर और नासर शुक्रवार को शादी के बंधन में बंधे जिसे उन्होंने बहुत सीक्रट रखा था। इस दो दिन के ईवेंट की जिमेदारी मशहूर वेडिंग प्लानर मार्सी लम को दी गई थी जिसका अनुमानित खर्च दो मिलियन यूएस डॉलर यानी (15 करोड़ रुपए) किया गया।

सीबीएसई : 10वीं-12वीं परीक्षा की डेटशीट जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं कक्षाओं के लिए टर्म-1 के एग्जाम की डेटशीट जारी कर दी है। डेटशीट के अनुसार 10वीं की परीक्षा 30 नवंबर से और 12वीं की परीक्षा 1 दिसंबर से शुरू होगी। बोर्ड द्वारा जारी नोटिफिकेशन में ये भी बताया गया है कि माइनर सजेट की परीक्षा 15 नवंबर से शुरू होगी, वहीं सभी प्रमुख विषयों की परीक्षा 24 नवंबर 2021 से शुरू होगी। टर्म-1 परीक्षा में शामिल होना सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। टर्म-1 परीक्षा में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों को अप्रैल/मई में फाइनल सीबीएसई कक्षा 10वीं, 12वीं 2022 के परिणाम में जोड़े जाएंगे।

तीसरी बार भी पेश नहीं हुईं जैकलीन फर्नांडीज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ 200 करोड़ रुपए से अधिक के धन शोधन मामले की जांच के संबंध में पूछताछ के लिए सोमवार को फिर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुईं। वे पेशेवर व्यस्तता के चलने नहीं पहुंची। यह तीसरी बार है जब फर्नांडीज ईडी के नोटिस पर पेश नहीं हुईं। फर्नांडीज (36) अगस्त में संघीय एजेंसी के समक्ष पेश हुई थीं। केस में उनके बयान दर्ज किए गए थे। एजेंसी चंद्रशेखर व अभिनेत्री पत्नी लीना मारिया पॉल से जुड़े केस में आरोपी से फर्नांडीज का आमना-सामना कराकर लेनदेन के बारे में जानना चाहती है।

गृहराज्य मंत्री की गिरफ्तारी पर अड़े टिकैत, बोले- सफल रहा 'रेल रोको' आंदोलन

नई दिल्ली,एजेंसी। किसान नेता राकेश टिकैत ने 'रेल रोको' आंदोलन को सफल बताया. टिकैत ने कहा कि आज का किसानों का रेल रोको आंदोलन सफल रहा और अब आगे की रणनीति के लिए कार्यक्रम बनाएंगे. उन्होंने कहा कि जब तक लखीमपुर खीरी मामाले में आरोपी गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी इस्तीफा नहीं देता और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाता, हम पीछे नहीं हटेंगे. वो (गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी) आईपीसी की धारा 120 (बी) के तहत आरोपी हैं, ऐसे में वो खुले में नहीं घूम सकते. भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा, गृहराज्य मंत्री जांच को प्रभावित करेंगे. क्योंकि मामला उनके खिलाफ है, इसलिए वह खुद को बचाने की कोशिश करेंगे. भारत सरकार को उनका इस्तीफा लेना चाहिए. अगर वह निर्दोष साबित होते हैं तो वे उन्हें फिर से मंत्री बना सकते हैं.

कई राज्यों में दिखा 'रेल रोको' का असर

दरअसल, संयुक्त किसान मोर्चा ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के संबंध में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त करने तथा आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर 6 घंटे के 'रेल रोको' आंदोलन की घोषणा की थी. इसके बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने सोमवार को देशभर में 'रेल रोको' आंदोलन चलाया, जिसका असर कई राज्यों में देखने को मिला.

इस आंदोलन के कारण बड़ी संख्या में ट्रेनों को रद्द करना पड़ा, वहीं कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द किया गया. इसके कारण उत्तर पश्चिम रेलवे के अधीन आने वाले कुछ खंडों में रेलों के आवागमन पर भी पड़ा. उत्तर रेलवे के सीपीआरओ ने कहा, 'उत्तर रेलवे मंडल में 130 स्थानों पर प्रदर्शन का असर पड़ा है और 50 ट्रेनों का संचालन बाधित है.'

-राजस्थान में प्रदर्शन से बीकानेर मंडल के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में रेल आवाजाही बाधित रही. एनडब्ल्यूआर के एक प्रवक्ता ने बताया कि भिवानी-रेवाड़ी, सिरसा-रेवाड़ी, लोहारू-हिसार, सूरतगढ़-बठिंडा, सिरसा-बठिंडा, हनुमानगढ़-बठिंडा, रोहतक-भिवानी, रेवाड़ी-सादुलपुर, हिसार-बठिंडा, हनुमानगढ़-सादुलपुर और श्रीगंगानगर-रेवाड़ी प्रखंडों पर रेल यातायात प्रदर्शन के कारण बाधित रहा.

केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान संघों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने एक बयान में कहा था, 'लखीमपुर खीरी मामले में जब तक न्याय नहीं मिल जाता, तब तक प्रदर्शन तेज किए जाएंगे.' एसकेएम ने बताया था कि लखीमपुर खीरी हिंसा के संबंध में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त और गिरफ्तार करने की मांग को लेकर रेल रोको प्रदर्शन के दौरान सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक ट्रेन यातायात रोका जाएगा.

लखीमपुर खीरी में 3 अक्टूबर को हुई हिंसा में मारे गए 8 लोगों में से 4 किसान थे जिन्हें कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को ले जा रहे वाहन ने कुचल दिया था. किसानों ने दावा किया कि एक वाहन में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा का पुत्र आशीष मिश्रा था. आशीष मिश्रा को इस मामले में 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था.

कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन से होने वाली मौतों पर गोवा सरकार को 'क्लीन चिट', पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने की निंदा

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने सोमवार को इस कोविद -19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान गोवा में ऑक्सीजन की कमी और संबंधित मौतों पर एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को राज्य की ञ्छ्क सरकार को ÷क्लीन चिट देने का एक हताश प्रयास बताया है. चिदंबरम ने सोमवार को ट्वीट किया, ÷अस्पताल को दोषी ठहराया जाता है लेकिन सरकार को दोष नहीं दिया जाना चाहिए! सरकारी अस्पतालों के संबंध में यह अजीब तर्क है!. उन्होंने आगे कहा, गोवा सरकार के पास स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य मंत्री क्यों हैं, अगर वे जिम्मेदार नहीं हैं?

कांग्रेस के सीनियर नेता पी चिदंबरम ने प्रदेश की खराब व्यवस्था के लिए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे के इस्तीफे की मांग की. दरअसल कोरोना के दूसरे लहर के दौरान गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 10 से 14 मई के बीच ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने से 84 लोगों की मौत हो गई थी. वहीं तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि अस्पताल प्रशासन समय पर इस मुद्दे को उठाने में विफल रहा. लेकिन यह निष्कर्ष निकाला गया कि मौतें ऑक्सीजन की कमी के कारण नहीं हो सकतीं. समिति ने जोर देकर कहा कि उसे अन्य दिनों की तुलना में मौतों की संख्या में कुछ भी असामान्य नहीं लगा.

24 घंटों में कोरोना के 13,596 नए मामले

वहीं दूसरी तरफ देश में कोरोना के मामले कम होते जा रहे हैं और एक्टिव मामलों में भी कमा पाई जा रही है. देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार कमी देखी जा रही है. पिछले 24 घंटों में कोरोना के 13,596 नए मामले सामने आए हैं, जोकि 230 दिनों में अब तक का सबसे कम आंकड़ा है. वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कुल एक्टिव केस 1, 89, 694 है. जबकि इस दौरान 166 मरीजों की मौत के बाद संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा 4,52,290 पर पहुंच गया है. केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार नए आंकड़ों के बाद देश में कोरोना संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 3 करोड़ 40 लाख 81 हजार 315 हो गई है, जिसमें से केवल 1 लाख 89 हजार 694 केस एक्टिव हैं.

'भारत-इजरायल के सामने आतंकवाद बड़ा चैलेंज', विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले-दोनों देश साझा कर रहे खुफिया जानकारी

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां भारतीय-यहूदी समुदाय तथा भारत संबंधित विषयों के विद्वानों से कहा कि भारत और इजराइल के समाजों को कट्टरपंथ और आतंकवाद जैसी एक समान चुनौतियों समेत भूराजनीतिक परिदृश्य पर उभरते कई घटनाक्रम का सामना करना पड़ रहा है. विदेश मंत्री के तौर पर इजराइल की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे जयशंकर ने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों में भारतीय यहूदी समुदाय के उल्लेखनीय योगदान की सराहना की.

विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को पांच दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे. उन्होंने विश्वास जताया कि इजराइल में भारतीय यहूदी समुदाय आने वाले वर्षों में दोनों देशों को और करीब लाएगा. जयशंकर ने कहा कि बीते चार वर्षों में यह इजराइल का उनका तीसरा दौरा है, लेकिन हर बार यहां से लौटते वक्त उन्हें अहसास होता है कि यात्रा अधूरी रही है. उन्होंने कहा, भारत की तरह ही इस जगह को भी समझने और खोजने के लिए पूरा जीवन लग जाएगा. इसलिए यहां, एक ऐसी भूमि पर वापस आकर मुझे खुशी मिलती है, जिसके साथ हमारे सदियों पुराने संबंध हैं और ऐसे लोगों के बीच आकर भी, जो इन संबंधों को पोषण देने वाली गर्भनाल की तरह हैं.

आतंकवाद दोनों के लिए चुनौती

जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इजरायल के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध गुणात्मक रूप से बेहतर हुए हैं. हमारे दोनों देश लोकतंत्र और बहुलवाद के मूल्यों को साझा करते हैं. हम अपने कुछ मार्गदर्शक सभ्यतागत दर्शन भी साझा करते हैं, जिसमें भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना है. जयशंकर ने कहा, ÷हम अपने समाज के लिए भू-राजनीतिक परिदृश्य पर कई अन्य उभरती घटनाओं के अलावा कट्टरपंथ और आतंकवाद से भी इसी तरह की चुनौतियों को साझा करते हैं. भारत को पाकिस्तान से सीमा पार से निकलने वाले बड़े खतरों का सामना करना पड़ रहा है और इज़राइल भी शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों से घिरा हुआ है.

'आतंकियों के मंसूबे कभी नहीं होंगे सफल, किसी भी बिल में छिपे हों घुसकर मारेंगे': नकवी

नई दिल्ली,एजेंसी। कश्मीर में हाल फिलहाल में गैर कश्मिरियों और सेना के जवानों पर हुए कायराना हमलों पर केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आतंकवाद का सफाया करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है. जो कोई भी इसमें लिप्त होगा उसे चुन-चुनकर मारा जाएगा. केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि आतंकवादी और उनके आका चुन-चुनकर उन लोगों को टारगेट करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कि भय और अशांति का माहौल घाटी में फैले और आतंक का माहौल पैदा हो.'

मुख्तार अब्बास नकवी ने ञ्क्क9 भारतवर्ष से बातचीत में कहा कि यह बात उनको अच्छी तरह समझना चाहिए कि जिस तरह कि वे (आतंकवादी) हरकतें कर रहे हैं उसका माकूल जवाब उनको मिलना शुरू हो गया है. उनके आकाओं को भी मालूम है कि जो कुछ भी कर रहे हैं उसका बहुत महंगा हिसाब किताब देना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि कोई भी आतंकी या फिर उसके आका किसी भी बिल के अंदर घुसे हों, चाहे इस पार हों चाहे उस पार सभी मारे जाऐंगे.

आतंकियों की बौखलाहट है- आतंकियों में बौखलाहट इस बात की भी है कि उनका खानदानी सपोर्ट जो था वह पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है. लम्बे अरसे तक कश्मीर में जो डेवलपमेंट हो रहा है उस पर आतंकवादी कुंडली बांधकर बैठे हुए थे. डेवलपमेंट को रोक रखा था और अलगाववादियों ने उस पर स्पीड ब्रेकर लगा रखा था.

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज वहां डेवलपमेंट सरपट दौड़ रहा है. डेवलपमेंट की वजह से कश्मीर के लोगों की आंखों में खुशी साफ दिख रही है. मैं खुद कश्मीर में रहकर आया हूं. सभी केंद्र सरकार के मंत्री जा रहे हैं और जितने भी वरिष्ठ लोग हैं वे जा रहे हैं और ग्राउंड पर लोगों से बात कर रहे हैं. जो डेवलपमेंट होनी चाहिए थी आजादी से अब तक, नहीं हुई है. उसको हमारी सरकार करवा रही हैं.

चुनाव होता तो विपक्ष एक्टिव होता- मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यह बदलाव के कारण भी बौखलाहट है. सिलेक्टिव अपोजिशन और कलेक्टिव कंफ्यूजन .। जम्मू कश्मीर में जिस तरह से चुन-चुनकर के आतंकवादियों ने हमारे अल्पसंख्यकों को मारा है, उनको टारगेट किया है उसके बाद से विपक्ष के मुंह से किसी भी तरह की कोई आवाज क्यों नहीं निकल रही है? उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए भी है क्योंकि वहां चुनाव नहीं है. चुनाव होता है तो सब वहीं पहुंच जाते, पॉलिटिकल कवरेज शुरू हो जाती, लेकिन फिर भी हम उनका इंतजार नहीं करेंगे. हमारी सरकार अपना काम कर रही है. भारतीय जनता पार्टी अपना काम कर रही है. लोगों को इस बात का यकीन दिलाते हैं कि आतंकियों के हौसले को हम पास नहीं होने देंगे और आतंकवादियों के किसी भी तरह के मंसूबों को साफ नहीं होने देंगे.

रंजीत सिंह हत्याकांड में गुरमीत राम रहीम सहित पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा

पंचकूला। पंचकूला की विशेष अदालत ने रंजीत सिंह हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सहित पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही गुरमीत राम रहीम पर 31 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। उसे जुर्माने की 50 प्रतिशत राशि अभी अदा करनी होगी। बाकी दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुरमीत पर लगाए गए जुर्माने की आधी राशि पीड़ित परिवार को दी जाएगी। सभी दोषियों को विभिन्न धाराओं में सजा सुनाई गई है। जज ने शाम करीब सवा चार बजे सजा का एलान किया। अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद वकीलों ने मीडिया को इसके बारे में जानकारी दी। रंजीत सिंह के पुत्र जगसीर सिंह ने फैसले को पर संतोष जताते हुए इसे सराहनीय बताया। सीबीआइ ने गुरमीत राम रहीम को फांसी की सजा देने के मांग की थी, लेकिन अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। दूसरी ओर, गुरमीत राम रहीम के वकील अजय वर्मन ने कहा कि वह इस फैसले को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती देंगे।

इससे पहले जज कोर्ट रूम में पहुंचे और दोषियों को भी कोर्ट रूम में बुला लिया गया। इससे पहले सजा को लेकर कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। सीबीआइ के वकील ने गुरमीत राम रहीम को फांसी की सजा सुनाने की मांग की। कोर्ट रूम के बाहर सुरक्षा बेहद कड़ी कर दी गई और भारी संख्या में पुलिसकर्मी व अर्द्ध सुरक्षा बलों के जवान तैनात कर दिए गए।

दूसरी ओर, बचाव पक्ष ने इसका विरोध किया और कहा कि यह रेयर आफ रेयरेस्ट मामला नहीं है। पंचकूला स्थित हरियाणा की विशेष सीबीआइ अदालत ने डेरा सच्चा सौदा सिरसा के पूर्व मैनेजर रंजीत सिंह की हत्या के दोषी डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही कृष्ण लाल, अवतार, जसबीर और सबदिल को भी उम्रकैद की सजा सुनाई। एक आरोपित इंद्रसेन की ट्रायल के दौरान 8 अक्टूबर 2020 को मौत हो गई थी।

बता दें कि 8 अक्टूबर को जसबीर सिंह, सबदिल सिंह और कृष्ण लाल को धारा 302 के साथ 120-बी के तहत दोषी ठहराया गया था। गुरमीत राम रहीम सिंह, अवतार सिंह, जसबीर सिंह, सबदिल सिंह और कृष्ण लाल को धारा 120बी, 302 एवं 506 के साथ पठित धारा के तहत दोषी ठहराया गया था। सबदिल सिंह को आर्म्स एक्ट 1959 की धारा 27 के तहत अपराध के तहत दोषी करार दिया गया था। जबकि आरोपित जसबीर सिंह पर आर्म्स एक्ट 1959 की धारा 25/27 को हटा दिया गया था। 19 साल बाद इस मामले में सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश डा. सुशील कुमार गर्ग द्वारा 12 अक्टूबर को सजा सुनाई जानी थी, लेकिन सजा पर सुनवाई पूरी न होने के कारण मामले को 18 अक्टूबर के लिए टाल दिया गया था। गुरमीत राम रहीम साध्वी यौन शोषण में 20 साल की सजा और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्या केस में उम्रकैद की सजा सुनारिया जेल रोहतक में काट रहा है।

जज ने 45 पेजों का आर्डर सुनाया है। सुनवाई के दौरान राम रहीम सिंह की ओर से आज भी दलील दी गई कि मेरा केस दुलर्भ से दुलर्भ (रेरेस्ट ऑफ रेरेस्ट) में नहीं आता, इसलिए मुझे फांसी नहीं दी जानी चाहिए। राम रहीम की ओर से कहा गया कि मेरे द्वारा बहुत अच्छे काम किए गए है, जिसका सीबीआइ की ओर से विरोध करते हुए कहा गया कि आपने लोगों के पैसों से ही अच्छे काम किए होंगे, लेकिन आपके अच्छे कामों से अपने गुनाहों का कोई लेना देना नहीं। राम रहीम के वकील अजय वर्मन ने सुप्रीम कोर्ट के कुछ मामले भी अदालत के सामने रखे, जिसे देखने के बाद अदालत ने लंच के बाद फैसला सुनाने की बात कही।

दोपहर बाद सवा 4 बजे सीबीआइ के विशेष जज डा. सुशील कुमार गर्ग ने सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान कोर्ट में राम रहीम वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश हुआ, जबकि अन्य दोषियों को कड़ी सुरक्षा में अंबाला जेल से पंचकूला कोर्ट लाया गया।

राम रहीम को आज सजा सुनाने से पहले कोर्ट द्वारा उससे भी पूछा गया, तो उसने कहा कि मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है और मुझे कम से कम सजा दी जाए। इससे पहले कोर्ट में करीब सुबह सवा 10 बजे सजा को लेकर बहस अदालत में शुरू हुई। गुरमीत राम रहीम को छोड़कर अन्य दोषियों की कोर्ट में पेशी हो रही है। गुरमीत राम रहीम रोहतक की सुनारिया जेल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये पेश हुआ। दोषियों को विशेष अदालत तक बेहद कड़ी सुरक्षा के बीच अंबाला सेंट्रल जेल से लाया गया। बता दें कि पूर्व डेरा प्रबंधक रंजीत सिंह की दस जुलाई 2002 में गोली मारकर हत्या की गई थी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने दिया भरोसा- कोरोना महामारी काल में दिए गए प्रोत्साहन पैकेज जारी रहेंगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि कोरोना काल में दिए गए प्रोत्साहन पैकेज जारी रहेंगे और इसे वापस लेने की कोई जल्दबाजी नहीं है। इसके विपरीत अगर जरूरत पड़ी तो अर्थव्यवस्था की रिकवरी के लिए और सरकार अतिरिक्त वित्तीय मदद जारी रखने पर विचार कर सकती है। अमेरिका में दिए एक इंटरव्यू में वित्त मंत्री ने कहा कि कच्चे तेल की कीमत में हो रही बढ़ोतरी आर्थिक मोर्चे के लिए चुनौती है। वित्त मंत्रालय तेल की कीमतों पर लगातार नजर रख रहा है।

सीतारमण ने यह भी कहा कि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआइसी का प्रारंभिक पब्लिक आफर (आइपीओ) चालू वित्त वर्ष में ही लाने को सरकार प्रतिबद्ध है। कोरोना संक्रमण से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए वित्त मंत्री ने पिछले साल मई में आत्मनिर्भर भारत पैकेज का एलान किया था। इनमें मुख्य रूप से एमएसएमई के लिए बिना गारंटी वाले तीन लाख करोड़ रुपये के लोन, 80 करोड़ आबादी के लिए मुफ्त में अनाज, ग्रामीण रोजगार के लिए विशेष प्रविधान के साथ मनरेगा के फंड में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण कदम शामिल थे। उसके बाद वित्त मंत्रालय ने 10 प्रमुख सेक्टर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआइ) की भी घोषणा की थी।

वित्त मंत्री ने कहा कि कोरोना काल में अर्थव्यवस्था की रिकवरी के लिए जो भी वित्तीय प्रोत्साहन दिए गए थे, वे जारी रहेंगे। स्वास्थ्य संबंधी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास जारी रहेगा। यही वजह है कि सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत अन्य जरूरी मदों के खर्च को लगातार विस्तार दे रही है। सीतारमण ने कच्चे तेल की कीमतों को चुनौती करार देते हुए कहा कि वित्त मंत्रालय भी इस पर लगातार नजर रख रहा है। कच्चे तेल का दाम सरकार के लिए महत्वपूर्ण विषय है और इसकी अनिश्चितता से पैदा होने वाली परिस्थितियों पर सरकार की पैनी नजर है। उन्होंने कहा कि इससे महंगाई को हवा मिलती है और सरकार की खर्च योजना प्रभावित होती है।

शेयर बाजार में एलआइसी के सूचीबद्ध होने के बारे में वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की राजनीतिक वजहों से एलआईसी के इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) में देर नहीं होगी।

मुलाकात | बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल ने कहा...

हिंसा अगले चुनाव से पहले शांति भंग करने पर केंद्रित है

एजेंसी ■ कोलकाता

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हमलों की खबरों के बीच देश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल ने सोमवार को कहा कि उनके यहां सांप्रदायिक सौहार्द की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि उनके देश में हो रही हिंसा अगले आम चुनाव से पहले शांति भंग करने पर केंद्रित है। बांग्लादेश में 2023 के अंत में आम चुनाव होगा। खान कमाल ने पीटीआई-भाषा से फोन पर हुई बातचीत में कहा कि बांग्लादेश में हिंसा भड़काने के दोषियों की धरपकड़ के लिए जांच जारी है। उन्होंने हिन्दुओं पर हमलों में बीएनपी-जमात तत्वों की मिलीभगत की संभावना से इनकार नहीं किया। खान कमाल ने कहा, हमने स्थिति से निपटने के लिए कड़ी कार्वाई की है। जांच चल रही हैअ किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे देश के सांप्रदायिक सद्भाव की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समुदाय दोनों ही इस देश के नागरिक हैं तथा उनकी रक्षा की जाएगी। मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश गड़गबड़ी करने वालों को उनके इरादों में कामयाब नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि ए घटनाएं देश की छवि खराब करने और अगले आम चुनाव से पहले तनाव उत्पन्न करने पर केंद्रित हैं, लेकिन ऐसा करने वाली ताकतों को सफल नहीं होने दिया जाएगा।ढाका से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित कुमिल्ला में एक दुर्गा पूजा पंडाल में कथित ईशनिंदा को लेकर बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंसा भड़क उठी थी जिसके बाद अनेक प्रभावित क्षेत्रों में अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए गए। कुछ स्थानों पर पुलिस और कट्टरपंथियों के बीच भी झड़पें हुईं। मीडिया ने हिन्दू मंदिरों और दुर्गा पूजा स्थलों पर हमलों की खबरें भी दीं। यह उल्लेख करते हुए कि सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया है, खान कमाल ने कहा कि चार दंगाइयों को पुलिस ने गोली से भी उड़ा दिया। कोई भी शांतिप्रिय और धर्मपरायण हिंदू या मुसलमान कभी भी हिंसा में शामिल नहीं होगा। हम बीएनपी-जमात या किसी तीसरी ताकत के शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं। वे हमारे देश की प्रगति को रोकने के लिए उन हमलों के पीछे हो सकते हैं। इसका मकसद अगले चुनाव से पहले शांति भंग करना भी हो सकता है। हमने कुमिल्ला में पूजा समितियों को पंडाल में सीसीटीवी कैमरे लगाने और निगरानी रखने के लिए स्वयंसेवकों को तैनात करने के लिए कहा था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

नेपाल में कांपी धरतीः रिएक्टर स्केल पर 4.7 मापी गई तीव्रता, सिंधुपालचौक रहा भूकंप का केंद्र

काठमान्डू। नेपाल में भूकंप के झटकों से धरती कांप उठी। दोपहर को अचानक यहां पर 4.7 तीव्रता के झटके लोगों ने महसूस किए। नेपाल सीम्सोलॉजिकल सेंटर के अनुसार इस भूकंप का केंद्र सिंधुपालचौक जिला रहा। बताया जा रहा है जैसे ही लोगों को भूकंप के झटके महसूस हुए सभी लोग घर से बाहर निकल आए। अभी तक इस भूकंप में किसी के हताहत होने या अन्य किसी नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

विदेश मंत्री का इस्राइल दौराः रणनीतिक संबंधों को समृद्ध बनाने पर जोर, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे जयशंकर

फ्रांसिस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर पांच दिवसीय यात्रा पर इस्राइल पहुंचे। इस दौरान वह भारत एवं इस्राइल के बीच द्विपक्षीय सहयोग के नये क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशने के अलावा रणनीतिक संबंधों को और समृद्ध करने के लिए परस्पर रूपरेखा तैयार करने के लिए यहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। विदेश मंत्री के रूप में एस जयशंकर की यह पहली इस्राइल यात्रा है। इस यात्रा के दौरान वह इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग, प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट तथा विदेश मंत्री येर लेपिड से मिलेंगे। विदेश मंत्री ने अपने ट्वीट में कहा, शालोम इस्राइल! मैं यहां अपनी पहली यात्रा पर पहुंचा हूं। एक शानदार यात्रा की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया कि इस्राइली चैंबर्स ऑफ कॉमर्स और इनोवेशन इकोसिस्टम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। भारत के साथ अधिक साझेदारी करने के लिए उनका उत्साह काफी सराहनीय है। आगे कहा कि कोरोना के बाद डिजिटल, स्वास्थ्य, कृषि और हरित विकास सहित अन्य प्राकृतिक क्षेत्रों के बारे में चर्चा हुई।

रूसः दो फिल्म निर्माता समेत तीन यात्री अंतरिक्ष केंद्र से धरती पर सकुशल लौटे, 12 दिन तक स्पेस में चली शूटिंग

मास्को। एक अंतरिक्ष यात्री और रूस के दो फिल्म निर्माता अंतरिक्ष केंद्र से पृथ्वी पर सकुशल वापस लौट गए। सोयुज अंतरिक्ष यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र से रवाना होने के साढ़े तीन घंटे के बाद पृथ्वी पर पहुंचा। अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद अंतरराष्ट्रीय समयानुसार चार बजकर 35 मिनट पर पैराशूट की मदद से कजाखस्तान में उतरा। अंतरराष्ट्रीय

अंतरिक्ष केंद्र से रॉकेट अंतरराष्ट्रीय समयानुसार एक बजकर 15 मिनट पर रवाना हुआ। इस रॉकेट में ओलेग नोवित्स्की, यूलिया पेरेसिल्ड और क्लिम शिपेंको सवार थे। अभिनेत्री पेरेसिल्ड और फिल्म निर्देश शिपेंको चैलेंज नाम की फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग के लिए पांच अक्तूबर को अंतरिक्ष केंद्र पहुंचे थे और 12 दिन तक वहां ठहरे। इस फिल्म में सर्जन का किरदार निभा रही पेरेसिल्ड को एक क्रू सदस्य को बचाने के लिए अंतरिक्ष केंद्र जाना पड़ता है, जिसे अंतरिक्ष की कक्षा में ही तत्काल ऑपरेशन की आवश्यकता होती है। अंतरिक्ष केंद्र में छह महीने से अधिक का समय बिताने वाले नोवित्स्की ने फिल्म में बीमार अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया है।

अमेरिका तक पहुंची कश्मीर हिंसा की आंच, लोगों ने इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ किया प्रदर्शन

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण फ्लोरिडा में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों ने अपने यहूदी मित्रों के साथ, भारत के कश्मीर में बढ़ते इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ रविवार को प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन का आयोजन कश्मीर हिंदू फाउंडेशन ने किया। इसमें प्रदर्शनकारियों ने ''कश्मीर में अल्पसंख्यकों के खिलाफ इस्लामी जिहाद रोकें', ''इस्लामी आतंकवाद का मुकाबला करें'जैसे नारे लगाए। केएचएफ

के संस्थापक सदस्य दीपक गंजू ने वैश्विक समुदाय से अनुरोध किया कि अब ये समझे कि दुनिया में मानवाधिकारों का सबसे भयावह तरीके से उल्लंघन कश्मीर में हो रहा है।

कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि 1990 में उनके परिवारों को कश्मीर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा और वे अब भी अपने घर लौटने में सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। प्रदर्शनकारियों ने भारत सरकार से घाटी में बचे अल्पसंख्यक समुदाय के अन्य सदस्यों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि चुन-चुनकर की जाने वाली हत्या की घटनाएं अब और न हों।

कांग्रेस के पूर्व सदस्य जो कॉफमैन ने इस मौके पर कहा कि 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' और आईसीएनए जैसे ''आतंकवादियों के प्रति हमदर्दी रखने वाले संगठनों' का पर्दाफाश करना आवश्यक है। आईसीएनए (इस्लामिक सर्कल ऑफ नॉर्थ अमेरिका), दक्षिण एशिया के सबसे बड़े इस्लामीक संगठन जमात-ए-इस्लामी की अमेरिकी इकाई है।

मक्का मस्जिद में खत्म की गई सोशल डिस्टेंसिंग, कंधे से कंधा मिला कर पढ़ी गई नमाज

दुबई। सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में स्थित मस्जिद में सोशल डिस्टेंसिंग को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया। कर्मचारियों ने मस्जिद में सोशल डिस्टेंसिंग के लिए लगाए गए निशानों को हटा दिया है। पूरी संख्या के साथ लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर नमाज पढ़ी। अधिकारियों के हवाले से सऊदी प्रेस एजेंसी ने लिखा कोरोना वायरस की शुरुआत के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। यह एहतियाती उपायों को आसान बनाने और वहां आने वाले लोगों को पूरी क्षमता के साथ मस्जिद में जाने की मंजूरी देने के फैसले के मुताबिक है।सऊदी अरब ने अगस्त में ऐलान किया था कि कोरोना के टीके ले चुके उमराह करने के इच्छुक

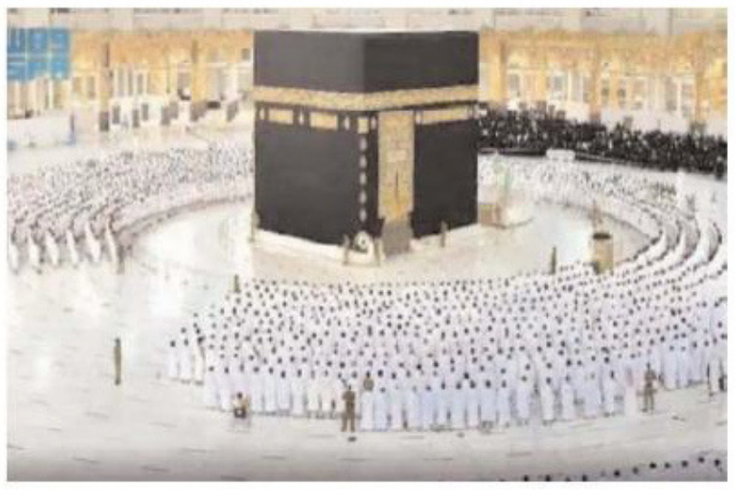

विदेशी नागरिकों के आवेदन पर विचार करना शुरू किया जाएगा। उमराह पूरे साल में कभी भी किया जा सकता है। कोविड-19 की वजह से उमराह और हज दोनों बाधित हो गए थे। सऊदी अरब को इनसे प्रमुख राजस्व मिलता है, इनसे करीब सालाना 12 बिलियन डॉलर की कमाई होती है। सऊदी प्रेस एजेंसी ने ताया कि पूरी तरह से टीका लगवा चुके खेल प्रशंसकों को सभी स्टेडियमों और अन्य खेल कार्यक्रमों में भाग लेने की मंजूरी दी गई है। यह भी कहा गया है कि ज्यादातर खुली जगहों पर मास्क अब अनिवार्य नहीं है। सऊदी अरब में अब तक 547,000 से अधिक कोरोनावायरस मामले और 8,760 मौतें दर्ज की गई हैं।

पाकिस्तानः इस्लामाबाद में भी तेजी से फैल रहा डेंगू, 24 घंटे में 152 लोग संक्रमित

इस्लामाबाद। भारत के बाद अब डेंगू ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की भी चिंता बढ़ा दी है। यहां तेजी से डेंगू लोगों को अपना शिकार बना रहा है। बढ़ते संक्रमण ने स्थानीय प्रशासन के हाथ-पांव फुला दिए हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, इस्लामाबाद में स्थिति बिगड़ती ही जा रही है। यहां पिछले 24 घंटे के अंदर 152 नए मामले रिकॉर्ड किए गए हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जाइम जिया ने बताया कि पिछले 24 घंटे में सामने आए मामलों को मिलाकर अब जिले में कुछ 1801 डेंगू के मरीज हो गए हैं।

श्रीलंका के पास नहीं ईंधन खरीदने के पैसे, भारत से मांगा 50 करोड़ डॉलर का ऋण

कोलंबो। विदेशी मुद्रा संकट में फंसे पड़ोसी देश श्रीलंका ने कच्चे तेल की खरीद के भुगतान के लिए भारत से 50 करोड़ अमरीकी डॉलर का कर्ज मांगा है। श्रीलंका सरकार ने ये कदम ऊर्जा मंत्री उदय गम्मनपिला की चेतावनी जिसमें उन्होंने कहा था कि देश में ईंधन की मौजूदा उपलब्धता की गारंटी अगले जनवरी तक ही दी जा सकती है के बाद उठाया है। दरअसल भारत, पाकिस्तान की तरह श्रीलंका में भी पेट्रोल और डीजल के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है और यह बढ़ोतरी लगातार जारी है। टैक्स की मार से ईंधन की कीमतें यहां भी आसमान छू रही हैं ।

वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने श्रीलंका को इस साल तेल आयात पर अधिक खर्च करने के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले साल की तुलना में इस साल के पहले सात महीनों में देश का तेल बिल 41.5 फीसदी बढ़कर 2 अरब डॉलर हो गया है। इस बीच सरकार ने रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं में पिछले सप्ताह की वृद्धि के बावजूद ईंधन की अपेक्षित खुदरा कीमतों में वृद्धि पर रोक लगा दी है। राज्य द्वारा संचालित सीलोन पेट्रोलियम

कारपोरेशन पर दो प्रमुख सरकारी बैंकों बैंक आफ सीलोन और पीपुल्स बैंक का लगभग 3.3 अरब अमरीकी डालर का बकाया है।

राज्य के तेल वितरक मध्य पूर्व से कच्चे तेल और सिंगापुर सहित अन्य क्षेत्रों से परिष्कृत उत्पादों का आयात करते हैं। CPC के अध्यक्ष सुमित विजेसिंघे ने कहा कि, 'हम वर्तमान में भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी व्यवस्था के तहत सुविधा (500 मिलियन अमरीकी डॉलर क्रेडिट लाइन) प्राप्त करने के लिए यहां भारतीय उच्चायोग के साथ लगे हुए हैं।' उन्होंने कहा कि इस सुविधा का उपयोग पेट्रोल और डीजल आवश्यकताओं की खरीद के लिए किया जाएगा। वित्त सचिव एसआर एटिगैले के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और लंका दोनों के ऊर्जा सचिवों के जल्द ही ऋण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है।

बांग्लादेशः दुर्गा पंडाल में हुए हमलों को गृहमंत्री ने बताया सुनियोजित

बोले- हिंदू-मुस्लिम सबने मिलकर आतंक का मुकाबला किया

ढ़ाका। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा पंडालों पर सांप्रदायिक हमले और हिंदुओं की मौत पर गृहमंत्री असदुज्जमां खान ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि इन हमलों को सरकार बहुत ही गंभीरता से ले रही है। यह घटना एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। सरकार इस घटना की जांच करा रही है।

कई जगह हुई घटनाएं

गृह मंत्री ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान सिर्फ कोमिल्ला नहीं अन्य जगहों पर भी घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमलों के जरिए अराजकता फैलाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने कभी भी देश में आतंकी माहौल को पनपने नहीं दिया है। हिंदू व मुस्लिम दोनों ने मिलकर आतंकी घटनाओं का मुकाबला किया है।

सजा मिलेगी धर्म चाहें जो भी हो:दुर्गा पंडालों पर हुए हमलों पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि हर हमले की जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। इस

बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमला करने वालों का धर्म कौन सा है। उन्होंने कहा कि यह हमला वही करा रहे हैं, जो जनता का भरोसा जीतने में नाकाम रहे हैं।

गोलीबारी में चार लोगों की हुई थी मौत

बांग्लादेश के चांदपुर में हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया था। इस हमले में कई राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें चार हिंदुओं की मौत हो गई थी। वहीं 60 लोग घायल हो गए थे। इस दौरान चटगांव, कॉक्स बाजार, शिवगंज समेत 80 से ज्यादा स्थानों पर दुर्गा पंडालों को निशाना बनाया गया और वहां हमले किए गए।

ग्लासगो जलवायु शिखर सम्मेलन में 'पर्यावरण के दुश्मन' चीन पर निशाना साधने की तैयारी

वाशिंगटन। आगामी ग्लासगो जलवायु शिखर सम्मेलन 31 अक्टूबर से शुरू होने वाला है जो 13 दिनतक चलेगा। जलवायु शिखर सम्मेलन में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक पर्यावरण के दुश्मन चीन पर निशाना साधने की तैयारी की जा रही है । द टाइम्स ऑफ इज़राइल के एक ब्लॉग पोस्ट में लिखते हुए फैबियन बौसार्ट ने कहा कि 2060 तक देश की कार्बन न्यूट्रल बनने की योजना के बावजूद, 2001 के बाद से इसका घरेलू कोयला उत्पादन लगभग तीन गुना हो गया है। बाउसर्ट ने कहा कि यदि एक ओर चीन और दूसरी ओर अमेरिका और यूरोप के बीच तुलना की जाए तो अमेरिका और यूरोप में उत्पादित कोयले की मात्रा इस समय लगभग आधी हो गई है ।

जलवायु वार्ता पर क्या हो वैश्विक समुदाय का रुख

चीन ने 2020 में वैश्विक स्तर पर उत्पादित 7.7 बिलियन टन से अधिक कोयले का योगदान दिया, जो अगले सबसे बड़े उत्पादकों ('दुनिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादकों') के योगदान को बौना बना देता है। ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में संयुक्त राष्ट्र के COP26 शिखर सम्मेलन के लिए कम समय के बावजूद देश इस बात पर बहस करने में व्यस्त हैं कि जलवायु वार्ता पर वैश्विक समुदाय का क्या रुख होना चाहिए। जबकि विकसित देश 2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य की घोषणा करने के लिए विकासशील देशों को धक्का देकर इक्विटी के सिद्धांत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। बौसार्ट ने कहा कि असली दबाव चीन पर है, जो ग्लासगो में सीओपी 26 सम्मेलन से पहले उत्सर्जन में कटौती के अपने लक्ष्य को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहा है। चीन ने हाल ही में एक बड़ा बयान जारी कर कहा है कि वे विदेशों में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को फंड नहीं देंगा लेकिन उसने अपने खुद के बिजली संयंत्रों को बंद करने की बात नहीं की है।

अंतर्राष्ट्रीय दबाव में चीन ने की खोखली घोषणा

सच यह है कि चीन ने अंतरराष्ट्रीय दबाव में विदेशों में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को फंड न देने की घोषणा की है। जबकि बीजिंग विश्व स्तर पर कोयला

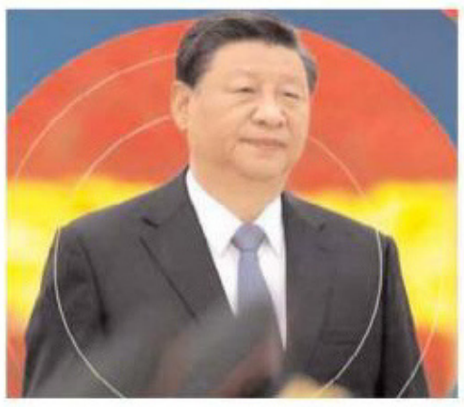

बिजली संयंत्रों के लिए वित्तपोषण का सबसे बड़ा स्रोत है, और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की घोषणा का बांग्लादेश, इंडोनेशिया, वियतनाम और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में कोयला बिजली विस्तार योजनाओं पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा । घोषणा से स्पष्ट है कि मौजूदा परियोजनाएं जारी रहेंगी। बोस्टन यूनिवर्सिटी ग्लोबल डेवलपमेंट पॉलिसी सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, वियतनाम, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे, सर्बिया और संयुक्त अरब अमीरात में 20 से अधिक चीनी-वित्तपोषित कोयले से चलने वाली बिजली इकाइयाँ निर्माणाधीन हैं।

विदेशों में कोयला वित्त को रोकना एक महत्वपूर्ण कदम

इसके अलावा चीन एक ऐसा देश है जो 2020 और 2030 के बीच 30 प्रतिशत कार्बन बजट पर कब्जा करेगा । शोधकर्ताओं ने कहा कि चीन को कोयले के बड़े पैमाने पर घरेलू उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है।बर्लिन में ग्लोबल कॉमन्स एंड क्लाइमेट चेंज पर मर्केटर रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक ओटमार एडेनहोफर ने कहा कि 'चीन की अर्थव्यवस्था अभी भी कोयले पर बहुत अधिक निर्भर है । विदेश में कोयला वित्त को रोकना एक महत्वपूर्ण कदम है लेकिन चीन को कोयले को पूरी तरह से समाप्त करने से एक लंबा रास्ता तय करना है।'

चीन की BRI परियोजना बड़ा पर्यावरणीय जोखिम

इसके अलावा, चीन की सबसे महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव एक बड़े पर्यावरणीय जोखिम का कारण बन रही है। द टाइम्स ऑफ इज़राइल की रिपोर्ट के अनुसार यूरोपियन फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज ने बताया है कि चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव) महत्वपूर्ण पर्यावरणीय जोखिम पैदा कर रहा है। EFSAS के अनुसार, दक्षिण एशिया जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव से गंभीर रूप से प्रभावित होने वाले मुख्य क्षेत्रों में से एक है । ईएफएसएएस ने कहा कि बीआरआई, जो स्पष्ट रूप से औद्योगिक विकास के लिए एक विकासात्मक परियोजना है, से पर्यावरणीय गिरावट और तेज होने की संभावना है।

ब्रह्मांड का रहस्यः पुराने दावे खारिज, शुक्र पर पानी था न जीवन, ऐसा कभी संभव भी नहीं होगा

वाशिंगटन। पृथ्वी के अलावा क्या किसी और ग्रह पर जीवन है? यह सवाल उतना ही पुराना है जितना कि यह पृथ्वी। ब्रह्मांड की उत्पत्ति के बाद जैसे-जैसे इंसानी समझ बढ़ती गई, इस गुत्थी को सुलझाने के लिए तमाम खोजें भी होती रहीं, लेकिन अभी तक ब्रह्मांड का यह गूढ़ रहस्य उलझा का उलझा ही है। हालांकि, कुछ वैज्ञानिक अध्ययनों से यह जरूर पता चला था कि पृथ्वी जैसा एक और ग्रह है शुक्र...जहां पर जीवन संभव हो सकता है। वैज्ञानिकों का दावा था कि आज से करोड़ों साल पहले इस ग्रह पर महासागर रहे होंगे और जीवन के अनुकूल परिस्थितियां भी होंगी।

नए अध्ययन ने खारिज किए पुराने दावे

वैज्ञानिक खोज आगे बढ़ ही रही थी कि अब एक नए अध्ययन ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। यूनीवर्सिटी ऑफ जेनेवा और स्विट्जरलैंड की नेशनल सेंटर ऑफ कॉम्पीटेंस इन रिसर्च के खगोलशास्त्रियों की टीम ने दावा किया है कि शुक्र ग्रह पर न कभी पानी था और न ही वहां जीवन के अनुकूल परिस्थितियां थीं। और तो और ऐसा

कभी संभव भी नहीं हो सकेगा।

शुक्र का तापमान कभी नहीं हुआ कम

टीम ने अध्ययन किया कि एक ही समय में दो ग्रहों के वायुमंडल कैसे विकसित हो सकते हैं और क्या इस प्रक्रिया में महासागरों का निर्माण हो सकता है। खगोलविद मार्टिन टर्बेट बताते हैं कि अध्ययन में सामने आया है कि शुक्र ग्रह की वातावरणीय परिस्थितियों ने कभी जलवाष्प को संघनित ही नहीं होने दिया। इसका सीधा आशय यह है कि शुक्र का तापमान कभी इतना कम हुआ ही नहीं कि यहां की परिस्थितियों में बारिश की बूंदों का निर्माण हो सके। उन्होंने बताया कि यहां

ब्रह्मांड की उत्पत्ति के बाद जैसे-जैसे इंसानी समझ बढ़ती गई, इस गुत्थी को सुलझाने के लिए तमाम खोजें भी होती रहीं, लेकिन अभी तक ब्रह्मांड का यह गूढ़ रहस्य उलझा का उलझा ही है।

पर पानी हमेशा एक गैस के रूप में बना रहा और महासागर कभी बन ही नहीं पाए।

तो पृथ्वी पर भी होती शुक्र जैसी स्थिति

खगोलविदों की टीम का कहना है कि अगर पृथ्वी भी शुक्र की तरह सूरज के समीप होती ओर सूरज उतना ही चमकीला होता, जितना कि आज है तो यहां की परिस्थितियां काफी अलग होतीं और पृथ्वी भी शुक्र के समान ही दिखाई देती। उन्होंने कहा कि सूर्य शुरुआती समय में इतना तेज नहीं था, जितना कि आज है। इसी कारण सूर्य ने पृथ्वी को ठंडा होने दिया और यहां महासागरों का निर्माण हो पाया।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली से अगवा कर नाबालिग को 60 हजार में आगरा में बेचा, पुलिस ने एक महीने में किया रेस्क्यू, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उत्तर पश्चिमी दिल्ली से एक 15 साल की लड़की के लापता हो जाने के एक महीने बाद पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के आगरा से रेस्क्यू किया. कथित तौर पर यहां नाबालिग को शादी के लिए 60 हजार रुपए में बेचा गया था. लड़की को खरीदने वाले व्यक्ति की गोपाल लाल के रूप में पहचान हुई है. पुलिस ने गोपाल लाल के साथ एक अन्य संदिग्ध नीरज सोनकर को भी गिरफ्तार किया गया है. नीरज, लड़की को पहले से जानता था और उसे आगरा ले गया था. संयुक्त पुलिस आयुक्त आलोक कुमार ने बताया कि दो महिलाओं समेत करीब तीन और लोग बच्चों के अपहरण और बेचने में शामिल हैं. उन्होंने कहा कि लड़की के माता-पिता ने 16 सितंबर को शालीमार बाग थाने में मामला दर्ज कराया था. जांच की गई और पता चला कि लड़की एक स्थानीय निवासी नीरज सोनकर के संपर्क में लगातार थी. इसके बाद सोनकर पकड़ा गया और उससे पूछताछ में पता चला कि वो लड़की को आगरा ले गया और लड़की को गोपाल राय को 60 हजार रुपए में बेच दिया. दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी जिले में अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए 'अंकुश' अभियान शुरू किया है. पुलिस अधिकारियों ने रविवार को कहा कि 'अंकुश' अभियान 16-17 अक्टूबर की मध्यरात्रि को शुरू किया गया. उत्तर-पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सैन ने कहा कि इस नए अभियान के तहत, शस्त्र अधिनियम के तहत 11 प्राथमिकी दर्ज की गई और 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इसके अलावा दो देसी पिस्तौल व चाकू आदि बरामद किए गए. पुलिस उपायुक्त के मुताबिक अवैध शराब बेचने के आरोप में अन्य छह मामले दर्ज किए गए और 60 लोगों पर आबकारी अधिनियम के तहत सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया. राष्ट्रीय स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मादक पदार्थों की बिक्री के सिलसिले में पांच मामले दर्ज किए गए.

ग्रेटर नोएडा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी! 'पेचकस गैंग' को दबोचा, 4 बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली- एनसीआर से सटे ग्रेटर नोएडा में कई दिन से इलाके में एक 'पेचकस' गैंग 'नाम से सक्रिय है. इस गिरोह का कहर इतना बढ़ गया है कि पुलिस इसके सदस्यों को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दे रही थी. जहां बीते रविवार को ग्रेटर नोएडा पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करने और एटीएम से रुपए निकलवा कर पेचकस मारने वाले बदमाशों को पकड़ने में पुलिस कामयाब हुई है. एनकाउंटर में पुलिस के हत्थे 4 शातिर बदमाश चढ़े हैं. मुठभेड़ के दौरान चारों कोतवाली beta-2 पुलिस की गोलियों से घायल हुए हैं. इस दौरान गिरोह के सदस्यों ने भी पुलिस पर फायरिंग की थी. दरअसल, नोएडा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीते रविवार को ग्रेटर नोएडा में चुहड़पुर अंडरपास के पास बदमाशों और बीटा 2 पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई. इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग की गई. आखिर में एक बदमाश के पैरों में गोली लगने से बदमाश आनंद वर्मा निवासी रेवाड़ी, शिव कुमार वर्मा निवासी डिबाई, बबलू वर्मा निवासी मायचा व दीपक वर्मा घायल हो गए. इस दौरान पुलिस ने घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये बदमाश कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करते थे. इसके साथ ही ञ्ररू से रुपए निकलवा लेते थे. ऐसे में विरोध करने पर पेचकस मारकर गंभीर रूप से घायल कर देते थे.

गौरतलब है कि बीते दिनों से ग्रेटर नोएडा में पेचकस गैंग ने लोगों को काफी परेशान किया हुआ था. इस गैंग ने नोएडा में कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करने और एटीएम (ञ्ररू) से रुपए निकालने वाले लोगों को पेचकस मारकर उन्हें घायल कर देते थे और पैसे लूटकर फरार हो जाया करते थे. पुलिस के पास जब ये शिकायतें पहुंचना शुरू हुईं, तो पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई. साथ ही लोगों को भी जागरूक करना शुरू किया. पुलिस ने कई पोस्टर जगह-जगह लगा दिए हैं. इन पोस्टर्स में लिखा है कि सभी लोग बस में सफर करें या कैब बुक कर ट्रैवल करें. किसी अनजान से यात्रा करने के दौरान लिफ्ट न मांगें. बता दें कि एडिशनल सीपी ने बताया कि पुलिस द्वारा की गई पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने सूरजपुर, नॉलेज पार्क आदि क्षेत्रों में हुई लूट की कई घटनाओं में शामिल होने की बात कबूली है. पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये बदमाश हमेशा से पहले मथुरा, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में जेल जा चुके हैं. जहां इनके पास से अवैध हथियार, नगदी, मोबाइल फोन, पेचकस, हथोड़ा, प्लास और 1 कार बरामद हुई है. उन्होंने कहा कि ये लोग रात 11 बजे से 2 तक अपनी कार लेकर हृष्ट्रक्र के इलाकों में घूमते थे. वहीं, सड़क पर वाहन के इंतजार में खड़े लोगों को ये कार में लिफ्ट देकर उनके साथ मारपीट कर पेचकस से हमला करते थे. उन्होंने बताया कि बदमाश पीड़ितों के पास रखी नकदी और मोबाइल फोन समेत अन्य सामान लूट लेते थे.

परिवहन विभाग में जारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आटो चालकों ने चलाया पोस्टर अभियान, आटो के पीछे लगाए पोस्टर

नई दिल्ली । गैर सरकारी संगठन आटो परिवार ने परिवहन विभाग में कथित रूप से जारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध पोस्टर अभियान शुरू किया है। रविवार को गोल मार्केट से आटो चालकों ने अपने आटो के पीछे पोस्टर लगाकर इसकी शुरुआत की। आटो परिवार के अध्यक्ष इंद्रजीत सचदेवा ने आरोप लगाया कि बुराड़ी परिवहन कार्यालय में आटो चालकों से रिश्वत मांगी जाती है।

आटो परमिट ट्रांसफर से लेकर बिना परमिट होल्डर आटो रिक्शा ट्रांसफर के लिए रिश्वत मांगी जा रही है। इससे आटो चालक परेशान हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक 15 दिन बाद पोस्टर के जरिये विभाग में हो रहे अलग-अलग तरीके से भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे। साथ ही अगर किसी को सुबूत भी चाहिए तो वह भी उपलब्ध कराएंगे। एक तरफ तो लोग महंगाई से परेशान है और दूसरी तरफ आटो चालकों का विभाग की ओर से शोषण किया जा रहा है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में ज्यादा से ज्यादा आटो चालकों को जोड़ा जाएगा ताकि परिवहन विभाग में पनप रहे भ्रष्टाचार का सच लोगों के सामने आ सके। आटो परिवार के अध्यक्ष इंद्रजीत सचदेवा का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही इस मुहिम को लेकर जल्द ही प्लानिंग बनाई जाएगी। वहीं, कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में स्थित कालकाजी पोस्ट आफिस रोड का स्थानीय विधायक आतिशी की ओर से निर्माण कराया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण पर विधायक फंड से 37 लाख खर्च किए जा रहे हैं। कई साल से कालकाजी के निवासी इसकी मांग कर रहे थे। कालकाजी से विधायक आतिशी ने लोगों की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए विधायक फंड से सड़क के निर्माण कराने का निर्णय लिया।निर्माण कार्य का उद्घाटन करते हुए विधायक आतिशी ने कहा कि चुनाव से पहले हर जनसभा में लोगों की पहली डिमांड होती थी कि और कुछ काम हो न हो, कालकाजी की पोस्ट आफिस रोड बनवा दो। इसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से अपील की तो उन्होंने विधायक फंड से इस रोड के निर्माण की अनुमति दी।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना को भेजा नोटिस , जानिए क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली । लापता बच्चों को परिजनों से मिलाने का दावा करने वाली दिल्ली पुलिस की ही एक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के घर पर 12 वर्षीय बच्चे से काम कराने का मामला सामने आया है। दक्षिणी जिले की चाइल्ड लाइन ने बच्चे को बचाया है। उसके शरीर पर चोट के निशान भी हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्या प्रज्ञा परांडे ने दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना को नोटिस भेजकर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। अभी तक मामले में प्राथमिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। एनसीपीसीआर द्वारा पुलिस आयुक्त को भेजे गए नोटिस के अनुसार, राजस्थान के बीकानेर का रहने वाला 12 वर्षीय बच्चा दिल्ली पुलिस में कार्यरत शिप्रा गिरि के वसंत कुंज सी-9 सोसायटी स्थित घर पर रह रहा था। बच्चे को घरेलू काम के लिए यहां लाया गया था। उसकी पिटाई भी की जा रही थी। पिछले सप्ताह बच्चा घर से बाहर निकल गया और किसी गुमटी के पास बैठा रो रहा था। तभी किसी ने चाइल्ड लाइन को सूचना दी। टीम ने बच्चे को लाकर पुलिस को सौंपा। दक्षिण-पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त गौरव शर्मा ने बताया कि बच्चे को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, बच्चा अब भी चाइल्ड लाइन द्वारा निर्धारित शेल्टर होम में रह रहा है। वहीं, एसीपी प्रीत विहार शिप्रा गिरि ने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। एनसीपीसीआर के नोटिस के बारे में जानकारी होने से उन्होंने इन्कार किया है। दिल्ली हाइकोर्ट के वकील पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चे को लाने वाले, उसे भेजने वाले और उसे अपने साथ रखने वाले पर भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 370 और पाक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की जा सकती है। आइपीसी 370 के अनुसार बहला फुसलाकर, लालच देकर या दास बनाने की मंशा से किसी को रखने पर उसे मानव तस्करी माना जाएगा।

दिल्ली में डेंगू से साल की पहली मौत, अब तक आ चुके हैं 700 से अधिक मामले

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण के बीच देश की राजधानी दिल्ली में डेंगू भी अब तेजी से पैर पसारने लगा है। दिल्ली में डेंगू के चलते इस साल पहली मौत का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में डेंगू से पहली मौत की सूचना मिली है। दिल्ली में इस साल अब तक डेंगू के 723 मामले सामने आ चुके हैं। इसमें दिल्ली में अक्टूबर माह में अब तक सामने आए 382 नए मामले शामिल हैं।

दिल्ली के अधिकारियों की मानें तो डेंगू पर काबू पाने की कवायद जारी है। इसके लिए संबंधित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी लगातार एक-दूसरे के संपर्क में हैं। क्या योजना बनानी है और कैसे कार्य करना है, लगातार महापौर और स्थायी समिति के चेयरमैन एक-दूसरे से सुझाव लेकर कार्य कर रहे हैं। तीनों निगमों में फागिंग के साथ लोगों को घर-घर जाकर जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है। तालाबों में मच्छर न पनपे, इसके लिए गंबोजिया मछली डाली गई है। लापरवाही पर 17 हजार से अधिक लोगों पर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। 1.16 लाख लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। 2.13 करोड़ बार लोगों के घर-घर जाकर जांच की जा चुकी है।

इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को शालीमार बाग में 1,430 बेड के सरकारी अस्पताल का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुल 6,800 बेड क्षमता के सात नए अस्पताल छह माह में बनाए जाएंगे जोकि अपने आप में विश्व रिकार्ड होगा। एक जिम्मेदार सरकार होने के नाते कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए हम सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। जब अप्रैल में दूसरी लहर आई थी तो अस्पतालों में सबसे ज्यादा कमी बेड, आक्सीजन और आइसीयू बेड की हुई थी।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली की स्वास्थ्य सुविधाएं आज पूरे देश में सरकारी महकमे के अस्पतालों में सबसे अच्छी हैं। अब इसको हमें विश्वस्तरीय बनाना है। आने वाले समय में हम हेल्थ इन्फार्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एचआइएमएस) लागू करने जा रहे हैं। अगले एक-डेढ़ साल के अंदर दिल्ली के हर नागरिक का हेल्थ कार्ड होगा। उसके हेल्थ का पूरा डेटा कंप्यूटर पर होगा। लोगों की अस्पताल में लंबी-लंबी लाइनें लगनी बंद हो जाएंगी। लोग एप के जरिये डाक्टर से मिलने का समय लेंगे। जिसके पास हेल्थ कार्ड होगा, उसका पूरा इलाज मुफ्त होगा। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि दुनिया के किसी भी देश में अभी तक ऐसा सिस्टम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने एक ईमानदार सरकार को चुना है। उसी का नतीजा है कि 2015 से पहले अस्पताल में एक बेड को तैयार करने में एक करोड़ की लागत आती थी, लेकिन हमारी सरकार मात्र बीस लाख खर्च कर आइसीयू बेड तैयार कर रही है। कोरोना के वक्त में पूरी दुनिया ने मेडिकल सुविधाओं की जरूरत को समझा है।

अस्पताल का हर बेड होगा आइसीयू- मुख्यमंत्री ने कहा कि शालीमार बाग में 275 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला अस्पताल छह माह में तैयार हो जाएगा। इस अस्पताल का हर बेड आइसीयू बेड होगा। हर बेड पर आक्सीजन, मानिटर आदि की सुविधा होगी। इसे समान्य बेड की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, क्षेत्रीय विधायक बंदना कुमारी भी थीं। स्वास्थ्य मंत्री ने भी अस्पताल का निर्माण कार्य अगले छह महीने में पूरा कर लेने की बात कही।

डेंगू के साथ पैर पसार रहा है मलेरिया और चिकनगुनिया- डेंगू के साथ राजधानी में मलेरिया और चिकनगुनिया बीमारी भी पैर पसार रही है. राजधानी में सिर्फ अक्टूबर महीने में अब तक मलेरिया के 29 और चिकनगुनिया के 13 केस रिकॉर्ड हुए है. जिसने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है. वहीं कोरोना की बात करें तो राजधानी में रविवार के आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में कोरोना के 32 नए केस सामने आए थे और 38 लोग कोरोना वायरस से रिकवर भी हुए हैं.

कोरोना से होने वाली मौतें थमी- रविवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर 0.07 फीसदी पर पहुंच गई है. दिल्ली में बीते 24 घंटे में कोरोना के 32 नए केस सामने आए हैं, वहीं इस दौरान किसी संक्रमित की जान नहीं गई है. दिल्ली में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 14 लाख 39 हजार 390 पहुंच गई है. वहीं मौतों का कुल आंकड़ा 25 हजार 89 है. दिल्ली में वर्तमान में कोरोना के 320 एक्टिव केस हैं. इनमें से 88 मरीज होम आइसोलेशन में हैं.

राकेश टिकैत बोले- जो हिंसा करेगा वो खुद होगा जिम्मदार, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले पर लगे रासुका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने आज 6 घंटे का रेल रोको आंदोलन का आह्वान किया है. सुबह 10 बजे से आंदोलन शुरू हो गया था और शाम 4 बजे ये जारी रहेगा. किसान अलग-अलग जगह पर ट्रेनें रोक रहें है. किसान नेता राकेश टिकैत से पूछा सरकार ने साफ कर दिया है, जो सरकारी संपत्ति को नुक्सान पहुंचाएंगे, उस पर कार्रवाई होगी, फिर भी किसान रेल रोकेंगे? इसपर राकेश टिकैत ने कहा कि आज रेल रोको आंदोलन है, पुलिस ने हमारे कुछ किसानों को घर पर ही रोक रखा है, जो नुकसान पहुंचाएगा उनके खिलाफ रासुका लगनी चाहिए, हम रेल रोक रहें हैं लेकिन नुकसान नहीं पहुंचा रहे हैं.

आम आदमी क्यों हो परेशान- किसानों और सरकार की तकरार का सीधा असर आदमी आदमी पर पड़ रहा है. इस पर किसान नेता ने कहा कि हम आम आदमी के लिए ही तो लड़ रहे हैं, ये आंदोलन रेल चलने का भी है, हम तो सिर्फ़ 6 घंटे रोक रहें हैं, सरकार ने तो डेढ़ साल से रोक रखी है, सरकार ने रेल बेच दी, जो बिक गई वो चल रही है.

सिंघु बॉर्डर के लिए किसान जिम्मेदार- संवाददाता ने पूछा कि अगर आप लखीमपुर खीरी मामले पर अजय मिश्रा टेनी पर 120 बी की धारा में केस दर्ज कराना चाहते हैं, तो सिंघु पर हुई हत्या के लिए किसान जिम्मेदार क्यों नहीं है? इस पर राकेश टिकैत ने कहा कि कानून सबके लिए एक जैसा नहीं है, कानून भेदभाव कर रहा है. हत्या के मुलजिम की रेड कार्पेट गिरफ्तारी की गई हुई, उनसे गेस्ट हाउस में पूछताछ हुई. हम चाहते हैं कि अजय टेनी पर मुकदमा दर्ज हो, बाप-बेटे आगरा की जेल में बंद हो, रिमांड पर जाएं. इसी के साथ जांच अधिकारियों के नाम गुप्त रखे जाए. वहीं सिंघु बार्डर की हत्या की प्लानिंग में किसान शामिल नहीं थे, सरकार की प्लानिंग थी, ये एक षड्यंत्र था.

क्या होगा अगला कदम- अगर किसानों की मांग पूरी हो जाती है तो आंदोलन का अगला कदम क्या होगा इस पर राकेश टिकैत ने कहा कि अगला कदम यही है जो 10 महीने से चल रहा है, हम रोज-रोज कदम नहीं बदलते, अगला कदम बता देंगे. इसी के रेल रोको आंदोलन में अगर हिंसा की जिम्मेदारी पर किसान नेता ने कहा कि जो हिंसा करेगा वो खुद ही जिम्मेदार होगा.

दिहाड़ी कामगार का राशन कार्ड जारी नहीं करने पर हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक दिहाड़ी कामगार द्वारा राशन कार्ड नहीं बनाने के मामले में दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है. वहीं, दिहाड़ी कामगार के मुताबिक बीते 8 साल पहले राशन कार्ड बनाने के लिए आवेदन दिया था. लेकिन अभी तक राशन कार्ड नहीं बनाया गया है. इस पर जस्टिस रेखा पल्ली ने दिहाड़ी कामगार की याचिका पर नोटिस जारी किया है. याचिका में मांग की गई है कि उन्हें तय समयसीमा के भीतर राशन कार्ड दिया जाए जिस पर उनके परिवार वालों के नाम हों. जस्टिस ने दिल्ली सरकार के एडवोकेट को इस बारे में निर्देश प्राप्त करने के लिए समय भी दिया है. इस मामले में हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई 25 अक्तूबर की तारीख तय की है.

दरअसल, इस मामले में याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्होंने सितंबर 2013 में ही राशन कार्ड के लिए आवेदन कर दिया था. इस बारे में लगातार अनुरोध भी किया गया लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया. वह लगातार राशन ऑफिस जाता रहा है. लेकिन उसे संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया. इस पर कोर्ट ने 6 अक्टूबर के आदेश में कहा था कि आवेदन में जिस तरह की राहत मांगी गई है उसके मद्देनजर दिल्ली सरकार के एडवोकेट को यह निर्देश दिया जाता है कि वह यह जानकारी प्राप्त करें कि आवेदक का आवेदन बीते 8 साल से लंबित क्यों पड़ा है.

कम कीमत पर अनाज के अधिकार से किया वंचित- बता दें कि याचिकाकर्ता ने कहा है कि अधिकारियों द्वारा कार्रवाई न करने से उन्हें और उनके परिवार को कम दाम पर अनाज के अधिकार से वंचित किया जा रहा है. इसमें बताया गया कि याचिकाकर्ता महिला और उनका परिवार दक्षिण दिल्ली में बस्ती में रहता है और उनके पति के नाम पर 2005 में जारी राशन कार्ड अधिकारियों द्वारा एकतरफा कार्रवाई करते हुए साल 2013 में रद्द कर दिया गया था. फिलहाल हाई कोर्ट अब इस मामले पर सुनवाई 25 अक्टूबर को करेगा.

आतंकी अशरफ ने किए बड़े खुलासे! जम्मू में नौकरी के बहाने की रेकी, फिर हाई कोर्ट में किया बम धमाका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पाकिस्तानी आतंकी मोहम्मद अशरफ उर्फ अली ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा की गई पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं. आतंकी ने स्पेशल सेल को बताया कि जम्मू में रेकी के लिए वहां होटल में नौकरी की थी. जम्मू बस स्टैंड पर स्थित जय ज्वाला होटल में नौकरी की थी. उसने नौकरी के दौरान ही जम्मू बस स्टैंड की रेकी कर ली थी. वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तानी आतंकी की गिरफ्तारी को लेकर दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान उच्चायोग को पत्र लिखा है.

दरअसल, इस मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि अशरफ ने जय ज्वाला होटल में कई महीने नौकरी की थी. नौकरी करने के दौरान ही रेकी कर ली थी. इस दौरान इसके पास दो पाकिस्तानी युवक आए और इसको बम दिया. इसने बम को जम्मू बस स्टैंड पर लगा दिया था. साल 2009 में हुए इस बम धमाके में 3 लोगों की जान गई थी. इसके बाद ये होटल के मालिक से ये कहकर नौकरी छोड़ दी थी कि उसे पुलिस की मुस्तैदी बढ़ने से डर लगता है. उन्होंने कहा कि आरोपी ने होटल में नौकरी करने के दौरान खुद को बिहार के कटिहार जिले का रहने वाला बताया था. वहीं, पुलिस ने होटल के मालिक की पहचान कर ली है.

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान उच्चायोग को लिखा लेटर- गौरतलब है कि इस मामले में दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान उच्चायोग को बीते शुक्रवार को पत्र लिखा है. उन्होंने लिखा है कि

पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार हुआ है. इसके साथ ही उसके पास से विस्फोटक और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं. इस दौरान दिल्ली पुलिस ने उच्चायोग को पाकिस्तान में रहने वाले इसके परिवार वालों को जानकारी देने के लिए कहा है. फिलहाल बीते रविवार तक दिल्ली पुलिस को अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है.

दिल्ली पुलिस की टीमें दे रही हैं दबिश

बता दें कि दिल्ली पुलिस अधिकारियों के मुताबिक स्पेशल सेल की टीमें 4 जगह जम्मू, कटिहार- बिहार, कोलकाता और अजमेर में दबिश दे रही है. इन जगहों पर जो लोग मो. अशरफ के संपर्क में थे उनसे पूछताछ की जा रही है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटिहार, बिहार के जिस प्रधान ने इसका निवास प्रमाण पत्र बनाया था वह प्रधान वहां चुनाव लड़ रहा है. स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रधान को जल्द ही पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जाएगा.

गरीबी के चलते बना आतंकी- पुलिस के अनुसार आतंकी मो.अशरफ का परिवार बहुत ही गरीब था. ऐसे में परिवार की गरीबी को दूर करने के लिए ये ढ्स्ढ्ढ के जाल में फंस गया. वहीं, आतंकी रुपए के लालच में भारत आकर आतंकी वारदातों की घटना को अंजाम देने के लिए तैयार हो गया था. इस दौरान स्पेशल सेल द्वारा की पूछताछ में आतंकी मोहम्मद अशरफ ने बताया कि वह कुछ महीने पहले पाकिस्तान अपने परिवार के पास जाना चाहता था. लेकिन जब उसने हैंडलर को पाकिस्तान आने की बात कही तो हैंडलर ने उससे कहा कि भारत में बहुत बड़े काम करने हैं. बड़े काम करने के बाद ही उसके पाकिस्तान आने के बारे में सोचा जाएगा.

बारिश के बावजूद दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा वायु प्रदूषण, एक्यूआई पहुंचा 350; हालात और खराब होने की आशंका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता रविवार को 'बहुत खराब' श्रेणी में रही, लेकिन दिल्ली की हवा में पराली जलाने का योगदान दो प्रतिशत रह गया है. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्वानुमान निकाय 'सफर' ने कहा है कि शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 दर्ज किया गया है. जो प्रमुख प्रदूषक के रूप में 'पीएम2.5' के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है. हालांकि हल्की बारिश से कुछ राहत मिलेगी, लेकिन वायु-संचार की खराब स्थिति के कारण मंगलवार से हवा की गुणवत्ता फिर से खराब हो जाएगी. एनसीआर

निकाय ने कहा, 'हवा की दिशा मुख्य रूप से पूर्व की ओर से है और मध्यम बारिश की उम्मीद है जिससे एक्यूआई में काफी सुधार होगा और सोमवार के लिए मध्यम श्रेणी को छूएगा लेकिन फिर अगले दो दिनों के लिए खराब श्रेणी में आ जाएगा.'

पंजाब में 14 जगहों पर जलाई गई पराली- निकाय ने कहा, 'पराली जलाने की 815 घटनाएं देखी गई थी, लेकिन हवाएं अनुकूल नहीं हैं और बारिश की उम्मीद है, आज पराली का योगदान कल के 14 प्रतिशत से कम होकर सिर्फ दो प्रतिशत होगा.' भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में सिर्फ 14 स्थानों पर पराली जलाई गई थी और हरियाणा और राजस्थान में ऐसी कोई घटना दर्ज नहीं की गई थी. उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की 39 घटनाएं हुईं, जबकि मध्य प्रदेश में केवल एक घटना सामने आई है.

पराली जलाने से रोके पड़ोसी राज्य

दिल्ली की वायु गुणवत्ता को लेकर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं के कारण ऐसा हुआ है. उन्होंने इन राज्यों की सरकारों से 'जिम्मेदार' दृष्टिकोण अपनाने का अनुरोध किया है. राय ने कहा कि यह सामान्य चलन है कि जैसे-जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ती हैं, दिल्ली में वायु गुणवत्ता बिगड़ने लगती है.

स्वास्थ्य को लेकर रखें इन बातों का ध्यान- सफर ने स्वास्थ्य सलाह में कहा कि संवेदनशील लोगों को बाहर की सभी शारीरिक गतिविधियों से बचना चाहिए और घर के अंदर ही रहना चाहिए. अस्थमा के रोगियों से दवाओं को संभाल कर रखने का आग्रह किया गया है. सफर ने कहा कि सामान्य तौर पर लोगों को किसी भी असामान्य खांसी, घरघराहट, सांस लेने में कठिनाई, सीने में परेशानी या थकान का अनुभव होने पर किसी भी गतिविधि को बंद कर देना चाहिए.

एस कैंपस की रामलीला में भद्दा मजाक! सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद मचा हंगामा; छात्रों ने मांगी माफी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के कुछ छात्रों द्वारा रामलीला मंचन करना अब विवादों में घिर गया है. इन छात्रों पर कथित तौर पर अभद्रता करने और रामायण के किरदारों का मजाक उड़ाने का आरोप है. इसमें इन छात्रों ने भागवान राम और माता सीता के बारे में गलत भाषा का इस्तेमाल किया है. वहीं, इसे लेकर जहां सोशल मीडिया में तेजी से वीडियों वायरल होने के बाद काफी हंगामा मचा हुआ है. इनकी जमकर खिंचाई की जा रही है, वहीं इनकी गिरफ्तारी की मांग भी जोर पकड़ने लगी है. ऐसे में मामले के तूल पकड़ता देख एम्स छात्र संगठन ने माफी मांगी है.

दरअसल, दशहरा के मौके पर एम्स में कार्यक्रम हुआ था. इसमें भगवान राम और माता सीमा के लिए अभद्र टिप्पणी की गई. इस पूरे संवाद में रामलीला का भद्दा मजाक बनाया गया. वहीं, सोशल मीडिया पर यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया. इस दौरान छात्रों पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. ऐसे में भी सभी लोग इनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे. इसके बाद स्टूडेंट एसोसिएशन ने ट्विटर पर ही माफीनामा पब्लिश किया. फिलहाल इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है. गौरतलब है कि एम्स के कुछ छात्रों द्वारा किए गए रामलीला मंचन के दौरान राम-लक्ष्मण और शूर्पणखा के संवाद वाली यह वीडियो क्लिप जैसी ही सोशल मीडिया पर वायरल हुई, उसे देखकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. इसके बाद तो ट्विटर पर #ArrestAIIMSCulprits और #AntiHinduUnacademy जैसे हैशटैग ट्विटर पर दिनभर ट्रेंडिंग में बने रहे. वहीं, ये वीडियो क्लिप सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रही हैं. इस दौरान एम्स स्टूडेंट एसोसिएशन ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि छात्रों की ओर से हम इस नाटक के संचालन के लिए क्षमा चाहते हैं, जिसका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था. उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में इस तरीके की कोई भी गलत गतिविधि न हो. बता दें कि सोशल मीडिया पर पर चल रही इन खबरों में बताया जा रहा है कि इस नाटक का मंचन शोएब आफताब नाम के छात्र द्वारा किया गया था.

बेटे के बालिग होने पर खत्म नहीं हो जाती पिता की जिम्मेदारियां- हाई कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक पिता को अपने बेटे के शिक्षा खर्च को पूरा करने के लिए जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं किया जा सकता. महज इसलिए क्योंकि वह बालिग हो चुका है. कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति को अपने बच्चों के समाज में उनका जीवनयापन करने लायक बनने तक उनका खर्चा उठाना होगा और वह सिर्फ इसलिए अपने बेटे की पढ़ाई का पूरा खर्च अपनी पत्नी पर नहीं डाल सकता. क्योंकि बच्चे की उम्र 18 साल हो गई है. इस मामले पर कोर्ट ने कहा कि CRPC की धारा 125 का मकसद ये सुनिश्चित करना है कि तलाक के बाद पति पत्नी और बच्चे बेसहारा न रखे.

दरअसल, जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा, कोई व्यक्ति अपने बेटे की पढ़ाई के खर्च से इसलिए मुक्त नहीं हो सकता. क्योंकि वह बालिग हो गया है लेकिन वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर नहीं है. व्यक्ति को अपनी

पत्नी को मुआवजा भी देना होगा जिसके पास बच्चों पर खर्चा करने के बाद अपने लिए मुश्किल से कुछ बचता है.वहीं, बीते जून 2021 में निचली अदालत ने वैवाहिक विवाद में शख्स को पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण के लिए 15 हजार रुपए प्रति माह राशि भुगतान के आदेश दिए थे.

कोर्ट ने दिया पत्नी को 15 हजार रुपए भत्ता देने का आदेश- गौरतलब है कि कोर्ट का यह आदेश उसके पहले के एक आदेश की पुनर्विचार याचिका पर आया है, जिसमें याचिकाकर्ता को उससे अलग हो चुकी पत्नी को तब तक प्रति महीने 15 हजार रुपए का गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था जबतक उसका बेटा ग्रेजुएशन पूरी करता या रुपए कमाना शुरू नहीं कर देता. इससे पहले एक फैमिली कोर्ट ने आदेश दिया था कि बेटे को तब तक गुजारा भत्ता दिया जाएगा जब तक वह बालिग नहीं हो जाता और बेटी को तब तक गुजारा भत्ता देना होगा जब तक वह नौकरी नहीं करने लगती या उसकी शादी नहीं हो जाती.

बता दें कि ऐसे मामलों में हाई कोर्ट ने कहा कि ज्यादातर घरों में सामाजिक-सांस्कृतिक कारणों से महिलाएं काम नहीं कर सकतीं और इसलिए वे खुद को आर्थिक रूप से नहीं संभाल सकतीं. हालांकि जिन घरों में महिलाएं काम करती हैं और अपने खर्चे के लिए पर्याप्त कमाई करती हैं, वहां स्वाभाविक रूप से यह मतलब नहीं हो जाता कि वहां पति अपने बच्चों की जिम्मेदारियों से मुक्त हो गया है.कोर्ट ने कहा कि बच्चों को सुविधाएं प्रदान करना पिता का भी बराबर कर्तव्य है और ऐसी कोई स्थिति नहीं है जब सिर्फ मां को अपने बच्चों को पालने और उनकी शिक्षा का खर्च वहन करना पड़े.

दंपत्ति का नवंबर 2011 में हो चुका है तलाक- इस दौरान कोर्ट ने कहा कि 18 साल की आयु में बच्चा 12वीं क्लास में है या ग्रेजुएशन के पहले साल में है. लेकिन इससे बच्चे की पढ़ाई का पूरा खर्चा मां पर आ जाता है और इसमें पिता का कोई योगदान नहीं होता. ऐसी स्थिति का कोर्ट समर्थन नहीं कर सकती है.

वहीं, तलाक ले चुके दंपत्ति की नवंबर 1997 में शादी हुई थी और उनके दो बच्चे हैं. उनका नवंबर 2011 में तलाक हो गया और अब बेटा 20 साल और बेटी 18 साल की है. कोर्ट को बताया था कि महिला दिल्ली नगर निगम में राजपत्रित अधिकारी के तौर पर काम करते हुए 60,हजार रुपए हर महीने कमाती है.

संपादकीय

दलित गोलबंदी की राजनीति

दलित गोलबंदी की राजनीति का स्वरूप फिर नया मोड़ ले रहा है। 1990 का दशक एक प्रकार से अस्मिताओं के उभार का दौर था। इसी दशक में उसमें स्वायत्त दलित राजनीति का नारा देते हुए पंजाब से उभरे रामदसिया सिख समुदाय से जुड़े कांशीराम ने दलितों में दलितों की अपनी राजनीति की आकांक्षा विकसित की थी। उन्होंने तब दलित-बहुजनों की राजनीतिक पार्टी के रूप में बहुजन समाज पार्टी का गठन किया था। उनके और मायावती के नेतृत्व में दलित राजनीति लगभग दो दशकों तक आक्रामक रूप से एक नया मोड़ लेकर न सिर्फ उत्तर प्रदेश में, बल्कि देश की राजनीति में भी प्रभावी बनी रही। उस वक्त दूसरे राजनीतिक दलों में भी दलित नेता तो रहे, पर उन्हें दलित-बहुजन राजनीति में ज्यादा महत्व नहीं मिल सका। पिछले दिनों मायावती के नेतृत्व में बहुजन राजनीति का प्रभाव थोड़ा कमजोर हुआ है। ऐसे में, फिर दलित गोलबंदी की राजनीति उत्तर भारत में बहुजन राजनीति के उभार के पूर्व के ढर्रे पर लौटती दिख रही है। आज फिर विभिन्न राष्ट्रीय दलों में दलित नेताओं को महत्व मिलना, उस महत्व का राष्ट्रीय विमर्श में महत्वपूर्ण होकर उभरना इस बात का सूचक है। अभी हाल ही में कांग्रेस पार्टी ने पंजाब में रामदसिया सिख समुदाय, जो प्राय- दलित समाज से जुड़ा समुदाय है, के चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया है। वहीं भाजपा ने भी उत्तर प्रदेश के चुनाव के मद्देनजर जो चुनाव संचालन की शीर्ष टीम बनाई है, उसमें अन्य जातियों के साथ-साथ बेबी रानी मौर्य को, जो दलित समुदाय से जुड़ी हैं, महत्वपूर्ण स्थान दिया है। यहां इतिहास अपने को दोहरा रहा है। स्वायत्त दलित राजनीति की जगह 'सबकी राजनीति के बीच दलित राजनीति' का दौर फिर से आता दिख रहा है। जनतंत्र का खेल निराला है। यहां सबको कभी न कभी सबकी जरूरत पड़ती है। दलित को सवर्ण की, सवर्ण को दलित की, पिछड़ों को दलित की, दलित को पिछड़ों की जरूरत पड़ती रहती है। कहने का तात्पर्य है कि यह जनतंत्र की ही शक्ति है कि वह समाज में सबको सबकी जरूरत का एहसास दिलाकर एक-दूसरे से जोड़े रखता है। एक गांव में पिछले दिनों राजनीति पर बात करते हुए एक वृद्ध ने हमसे ठीक ही कहा था, समाज और राजनीति, दोनों धीमी आंच पर खिचड़ी की तरह पकते रहते हैं, जरूरत होती है बस ठीक मात्रा में चावल-दाल को मिलाने की। जनतंत्र हमारी राजनीति में विभिन्न सामाजिक समूहों के ऐसे ही सामाजिक संयोजन की जरूरत का एहसास कराता रहता है।

प्राय- कहा जाता है कि भारतीय राजनीति में दलित नेताओं के महत्व का बढ़ना मात्र प्रतीकात्मक है। अगर ऐसा है भी, तब भी मेरा मानना है कि हर प्रतीकात्मकता धीरे-धीरे अपनी ठोस जगह खुद ही बना लेती है। प्रतीकात्मक हिस्सेदारी धीरे-धीरे ठोस हिस्सेदारी में बदल जाती है। यह तय है कि कांग्रेस अपने दलित आधार की वापसी चाहती है। भारतीय राजनीति में बसपा के उभार के पूर्व दलित समूह का एक बड़ा भाग कांग्रेस का आधार वोट रहा है। इधर जब बसपा और मायावती का कमजोर होना जारी है, तब कांग्रेस न केवल पंजाब में, बल्कि पूरे देश में ही दलित आधार मत में पैठने की कोशिश कर रही है। भाजपा भी पिछले दिनों लगातार दलित समूहों में प्रभावी होती गई है। ऐसे में, चुनाव के वक्त दलित चेहरों के महत्व का बढ़ना स्वाभाविक है।

पंजाब में कांग्रेस चरणजीत सिंह चन्नी जैसे दलित चेहरे को मुख्यमंत्री बनाकर दो तरह के लाभ की अपेक्षा कर रही है- एक, पंजाब में रामदसिया सिख समुदाय में अपने असर को सशक्त करना; दूसरा, पूरे देश की दलित बिरादरी को राजनीति में उनकी पर्याप्त हिस्सेदारी देने का संदेश देना। हालांकि पंजाब की राजनीति में कांग्रेस के लिए यह शायद ही बहुत लाभ का सौदा हो। पंजाब की दलित राजनीति में दो दलित समूह आस-पास की संख्या बल वाली जातियां हैं और इन दोनों में आगे बढ़ने की राजनीतिक व जनतांत्रिक प्रतिद्वंद्विता भी चलती रहती है। दोनों की राजनीतिक स्थिति एक-दूसरे से टकराती रहती है। ऐसे में, रामदसिया सिख जो प्राय- एक विशेष सामाजिक समुदाय से जुड़े हैं और पहले से ठीक-ठाक संख्या में कांग्रेस से जुड़े रहे हैं, की प्रतिद्वंद्विता में वाल्मीकि समुदाय कांग्रेस के विपक्ष में खड़े दलों, जैसे अकाली गठबंधन, भाजपा, आम आदमी पार्टी में से किसी की तरफ भी झुक सकते हैं।

पंजाब के बाद उत्तर प्रदेश में भी यह जाटव समुदाय दलितों का प्रभावी समुदाय है। किंतु मायावती जो इसी जाति की अस्मिता से जुड़ी हैं, का अभी तक इस समूह में गहरा आधार है। उनसे इस समूह के जो लोग अलग भी होंगे, वे उत्तर प्रदेश के संदर्भ में न सिर्फ कांग्रेस, वरन भाजपा, समाजवादी पार्टी, चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी की तरफ भी जा सकते हैं। भाजपा अपनी विकास योजनाओं, सामाजिक कल्याण के कार्यों, राजनीतिक-सांस्कृतिक अस्मिता की पुष्टि जैसे अनेक कार्यों से दलित समूहों, पिछड़ों और वंचितों में अपना आधार मजबूत करने की एक बड़ी योजना पर काम कर रही है। दलित समूह से आए नेताओं की भागीदारी उसी योजना का एक हिस्सा है। इस बार भाजपा गैर-जाटव दलित समूहों के साथ-साथ जाटव समूह में भी अपना असर बढ़ाना चाहती है। इसलिए न केवल बेबी रानी मौर्य, वरन इस समूह के ऐसे अन्य नेता भी आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश में भाजपा की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते दिख सकते हैं। भारत में दलित राजनीति 'उत्तर बहुजन (बहुजन समाज पार्टी) राजनीति' के दौर में पहुंच गई है, जिसमें दलितों की स्वायत्त राजनीति की संभावना कमजोर होगी और राष्ट्रीय पार्टियों में उनकी भागीदारी की राजनीति मजबूत होती जाएगी। बहुत संभव है, यह भागीदारी अपने दीर्घकालिक परिणाम में मात्र प्रतीकात्मक न रहकर ठोस परिणामों में भी बदले। देखना यह है कि यह प्रक्रिया उनके भीतर न केवल अपने ही समूह से असंपृक्त एक शक्तिवान व कुलीन वर्ग का विकास करने तक सीमित होकर न रह जाए, वरन यह राजनीतिक भागीदारी अंतत- इन सामाजिक समूहों के विकास की परियोजना से गहरे जुड़े। दलित और सीमांत समूहों को शक्तिवान बनाने के लिए यह जरूरी है और ऐसी ही आकांक्षा बाबा साहेब आंबेडकर ने बार-बार की थी।

प्रवीण कुमार सिंह

कोविड-19 से जुड़ी डब्ल्यूएचओ की जांच में चीनी अवरोधों पर दुनियाभर में उठे सवाल

महासभा में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना यथार्थ ही था कि अगर संयुक्त राष्ट्र को प्रासंगिक बने रहना है तो उसे विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए तत्परता दिखानी होगी। मोदी यह करने में सक्षम हैं, क्योंकि प्रत्येक रैंकिंग में भारत ने हमेशा नियमों का सम्मान किया है। आचार्य चाणक्य के हवाले से उन्होंने दुरुस्त ही कहा कि-यदि सही समय पर सही काम पूरा न हो तो समय ही उस काम की सफलता को समाप्त कर देता है। संयुक्त राष्ट्र को इसका अवश्य संज्ञान लेना चाहिए। यदि वह कुछ अनैतिक देशों और व्यक्तियों को वैश्विक संस्थानों से छेड़छाड़ की अनुमति देता रहेगा तो उसकी प्रासंगिकता और प्रभाव पर गंभीर प्रश्न उठते रहेंगे।

पूरी दुनिया करीब डेढ़ साल से कोविड-19 महामारी के स्नोत पर बहस कर रही है। एक आशंका यही जताई जा रही है कि कहीं यह चीन की किसी प्रयोगशाला में हुई घातक शरारत का परिणाम तो नहीं था। यह संदेह इससे और बढ़ जाता है कि चीन ने वुहान की संदिग्ध प्रयोगशाला में पड़ताल के लिए वहां प्रवेश देने को लेकर शुरुआत में हिचक दिखाई थी। डब्ल्यूएचओ के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार ने इन आशंकाओं को और बल दिया। ऐसी चर्चा आम थी कि चूंकि डब्ल्यूएचओ के मुखिया टेड्रोस अधानोम चीनी अहसानों के बोझ तले दबे हैं तो वह उसे लेकर कोई सख्त कदम नहीं उठाएंगे। यह संदेह तब और गहरा गया जब चीन ने जांच के लिए गई डब्ल्यूएचओ की टीम के साथ बहुत अजीब व्यवहार किया। दरअसल चीन चाहता ही नहीं था कि कोविड के उद्गम की सही और निष्पक्ष जांच हो।

कोविड-19 से जुड़ी डब्ल्यूएचओ की जांच में चीनी अवरोधों पर दुनिया के कई मीडिया संस्थानों ने मुखरता से आवाज उठाई है। जापानी अखबार सान्की शिंबुन ने इस जांच को वैज्ञानिक न बताकर उलझाऊ करार दिया। उसके अनुसार डब्ल्यूएचओ की टीम को स्वतंत्र रूप से लोगों के साक्षात्कार करने और प्रमुख स्थानों तक जाने से रोका गया। टीम ने वायरस के उद्गम की पर्याप्त जांच नहीं की। चूंकि डब्ल्यूएचओ के निष्कर्षों में बहुत झोल है तो नए सिरे से निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उक्त अखबार ने डब्ल्यूएचओ की टीम को चीन के रंग में रंगा हुआ पाया और उसकी जांच के नतीजों को खोखला बताते हुए खारिज कर दिया। अधानोम की ओर अंगुली उठाते हुए अखबार ने कहा कि वह जितनी जल्दबाजी में चीन को क्लीन चिट देने की जुगत में लगे

थे, उससे डब्ल्यूएचओ पर भरोसा बहुत घट गया। यदि संस्थान वैश्विक समुदाय का भरोसा फिर से हासिल करना चाहता है तो उसे अवश्य ही नए सिरे से जांच का आदेश देना चाहिए। इस मामले में अपनी टीम और संगठन के अधिकारों की रक्षा में हिचक दिखाने को लेकर अधोनाम के रवैये पर हैरानी हो सकती है। यही कारण है कि पिछले दो वर्षों के दौरान डब्ल्यूएचओ और उसकी गतिविधियां संदेह के घेरे में आईं।

हाल में अमेरिका गए प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई बात नहीं की, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से यह जरूर कहा कि वैश्विक गवर्नेंस के जिन संस्थानों की साख कई दशकों में बनी उस पर कोविड की जांच और ईज आफ डूइंग बिजनेस जैसे मसलों के कारण बदनुमा दाग लगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक गवर्नेंस के संस्थानों पर आज हर तरह के सवाल उठ रहे हैं। वैसे उन्होंने किसी संस्थान या देश का नाम नहीं लिया। उनका इशारा कोविड-19 वैश्विक महामारी पर डब्ल्यूएचओ की हीलाहवाली और चीन के संदिग्ध रवैये से लेकर विश्व बैंक की ईज आफ डूइंग बिजनेस रपट में चीनी साठगांठ की ओर था। डब्ल्यूएचओ के अलावा विश्व बैंक की साख भी हाल में बहुत धूमिल हुई है। अपनी ईज आफ डूइंग बिजनेस रपट के विवादों में घिरने के बाद बैंक ने उसे वापस ले लिया। उसमें चीन के अनुकूल आंकड़े तैयार किए गए थे, जिसकी तीखी आलोचना हुई थी। इससे पता चलता है कि ये संस्थान किस प्रकार संचालित होते हैं। यह निश्चित ही विश्व बैंक के इतिहास में सबसे कलंकित अध्याय होगा। जाने-माने अर्थशास्त्री एवं टिप्पणीकार एस. गुरुमूर्ति ने विश्व बैंक की कार्यप्रणाली पर विस्तृत अध्ययन किया है। उनके अनुसार, 'दशकों से जारी रैंकिंग के इस खेल को न तो कोई चुनौती दी गई और न ही उसकी जांच हुई। अब संयोगवश बैंक द्वारा की जाने वाली प्रतिष्ठित ईज आफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग की पोल खुली, जिसमें चीनी धोखाधड़ी सामने आई है। इससे रैंकिंग प्रणाली की गहन जांच की जरूरत महसूस हो रही है। असल में यह लुभावना पेशा है और पता लगे कि इसे करने वालों को कौन पैसा देता है, उनका मकसद क्या है और देशों की रैंकिंग तय करने के उनके पैमाने क्या हैं।

आखिर वे किस आधार पर अच्छे देश, साफ्ट पावर, पारदर्शिता, स्वतंत्रता, अस्थिरता, मानव विकास, प्रसन्नता मापक और सामाजिक प्रगति जैसे मापदंडों का फैसला करते हैं।' वह कहते हैं कि ला फर्म विल्मर हेल द्वारा किए गए रैंकिंग के आडिट में यह उजागर हुआ कि विश्व बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने चीन और सऊदी अरब की खुशामद के लिए काम किया। इसमें सामने आया कि 2018 और 2020 के लिए विश्व बैंक की रैंकिंग को क्रिस्टालीन जार्जीवा ने प्रभावित किया, जो 2017 से 2019 के बीच बैंक की मुख्य कार्याधिकारी रहीं। उन्होंने चीन की बेहतर रैंकिंग के लिए दबाव बनाया। रिपोर्ट का संदर्भ देते हुए गुरुमूर्ति ने कहा, 'चीन की रैंकिंग सुधारने में जार्जीवा प्रत्यक्ष रूप से सक्रिय हो गईं। इसमें रैंकिंग के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया में परिवर्तन को बढ़ावा देना भी शामिल था।' ऐसे खतरनाक मंसूबों के बावजूद यही मोहतरमा अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक बनी हुई हैं। इन संस्थानों के उदाहरण यही बताते हैं कि शक्तिशाली देश कैसे उनकी कार्यप्रणाली को प्रभावित करते हैं। पश्चिमी देश यह काम कुछ दबे-छिपे करते आए हैं, लेकिन चीन बहुत बेशर्मी से यह सब कर रहा है। वह अपने आर्थिक और राजनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ाने में इन संस्थानों के दोहन में लगा है। अगर विश्व बैंक और डब्ल्यूएचओ जैसे संस्थानों की यह दशा है तो फिर वी-डेम या रिपोर्टर्स विदाउट बार्डर्स सहित अन्य तमाम पश्चिमी थिंक टैंक की रैंकिंग पर कैसे भरोसा किया जा सकता है, जो लोकतंत्र और मीडिया की स्वतंत्रता जैसे तमाम पहलुओं पर रैंकिंग जारी करते हैं। महासभा में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना यथार्थ ही था कि अगर संयुक्त राष्ट्र को प्रासंगिक बने रहना है तो उसे विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए तत्परता दिखानी होगी। मोदी यह करने में सक्षम हैं, क्योंकि प्रत्येक रैंकिंग में भारत ने हमेशा नियमों का सम्मान किया है। आचार्य चाणक्य के हवाले से उन्होंने दुरुस्त ही कहा कि-यदि सही समय पर सही काम पूरा न हो तो समय ही उस काम की सफलता को समाप्त कर देता है। संयुक्त राष्ट्र को इसका अवश्य संज्ञान लेना चाहिए। यदि वह कुछ अनैतिक देशों और व्यक्तियों को वैश्विक संस्थानों से छेड़छाड़ की अनुमति देता रहेगा तो उसकी प्रासंगिकता और प्रभाव पर गंभीर प्रश्न उठते रहेंगे।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले, कुरान की बेअदबी तो बहाना है

सोशल मीडिया पर कुरान की बेअदबी की अफवाह के बाद कट्टरपंथियों की भीड़ बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर लगातार हमले कर रही है, हिन्दू धार्मिक स्थलों, देवी-देवताओं की मूर्तियों को निशाना बना रही है और उनके घरों को आग के हवाले कर रही है. कोमिल्ला जिले से शुरू हुई हमलों की यह आग अब नोआखाली और राजधानी ढाका तक फैल चुकी है. वही नोआखाली जहां 7 नवंबर 1946 को सांप्रदायिकता की आग बुझाने के लिए महात्मा गांधी को जाना पड़ा था. वही ढाका जिसका नाम बांग्लादेश के सबसे बड़े ढाकेश्वरी मंदिर के नाम पर रखा गया था.

इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें तो बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हमले का इतिहास कोई नया नहीं है. भारत में बाबरी मस्जिद विध्वंस से पहले 29 अक्टूबर 1990 को बांग्लादेश में राजनीतिक संगठन जमात-ए-इस्लामी ने बाबरी मस्जिद को गिराए जाने की अफवाह फैला दी थी. इसके चलते 30 अक्टूबर को भड़की हिंसा में कई हिन्दू मारे गए थे. साल 2001 में बीएनपी-जमात गठबंधन की जीत के बाद हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा हुई थी. 2004 की अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट के अनुसार, 2001 के चुनाव के बाद चटगांव में एक ही हिन्दू परिवार के 11 सदस्यों को जिंदा जला दिया गया था. लेकिन अब जबकि बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता है, एक पंथनिरपेक्ष सत्ता तो ऐसे में हिन्दुओं पर हमले की घटनाएं लगातार क्यों हो रही हैं? मीडिया रिपोर्ट्स में ये बात सामने आ रही है कि हमले की ताजा घटनाओं में प्रदर्शनकारी भारत विरोधी नारे लगा रहे हैं, साथ ही शेख हसीना को यह संदेश भी दे रहे हैं कि वो नई दिल्ली से अपनी नजदीकियां खत्म करें. दरअसल, बांग्लादेश में कई इस्लामिक कट्टरपंथी धड़े हैं जो शेख हसीना की सरकार से खफा रहते हैं. पिछले साल की ही तो बात है जब बांग्लादेश के कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन हजरत-ए-इस्लाम के चीफ जुनैद बाबूनगरी ने कहा था कि हम देश की सभी मूर्तियों को गिरा देंगे और कोई मायने नहीं रखता है कि कौन सी मूर्ति किसकी है. यहां तक कि बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान की 100वीं जयंती पर उनकी मूर्ति लगाने तक का विरोध जुनैद ने किया था. तो पहली बात तो यही है कि शेख हसीना की भारत के साथ दोस्ताना संबंध इन कट्टरपंथी संगठनों को मंजूर नहीं है. ऐसे संगठन बांग्लादेश को पूरी तरह से इस्लामिक राष्ट्र के तौर पर देखना चाहते हैं जो शेख हसीना की सत्ता के रहते संभव नहीं है. क्योंकि शेख हसीना बांग्लादेश की आजादी में भारत के अमूल्य योगदान का जिक्र करने से कभी नहीं चूकतीं. हमले की ताजा घटनाओं के बाद भी शेख हसीना ने कहा कि बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान यही चाहते थे कि बांग्लादेश में सभी धर्मों के लोग अपने धर्म का आजादी से पालन करें. बंगबंधु ने जिस मकसद से स्वतंत्र मुल्क बनाया था, हम उसी रास्ते पर चलेंगे. शेख हसीना का यही भारत प्रेम कट्टरपंथियों को रास नहीं आ रहा है और मौका पाते ही वो हिन्दुओं और उनके मंदिरों पर हमले कर भारत- बांग्लादेश के संबंधों को खराब करने का मौका तलाशते रहते हैं. गंगा-ब्रह्मपुत्र के मुहाने पर स्थित बांग्लादेश में 9 प्रतिशत की आबादी वाले अल्पसंख्यक हिन्दुओं का एक सच ये भी है कि हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में हिन्दुओं का यहां से पलायन हुआ है. ऐसे में कोई यह अफवाह फैलाकर हिन्दुओं पर हमला करने लगे कि उसने कुरान या पैगंबर मोहम्मद की बेअदबी की तो यह बात गले से नीचे उतरती नहीं है. दरअसल, कट्टरपंथी ताकतों को यह बात अच्छे से पता है कि हिन्दुओं ने पिछले 5000 सालों में किसी पर आक्रमण नहीं किया और न ही तलवार उठाकर किसी का धर्म परिवर्तन करवाया. जगह-जगह हिन्दुओं पर हमले इसी सोच का नतीजा है. यह पूरी तरह से बांग्लादेश से हिन्दुओं को भगाने की साजिश का एक हिस्सा है. भारत के दक्षिणपंथी नेता, पूर्व राज्यपाल और बांग्लादेश पर गहन अध्ययन करने वाले चिंतक डॉ. तथागत रॉय भी इस बारे में लगातार कहते रहे हैं कि बांग्लादेश में दो तरह के लोग हैं जो हिन्दुओं पर हमला करते हैं. एक कट्टरपंथी जो मानते हैं कि बांग्लादेश केवल मुसलमानों का देश है और दूसरा वह समूह जो बांग्लादेश में हिन्दुओं की अचल संपत्ति हथियाना चाहता है. कहने का मतलब यह कि कुरान की बेअदबी तो बहाना है, असल मकसद तो हिन्दुओं की संपत्ति को कब्जाना है. यह बांग्लादेश के अंदर की सामाजिक हकीकत है.

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले को अगर विस्तृत परिप्रेक्ष्य में देखें तो दक्षिण एशिया के देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव को भी अनदेखा नहीं कर सकते. यह सर्वविदित है कि चीन भारत को दुश्मन नंबर एक मानता है. चीन लगातार इस कोशिश में जुटा है कि भारत को उसके सभी पड़ोसी देशों से अलग-थलग कर दें. यहां तक कि नेपाल और श्रीलंका को भी अपने जाल में फंसाकर उसे भारत के खिलाफ खड़ा करने में चीन काफी हद तक सफल रहा. अब बांग्लादेश को भी चीन उसी कतार में खड़ा करने की कोशिश में जुटा है. जब चीन को शेख हसीना की चाल समझ में नहीं आई तो उसने वहां के कट्टरपंथी संगठनों को साधना शुरू किया. चीन की दृष्टि साफतौर पर इसी फॉर्मूले पर काम कर रही है कि बांग्लादेश में जब हिन्दुओं पर हमले होंगे, मंदिरों पर हमले होंगे तो इसकी प्रतिक्रिया भारत में होगी. भारत-बांग्लादेश के संबंधों में खटास पैदा होगी तो बांग्लादेश का चीन से दोस्ती गांठना उसकी मजबूरी होगी. इस तरह से जब भारत के सभी पड़ोसी देशों पर चीन का शिकंजा कस जाएगा तो उसके लिए भारत को झुकाना काफी आसान हो जाएगा.

विवाद नहीं, समाधान

एक बार फिर केंद्र और राज्य सरकारें आमने सामने दिख रही हैं। इस बार मामला देश में उत्पन्न कथित कोयला संकट का है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कोयले की आपूर्ति में कमी की शिकायत की और अनुरोध किया कि वह दखल देकर दिल्ली को कोयले की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करवाएं। इसके बाद केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने बयान जारी कर दावा किया कि कोयले की कमी को लेकर बेवजह ही घबराहट की स्थिति पैदा कर दी गई है और यह कि देश में कोयले की कोई कमी नहीं है।

उनके मुताबिक ऐसा गेल और टाटा की ओर से मिसकम्युनिकेशन की वजह से हुआ। मगर कोयले की कमी की शिकायत करने वाला दिल्ली अकेला राज्य नहीं है। महाराष्ट्र में 13 थर्मल पावर प्लांट बंद करने पड़े हैं। पंजाब में कई इलाकों में रोटेशनल लोड शेडिंग शुरू की जा चुकी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने भी हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री से तुरंत निजी तौर पर दखल देने का अनुरोध किया है। कई अन्य राज्यों में पावर कट की नौबत आने की खबरें हैं। ऐसे में अगर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के दावे को सही मान लिया जाए तो भी यह देखने की जिम्मेदारी केंद्र की ही बनती है कि आखिर विभिन्न राज्यों में बिजली की किल्लत की नौबत क्यों आ रही है।

देश के पावर प्लांट्स में कोयले के महज चार दिन के रिजर्व को हम घबराहट पैदा करने वाला न मानें तो भी इसमें दो राय नहीं कि यह आम तौर पर आवश्यक माने जाने वाले रिजर्व से कम है। इस कमी के जो कारण सरकारी तौर पर बताए जा रहे हैं उनमें एक तो यह है कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी की बदौलत बिजली की मांग में अचानक बढ़ोतरी हो गई। दूसरे, सितंबर में हुई बारिश के चलते कोयले के उत्पादन में व्यवधान पड़ा। इसके अलावा कोयला आयात का महंगा होना और राज्य सरकार की ओर भुगतान का बकाया जैसे कारकों की भूमिका भी बताई जा रही है। लेकिन इनमें से कोई भी कारण ऐसा नहीं है जिसे पूरी तरह अप्रत्याशित माना जा सके। जून महीने से ही अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत देखे जाने लगे थे।

जाहिर है, आर्थिक गतिविधियां तेज होने के साथ-साथ बिजली की मांग में बढ़ोतरी होना कोई ऐसी बात नहीं है जिसके बारे में पहले से अंदाजा न हो। मॉनसून आने के बाद बारिश से पैदा होने वाले व्यवधान भी हर साल की बात हैं। जाहिर है, इससे बचाव के इंतजाम पहले से होने चाहिए थे। केंद्र सरकार का कहना है कि चार-पांच दिन के अंदर स्थिति ठीक कर ली जाएगी। उम्मीद की जाए कि ऐसा ही होगा और देश को ऊर्जा संकट जैसी किसी स्थिति से नहीं गुजरना पड़ेगा। लेकिन उस हालत में भी यह जरूर सुनिश्चित किया जाए कि ईंधन और ऊर्जा सप्लाई जैसे मामलों में हमारी प्लानिंग फूलप्रूफ रहे।

राजनीति के आगे मशाल लेकर चलता साहित्य, आम आदमी की बने आवाज

तभी वे सच्ची मशाल भी बन सकते हैं। चर्चित होने के जो बहुत सरल से नुस्खे निकाल लिए गए हैं, जहां बहुत से पात्र हिंदी फिल्मों के चालू नुस्खों की तरह नजर आते हैं, उनसे कैसे बचा जाए, यह भी सोचने की बात है। वरना तो रचनात्मकता इसी तरह राजनीतिज्ञों द्वारा तय किए गए बोझ से कराहती रहेगी। नेता शायद ही इसे बचा पाएंगे। कहीं अब भी तो ऐसा नहीं होगा कि जो लोग रचनाओं में जीत रहे हैं, भविष्य उनके खिलाफ खड़ा हो। कई बार तो ऐसा लगता है कि तमाम रचनाएं किसी फैक्ट्री में तैयार हो रही हैं। जहां इस राजनेता या उस राजनेता को देवता साबित करने की होड़ लगी रहती है।

कहा तो यह जाता है कि साहित्य राजनीति के आगे मशाल लेकर चलता है यानी राजनीति को राह दिखाता है। जहां राजनीति डगमगाए, वहां उसका तारणहार बनता है, लेकिन अर्से से महसूस हो रहा है कि इन दिनों राजनीति के पीछे रचनात्मकता दौड़ लगाती है। राजनीति अपने-अपने वोटों के जुगाड़ के लिए जो विमर्श तय कर देती है, सब उसी के पीछे दौड़ लेते हैं। वे साहित्य में भी अपनी जगह बना लेते हैं। इससे होता यह है कि जिसे नयापन या मौलिकता कहते हैं, वह गायब हो जाती है। इंटरनेट मीडिया के इस युग में जब दो-चार सौ पृष्ठ की पुस्तक पढ़ने के लिए बहुत धैर्य चाहिए, तब ऐसे में बहुत-सी रचनाएं ऐसी नजर आती हैं, जिनमें इन दिनों के चालू विमर्शों के आधार आप शुरू से ही देख सकते हैं। जब शुरुआत से ही पता चल जाए कि हार-जीत लिंग, धर्म, जाति के आधार पर तय होने लगे तो ऐसे में उन्हें पढ़ने की दिलचस्पी नहीं जगती। विमर्शवादी अक्सर हाय बचाओ चिल्लाते आते हैं, अपने प्रति सहानुभूति जगाते हैं और समाज में अपना स्थान बनाते हैं, लेकिन जिस सहानुभूति की लहर से उन्होंने लोगों के मन में जगह बनाई होती है, उसी को पीटते हैं। वे असहमत होने के अधिकार की मांग करते हैं, लेकिन उनसे अगर आप जरा सा असहमत हुए तो वे आपको हर तरह से लांछित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। पक्ष-विपक्ष की राजनीति ने इस तरह के स्टीरियोटाइप बना दिए हैं कि अगर आप इनसे हटकर कुछ लिखना चाहें तो लिख ही नहीं सकते। हद तो यह है कि आजकल किसी के सरनेम से उसके लिखे की अच्छाई-बुराई तय कर

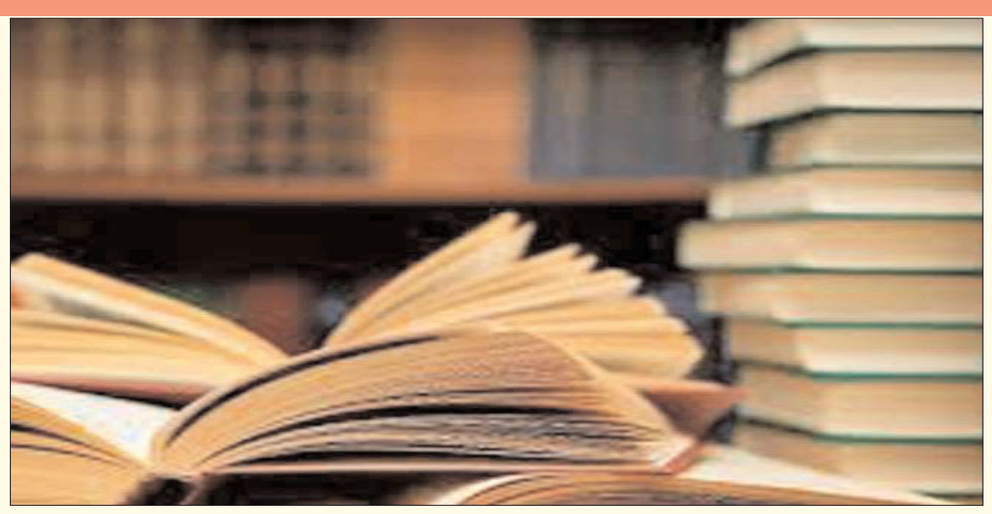

दी जाती है। इंटरनेट मीडिया का भी इसमें भारी योगदान है। यह चलन किसी भी लिहाज से सही नहीं।

क्या किसी जेंडर, जाति और धर्म भर से किसी की अच्छाई-बुराई तय हो सकती है? अच्छाई-बुराई, झूठ-सच मनुष्य की सहज प्रकृति है। इसीलिए हर जाति-धर्म, लिंग में अच्छे-बुरे हो सकते हैं, लेकिन किसी को देवत्व और किसी को जन्म के आधार पर खलनायक की उपाधि आखिर रचनात्मकता का क्या भला करती है? विमर्शों ने वर्गों को बिल्कुल भुला दिया है। हम जानते हैं कि गरीब और साधनहीन की न कोई जाति होती है और न ही धर्म। वह बस गरीब होता है और संसार से दुत्कार ही पाता है। कुछ फामरूले तय कर लिए गए हैं। यदि उस फ्रेम में रचना है तो उसे बिना पढ़े ही मात्र सुनने के आधार पर कई बार महान कहा जा सकता है। इस संदर्भ में पिछली सदी का आठवां और नौवां दशक याद आता है। उन दिनों अच्छी कहानी, कविता, नाटक और फिल्म आदि की पहचान इस रूप में थी कि हर हाल में मेहनतकश वर्ग की जीत होनी चाहिए। उस दौर में यदि इससे इतर कोई रचना लिखी जाती थी तो उसे बेकार मान लिया जाता था।

दिलचस्प यह है कि रचनाओं में तो हर हाल में मेहनतकश वर्ग जीतता रहा, लेकिन जमीनी हकीकत में उलटा हुआ। पिछली सदी के अंतिम दशक से निजीकरण की जो लहर चली, उसने जमीनी हकीकत को इस तरह से बदला कि मेहनतकश वर्ग के मामूली अधिकार तक न बचे। काम के निश्चित घंटे, जिन्हें मेहनतकश वर्ग ने काफी संघर्षों और बलिदान के बाद पाया था, उनका कहीं अता-पता नहीं है। न ही अब पक्की नौकरियां बची हैं। इसीलिए आज उस तरह की रचनाएं अगर कोई लिखे भी, तो कहा जा सकता है कि वे समाज में जो हो रहा है, राजनीति जो कर रही है, उससे कोसों दूर हैं। अफसोस यह भी है कि इस तरह के सवालों को बिल्कुल भुला दिया गया है।

पहले मेहनतकश वर्गों के अधिकार जब छीने जाते थे तो उसे शोषण कहा जाता था, अब इन्हें सुधार कहा जाता है। हां नाम जरूर सब जनसेवा का लेते हैं। एक अजीब सी बात पिछली सदी के अंतिम दशक में यह चली कि जो लोग गांवों के बारे में लिखते हैं, वे महान होते हैं और जो शहरों के बारे में वे बस यों ही। जैसे शहरों में न तो गरीब होते हैं, न उनकी कोई मुश्किलें। अब तो 21वीं सदी के इस दौर में और यहां तक कि पिछले ही साल हमने ऐसे लाखों गरीबों को महानगरों से अपने-अपने गांवों की तरफ दौड़ते देखा था। इसके अलावा मध्यवर्ग के जो लोग जैसे-तैसे पढ़ते-लिखते हैं, नौकरी पाते हैं, अपना घर-परिवार चलाते हैं, नौकरी पर लटकती तलवार को हर वक्त डोलते हैं, सरकारों को टैक्स देते हैं और सरकारें इसी टैक्स से अपने वोटों के लिए न जाने क्या-क्या करती हैं, मुफ्त बहुत कुछ बांटती हैं, मुआवजे लुटाती हैं, उनकी जेब पर हमेशा कैंची चलाती रहती हैं। इस मध्यवर्ग की जैसे कोई समस्या ही नहीं होती। ऐसा कैसे मान लिया गया है कि यह वर्ग निकम्मा ही नहीं होता, बल्कि चांदी का चम्मच मुंह में लेकर पैदा होता है। जबकि सच इसके एकदम विपरीत होता है। कम से कम साहित्य में तो इनकी आवाजें भी सुनाई देनी चाहिए, क्योंकि यदि राजनीति मनुष्य की समस्याओं से जान-बूझकर आंखें मूंदे है तो साहित्य और रचनाएं तो इनकी बात कह सकते हैं। तभी वे सच्ची मशाल भी बन सकते हैं। चर्चित होने के जो बहुत सरल से नुस्खे निकाल लिए गए हैं, जहां बहुत से पात्र हिंदी फिल्मों के चालू नुस्खों की तरह नजर आते हैं, उनसे कैसे बचा जाए, यह भी सोचने की बात है। वरना तो रचनात्मकता इसी तरह राजनीतिज्ञों द्वारा तय किए गए बोझ से कराहती रहेगी। नेता शायद ही इसे बचा पाएंगे। कहीं अब भी तो ऐसा नहीं होगा कि जो लोग रचनाओं में जीत रहे हैं, भविष्य उनके खिलाफ खड़ा हो। कई बार तो ऐसा लगता है कि तमाम रचनाएं किसी फैक्ट्री में तैयार हो रही हैं। जहां इस राजनेता या उस राजनेता को देवता साबित करने की होड़ लगी रहती है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

लखनऊ में बदले मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता, तेज हवा और बारिश से धान की खेती को नुकसान

लखनऊ । रविवार को हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। धान के खेतों पानी भरने से उनके सड़ने की संभावना बढ़ गई है। कृषि विशेषज्ञ व बख्शी का तालाब के चंद्रभानु गुप्ता कृषि महाविद्यालय के सह आचार्य डा. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि तेज हवाओं से धान की पकी फसल गिर गई जिससे अधिक नुकसान होने की संभावना है। बख्शी का तालाब के भौली गांव में तो धान की कटाई हो गई और पानी भरने से अब धान पीटने में दिक्कत होगी। ऐसे ही निरंतर बारिश होती रही तो और धूप नहीं निकलती है तो धान मे 60 से 70 प्रतिशत तक नुकसान होने की संभावना होगी। इसके अलावा सफेद तिल व उड़द की फसल प्रभावित हुई है। क्षेत्र के करीमनगर, अरिगवां, दरौना, इंदारा, कुम्हरावां,नरोसा, रेवामऊ,महिगवां के किसानों की कटी फसल खेतों में पड़ी थी और पानी भरने से नुकसान की संभावना है। उप कृषि निदेशक डा.सीपी श्रीवास्तव ने बताया कि मौसम विभाग ने एक दो दिन के बाद मौसम ठीक होने की संभावना जताई है। पानी भरे खेतों से किसान सूखे स्थान पर कटे धान को रखे दें। जहां कटाई नहीं हुई है, वहां जल निकासी की व्यवस्था करें जिससे पानी निकल जाए। टमाटर-प्याज की नर्सरी प्रभावितः चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के अवैतनिक फार्म प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने बताया ने बताया कि जिन किसान भाइयों ने प्याज और टमाटर की नर्सरी डाल रखी है उसको अच्छी तरह से पालिथीन से ऊंचा आधार बनाकर ढक दें।

प्रमुख रूप से पपीता किसानों को सलाह दी जाती है कि हर स्थिति में खेत से जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। जिन किसानों ने धनिया,पालक, मेथी तथा सोया की बुवाई की है जल निकास का अच्छा प्रबंध करें। सरसों,आलू एवं मटर के किसान 25 अक्टूबर तक अपनी फसल की बिजाई का कार्य करते हैं उनके लिए या बरसात लाभदायक होगी। टिकरी गांव के प्रगतिशील कुलदीप सिंह,शिव कुमार सिंह, हवलदार सिंह रामप्रकाश यादव व रामेश्वर प्रसाद का पका धान खेतों में गिर गया है। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के निदेशक डा वाईके शर्मा एवं प्राचार्य गजेंद्र सिंह ने बताया कि तेज बरसात से धान किसानों का नुकसान होगा जिससे आमजन के ऊपर भी प्रभाव पड़ेगा सब्जियां महंगी होंगी । किसानों को जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए।

बांका में चौथे चरण के मतदान की तैयारी पूरी, बौंसी के 202 मतदान केंद्र पर डाले जाएंगे वोट

बौंसी (बांका)। पंचायत चुनाव को लेकर वाहनों की धरपकड़ तेज कर दी गई। मुख्य चौक, भलजोर चेकपोस्ट, ब्लाक मोड़,गुरुधाम मोड़ सहित अन्य जगहों पर पदाधिकारी पुलिस जवानों के साथ वाहनों को जब्त किया। सैकड़ों वाहनों को जब्त कर प्रखंड मुख्यालय समीप डिस्पैच स्थल पर रखा गया है। वाहनों का सीजर लिस्ट बनाकर चालक को दिया गया। चुनाव कार्य के लिए करीब 300 वाहनों की आवश्यकता है। चुनाव के लिए सोमवार को विभिन्न 202 मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मी को चुनाव कार्य के लिए भेजा जाएगा। एक मतदान केंद्र पर छह चुनाव कर्मी मौजूद रहेगें। चुनाव कार्य में 13 सौ से अधिक चुनाव कर्मी एवं पदाधिकारी हिस्सा लेगें। शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराने को लेकर इंस्पेक्टर गोपाल कुमार सिंह पुलिस जवानों के साथ विभिन्न पंचायतों में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान बिना अनुमति लिए चुनाव प्रचार में लगे दर्जनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त सशस्त्र पुलिस जवानों का आगमन हो चुका है।

प्रखंड के 14 पंचायतों में बुधवार को चुनाव होगा इसके लिए डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी सुहर्ष भगत के निर्देश पर सभी तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतदान सुबह सात बजे से तीन बजे तक की जाएगी। चुनाव को लेकर ईवीएम सिलींग काम पूरा कर लिया गया है। चुनाव का समय नजदीक आते ही उम्मीदवारों की धड़कने तेज हो गई है। सभी उम्मीदवार ताबड़तोड़ प्रचार करने में जुटे हुए हैं। रविवार को एसपी अभियान अयोध्या सिंह की अगुवाई में बंधुवाकुरावा थाना क्षेत्र के दर्जनों गांव में एरिया डोमिनेशन किया गया। इस दौरान एसएसबी एवं स्थानीय पुलिस जवान ने एरिया डोमिनेशन किया। बंधुवाकुरावा थानाध्यक्ष सतीश कुमार ने बताया कि कुसवरना,धोबरना, चिलकारा ,महगुड़ी , झालर सहित अन्य गांव में एरिया डोमिनेशन किया गया। ग्रामीणों से पंचायत चुनाव में शांतिपूर्वक मतदान करने की अपील की गई। किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान नहीं देने के लिए कहा गया। अगर किसी प्रकार के अफवाह की सूचना होती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करने का निर्देश दिया गया। एरिया डोमिनेशन में काफी संख्या में एसएसबी के जवान एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

त्योहारी सीजन में ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल, छठ स्पेशल के लिए डीआरएम से मिले धनबाद के पूर्व मेयर

धनबाद । अगले महीने छठ है। महापर्व को लेकर अभी से ही बिहार जानेवाली ट्रेनें भर चुकी हैं। दिल्ली, मुंबई और गुजरात समेत बड़े शहरों से वापसी की राह भी अब मुश्किल है। कई ट्रेनें ऐसी हैं जिनमें छठ से पहले नो रूम है और टिकट बुक तक नहीं हो रहे हैं। ऐसे में अब स्पेशल ट्रेन और अतिरिक्त कोच ही विकल्प हो सकते हैं। छठ के दौरान यात्रियों को परेशानी न हो इसके लिए पूर्व मेयर चंद्र शेखर अग्रवाल डीआरएम आशीष बंसल से मिले। उन्होंने स्पेशल ट्रेन चलाने और धनबाद से खुलने वाली ट्रेनों में भीड़ बढ़ने पर अतिरिक्त कोच जोड़ने का डिमांड किया। मामला यात्री सुविधाओं से जुड़े होने के कारण सीनियर डीसीएम अखिलेश पांडेय ने पूर्व मेयर को रेलवे के प्लान की पूरी जानकारी दी।

इन जगहों के लिए चल सकती हैं स्पेशल ट्रेन- धनबाद होकर चलने वाली उत्तर बिहार की ट्रेनों की छठ से पहले काफी भीड़ है। इसके मद्देनजर सीतामढ़ी और कटिहार के लिए स्पेशल चलाने की योजना है। इसके साथ ही बिहार और पूर्वांचल जानेवाली मौर्य एक्सप्रेस में भी लंबी वेटिंग लिस्ट है। लिहाजा, धनबाद से गोरखपुर के लिए स्पेशल ट्रेन का प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा जा रहा है। रेलवे बोर्ड से अनुमति मिल गई तो छठ स्पेशल के तौर पर स्पेशल ट्रेनें चल सकती हैं। धनबाद रेल मंडल ने तैयारी कर रखी है। सिर्फ रेलवे बोर्ड की हरी झंडी का इंतजार है। अनुमति मिलते ही स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। छठ से पहले की जा रही ट्रेनों की क्लोज मानिटिंग- सीनियर डीसीएम ने बताया कि छठ से पहले ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट की क्लोज मानिटरिंग की जा रही है। जिन ट्रेनों में लंबी वेटिंगलिस्ट है, उनमें एक्सट्रा कोच जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। धनबाद से खुलने वाली ट्रेनों के साथ-साथ यहां से गुजरने वाली ट्रेनों में अतिरिक्त कोच के लिए संबंधित जोन को भी प्रस्ताव भेजा जाएगा।

यूपी के कुछ जिलों में किसान यूनियन ने स्थगित किया रेल रोको विरोध, जिलों में प्रशासन से वार्ता के बाद किसान नेता राजी

लखनऊ । किसान नेताओं ने उत्तर प्रदेश में रेल रोको का अपना विरोध स्थगित कर दिया है। उत्तर प्रदेश में लखनऊ सहित अन्य कई जिलों में प्रशासन से वार्ता के बाद किसान नेताओं ने रेल रोको का विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया है। वहीं लखनऊ में भी रेल रोकने जा रहे किसानों को पुलिस ने रोक लिया। लखनऊ में भी रेल रोकने जा रहे किसान रोके गए, ज्ञापन भेजा- लखीमपुर हादसे को लेकर भारतीय किसान मोर्चा ने सोमवार को रेल रोको की घोषणा की है। लखनऊ में रेल रोकने जा रहे किसानों को पुलिस ने बैरिकेडिंग करके रोक दिया। नाराज किसान प्रदर्शन करने लगे। यहां किसानों ने एक ज्ञापन भी सौंपा। आजाद भारतीय किसान यूनियन ने भारतीय किसान मोर्चा के रेल बंद का समर्थन किया था। हालांकि इस समर्थन के साथ यूनियन की किसानों को लेकर कई और मांगे भी थी। जिसमें तीन कृषि कानूनों की वापसी, बिजली बिल की माफी, एमएसपी के लिए कानून बनाने, गौशालाओं का संरक्षण, फसलों को बचाने के लिए आवारा पशुओं पर नियंत्रण करने की मांग की गई है।

भारतीय किसान यूनियन ने उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी हिंसा के मामले में केन्द्रीय मंत्री को पद से हटाने की मांग को लेकर सोमवार को रेल रोको विरोध का फैसला किया था। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जिला प्रशासन तथा भारतीय किसान यूनियन के बीच में लम्बी वार्ता के बाद किसान यूनियन ने रेल रोको कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। उत्तर प्रदेश के साथ ही देश में सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा का दस बजे से रेल रोको अभियान था। उत्तर प्रदेश के हर जिले में जिला तथा पुलिस प्रशासन इसको लेकर बेहद मुस्तैद था। किसान नेताओं के साथ कई दौर में वार्ता भी जारी थी। इसी दौरान किसान नेताओं ने रेल रोको अभियान को स्थगित करने का फैसला कर लिया।

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री (एमओएस) अजय मिश्रा टेनी को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर सोमवार को छह घंटे के राष्ट्रव्यापी रेल रोको आंदोलन का आह्वान किया। तय था कि सोमवार सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक किसान संगठनों से जुड़े आंदोलनकारी रेलवे ट्रैक जाम करेंगे। इसको लेकर उत्तर प्रदेश में सभी जिला तथा पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर था। लखनऊ पुलिस ने चेतावनी दी थी कि किसान संगठन के रेल रोको आंदोलन में हिस्सा लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। लखनऊ में धारा 144 भी लागू है। इसके बाद भी अगर कोई सामान्य स्थिति को बाधित करने की कोशिश करता है तो एनएसए लगाया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि रेल रोको आंदोलन अलग-अलग जिलों में अलग-अलग जगह होगा। पूरे देश में वहां के लोगों को पता रहता है कि हमें कहां ट्रेन रोकनी है। भारत सरकार ने अभी हमसे कोई बात नहीं की है। किसान संगठनों की तरफ से कहा गया है कि रेल संपत्ति को बिना क्षति पहुंचाए रेल रोको शांतिपूर्ण रहेगा।

लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसानों सहित कुल आठ लोगों की मौत हो गई थी। इसको लेकर किसान यूनियन ने बड़ा विरोध जताया था।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष समेत 37 किसान नेता गिरफ्तार- लखीमपुर की घटना को लेकर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को सदर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोकने जा रहे किसान नेताओं को पुलिस ने स्टेशन गेट पर रोक लिया। पुलिस व किसान नेताओं के बीच बहस हुई। इसके बाद पुलिस ने भाकियू के जिलाध्यक्ष, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष समेत 37 किसान नेताओं को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन भेज दिया।

यह हुए गिरफ्तार- सुबह टाउन हाल परिसर में भाकियू जिलाध्यक्ष राघवेंद्र शाही के नेतृत्व में किसान नेता एकत्रित हुए। इसके बाद किसान नेता प्रदर्शन करते हुए सुभाष चौक पर पहुंचे, जहां पुलिस उन्हें रोकने का प्रयास की। बावजूद इसके किसान नेता प्रदर्शन करते हुए सदर रेलवे स्टेशन गेट पर पहुंच गए और ट्रेन रोकने के लिए आगे बढ़ने लगे। जिसके बाद पुलिस व पीएसी के जवानों ने सख्ती दिखाते हुए गेट पर रोक लिया। इसके बाद राघवेंद्र शाही के अलावा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डा.कृष्णा जायसवाल, राणा सिंह, डा. चतुरानन ओझा समेत अन्य किसान नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मांगे मानी जाने तक चलेगा आंदोलन- भाकियू जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार तानाशाही रवैया अपनाए हुए हैं। तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए आंदोलन चल रहा है। लखीमपुर खीरी में किसानों को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे ने रौंद दिया। अभी तक केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मांगे मानी जाने तक आंदोलन जारी रहेगा। पुलिस के डर से किसान अपना आंदोलन बंद नहीं करेंगे। पूरे जिले में सड़क पर उतरे किसान- उधर, सलेमपुर में भाकपा नेता कामरेड सतीश कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री की बर्खास्तगी की मांग की। इस दौरान कामरेड प्रेमचंद्र यादव, सुशील कुमार समेत अन्य किसान नेता मौजूद रहे।

आगरा के थाने में चोरी, चोरों ने एक नहीं पांच दरवाजे तोड़े, तब किए 25 लाख रुपये पार

आगरा । जगदीशपुरा थाने के मालखाने में चोरी करने वाले शातिर कितने बेखौफ थे, इसका अनुमान उनके बेखौफ अंदाज से लगाया जा सकता है। करीब सौ वर्गगज से अधिक क्षेत्रफल में फैले मालखाने में कई कमरे बने हैं। इनमें से पांच दरवाजे तोड़कर चोर नए मालखाने में पहुंचे और काफी देर तक उसमें माल खंगालते रहे। 25 लाख रुपये चोरी करने के बाद शातिर यहां से भाग गए। थाने में पुलिसकर्मी थे, लेकिन उन्हें भनक तक नहीं लग सकी।

जगदीशपुरा थाने का मालखाना काफी बड़ा है। इसमें चार कमरों में काफी पुराने मुकदमों से संबंधित माल रखे हैं। वर्ष 2020 में मालखाना मोहर्रिर की मौत होने के बाद पुराने माल से संबंधित चार कमरों को सील कर दिया था। थाने के कार्यालय की बगल में एक कमरे में वर्ष 2020 के बाद के मुकदमों से संबंधित माल रखे थे। नए मालखाना मोहर्रिर इस कमरे को खोलकर प्रतिदिन बैठते थे। सील किए गए मालखाने के चार कमरों में कोई आता-जाता नहीं था। ये सभी कमरे एक- दूसरे से जुड़े हुए हैं। अंतिम कमरे का गेट बाहर खुलता है। यहां से थाने के बंद गेट की दूरी 20 फीट होगी। चोरों ने अंतिम कमरे के इसी गेट को पहले निशाना बनाया है। अंदर से बंद लकड़ी के गेट में धक्का मारकर खोलने की कोशिश की। इसमें दरवाजे लकड़ी टूट गई और चोर यहीं से अंदर दाखिल हो गए होंगे। इस गेट से अंदर घुसने के बाद एक के बाद एक गेट को चोरों ने धक्का देकर तोड़ दिया। इसके बाद चोर अंतिम दरवाजे को तोड़कर नए मालखाने में पहुंच गए। यहां बॉक्स में रखे 25 लाख रुपये चोरी किए। चोरों के अंदाज से यह स्पष्ट है कि उन्हें मालखाने के अंदर की पूरी जानकारी थी। अंजान आदमी थाने में बेखौफ तरीके से नए मालखाने तक नहीं पहुंच सकता था। यह भी माना जा रहा है कि चोर मालखाने में कम से कम एक घंटे तक रहे होंगे।

एडीजी आगरा जोन राजीव कृष्णा ने थाने के मालगोदाम से चोरी होने के मामले में त?वरित एक्शन लिया है। उन्होंने थाना जगदीशपुरा के एसएचओ अनूप कुमार तिवारी सहित सब इंस्पेक्टर और तीन पुलिसकर्मी को निलंबित किए जाने के आदेश कर दिए हैं। साथ ही पूरे मामले की जल्द जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय मंत्री रजनी मिश्रा बोलीं- भाजपा ने किया नारी के समान में सबसे ज्यादा काम

बरेली । शाहजहांपुर में भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय मंत्री रजनी मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार ने ही नारी सम्मान और उत्थान की दिशा में सबसे अधिक काम किया है। ब्लाक मुख्यालय स्थित डवाकरा भवन पर कमल मिशन अभियान के तहत मोर्चा कार्यकर्ताओं की बैठक में रजनी ने कहा कि मातृशक्ति समाज का दर्पण होती है। सरकार की नीतियो-रीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य भी मातृ शक्ति को भी करना होगा। ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सविता वर्मा ने सरकार की योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख कविता यादव, चंद्रकांता द्विवेदी, रचना गुप्ता, अलका गुप्ता, प्रज्ञा शर्मा, अनामिका गुप्ता आदि मौजूद रहीं।

स्वयंसेवकों ने किया पथ संचालन

तिलहर ॒राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर में रविवार को स्वयंसेवकों ने गणवेश में पथ संचलन किया। जगह-जगह उनका पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर में कई दिन से प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। पथ संचलन के जरिए लोगों को अनुशासन का भी संदेश दिया। स्वयंसेवक प्रभात सहाय, ऋषि द्विवेदी, आदित्य सिंह, महेंद्र सिंह, अनुराग गुप्ता, आलोक अग्रवाल, राजीव राठौर, अंकित अग्रवाल, अजय सिन्हा आदि व्यवस्था रहे।

अखिल भारतीय हिंदू शक्ति दल की मासिक बैठक चिनौर स्थित शिव मंदिर में हुई, जिसमें अखिल भारतीय हिंदू शक्ति दल के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुशील को पदोन्नत करते हुए जिला संयोजक युवा प्रकोष्ठ मनोनीत किया गया। अभय को युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

सचिव संगम शास्त्री को बरेली मंडल का मंडल महासचिव बनाया गया। इसके अलावा राजीव शुक्ला, प्रेम कुमार रस्तोगी व पोस्टमास्टर व साहित्यकार अरुण प्रताप सिंह भदौरिया को दल के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुनीत हिंदू ने श्रीमदभगवद्गीता, फरसा भेंटकर व भगवा पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष आशीष, मुकेश, तेजराम, प्रतीक, विकास, अंकुर आदि मौजूद रहे।

संघ के प्राथमिक शिक्षा वर्ग का हुआ समापन–नगर के काकोरी शहीद इंटर कालेज मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सात दिवसीय प्राथमिक शिक्षा वर्ग का रविवार शाम समापन हुआ। संघ के विभाग के विभाग कार्यवाह रवि मिश्र, जिला कार्यवाह नरेंद्र शुक्ला ने वर्ग मे आए बंडा और क्षेत्र के शिक्षार्थियों को संघ की रीति-नीति से अवगत कराया। कार्यक्रम समापन मे शिक्षार्थियों को योगासन, सूर्य नमस्कार, दंड प्रहार आदि प्रशिक्षण भी दिया। इस मौके पर खंड कार्यवाह सत्यनरायण शुक्ल, नगर कार्यवाह अवनीश मिश्र, मोहन सिंह नीरज मिश्र, हरिप्रसाद गंगवार, देवेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

कश्मीर में दो बिहारियों की हत्या पर सियासत गरमाई, तेजस्वी-चिराग का सरकार पर हमला

पटना। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिलके वनपोह में बिहार के दो श्रमिकों का मर्डर कर दिया है। जबकि गोली आतंकियों की गोली से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। आतंकियों के इस कायराना हरकत को लेकर बिहार में सियासी पारा चढ़ने लगा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और लोक जनशक्ति पार्टी(रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार सरकार पर हमला बोला है। तो वहीं सूबे में एनडीए के घटक दलों में शामिल हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने केन्द्र की मोदी सरकार से बड़ी मांग कर दी है। मांझी ने ट्वीट कर केन्द्र सरकार से यह आग्रह किया है कि, कश्मीर के हालात को सुधारने की जिम्मेवारी बिहारियों को दे दी जाए।

15 दिन में आतंकियों को सुधार देंगे- कश्मीर में बिहार के श्रमिकों की हो रही लगातार हत्या पर बिहार में सियासत गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने आतंकियों के इस कायराना हरकत का मुंह तोड़ जवाब देने की मांग की है। मांझी ने ट्वीट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से यह मांग की है कि, कश्मीर के आतंकियों को सुधारने का जिम्मा बिहार के लोगों को दे दी जाए। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है कि, मौका मिलते ही 15 दिनों में बिहार के लोग कश्मीर के आंतिकयों को सुधार कर रख देंगे।

तेजस्वी और चिराग ने बिहार सरकार को घेरा- रविरा को कश्मीर में बिहार के दो मजदूरों की हत्या के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और चिराग पासवान ने बिहार सरकार को घेरने की कोशिश की । तेजस्वी यादव सोमवार को ट्वीट कर लिखा है कि, गजब है, बिहार में ठनके और सांप के डंसने से होने वाली मौत पर सरकार की तरफ से चार लाख का मुआवजा दिया जाता है। लेकिन आंतकियों की गोली से बिहार के लोगों की मौत पर बिहार सरकार 2 लाख रुपये देती है।

लोक जनशक्ति पार्टी(रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी कश्मीर में बिहार के दो श्रमिकों के मारे जाने पर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर बिहार सरकार से सवाल पूछा है।

यूपी विधान सभा चुनावः प्रयागराज के शहर उत्तरी से संजय गोस्वामी होंगे बसपा के प्रत्याशी

प्रयागराज। यूपी विधान सभा चुनाव 2022 की तैयारियों में राजनीतिक दलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुटे हैं। ऐसे में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी मिशन 2022 को लेकर रणनीति बनाकर कार्य शुरू कर दिया है। बसपा ने प्रत्याशियों के चयन और इसे सार्वजनिक करने में दूसरे दलों को पीछे छोड़ दिया है। बसपा ने कर्नलगंज क्षेत्र में स्थित दुर्गा पूजा पार्क में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया। इसमें शहर उत्तरी विधान सभा से संजय गोस्वामी को चुनाव लड़ाने की घोषणा की है।

बसपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में राज्य सभा सदस्य डा. अशोक सिद्धार्थ बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। डा. अशोक सिद्धार्थ ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों और रसोई गैस को महंगी करके भाजपा की सरकार ने देश में महंगाई चरम पर ला दी है। भाजपा के मंत्री के बेटे किसानों पर गाड़ी चढ़ा रहे हैं और मोदी जी चुप हैं।

अशोक सिद्धार्थ ने कार्यकर्ता सम्मेलन में ही कहा कि संजय गोस्वामी शहर उत्तरी विधानसभा सीट पर बसपा के प्रत्याशी होंगे।

पार्टी की नीतियों से कराया अवगत

बसपा के कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता प्रयागराज और चित्रकूट मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी अशोक गौतम ने की। इस अवसर पर मुख्य सेक्टर प्रभारी अमरेंद्र बहादुर, अशोक गौतम, राजू गौतम, डा. जगन्नाथ पाल सहित अन्य लोगों ने पार्टी की नीतियों से अवगत कराया। जिलाध्यक्ष चिंतामणि वर्मा ने संचालन किया।

कांग्रेस के नवनियुक्त शहर कमेटी अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने पार्टी कार्यालय में पदभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सब को साथ लेकर कांग्रेस को मजबूत करना ही मकसद है। उन्होंने कहा कि संगठन में काम करने वालों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह भी दावा कि कि अगले वर्ष सूबे में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इससे पूर्व निवर्तमान अध्यक्ष नफीस अनवर ने मुहूर्त के अनुसार शपथ दिलाई और कार्य भार सौंपा।

बिहार विधानसभा उपचुनाव को लेकर आरजेडी-कांग्रेस में ब्रेक-अप

पटना। तारापुर और कुशेश्वरस्थान विधानसभा सीटों पर उपचुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनता दल एवं कांग्रेस के संबंधों में आई दरार भविष्य में भी जारी रह सकती है। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि आरजेडी के साथ कांग्रेस के संबंध फिलहाल समाप्त हो चुके हैं। भविष्य में रिश्ता कायम रहेगा या फिर दरार जारी रहेगी, इसका फैसला अब आलाकमान को करना है। स्पष्ट है कि अब कांग्रेस के महागठबंधन में रहने या अलग होने का फैसला पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को करना है।

आरजेडी-कांग्रेस के रिश्ते का समाप्त द-एंड- बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डा. मदन मोहन झा उपचुनाव के मद्देनजर फिलहाल पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने के लिए कुशेश्वरस्थान में हैं। वहां उन्होंने कहा कि आरजेडी से कांग्रेस का रिश्ता फिलहाल समाप्त हो चुका है। उनके इस बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस भविष्य में भी आरजेडी से दूरी बनाकर रखेगी और अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरेगी।

अब आलाकमान को करना आगे का निर्णय- कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डा. झा कहते हैं कि फिलहाल आरजेडी के साथ रिश्ता खत्म हो चुका है। दोनों ही दल दोनों सीटों पर अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। आगे आरजेडी के साथ रिश्ते का भविष्य क्या होगा, इसका फैसला आलाकमान को करना है। उसका जो निर्णय होगा उसी आधार पर भविष्य की राजनीति की दशा-दिशा तय होगी।

कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष कौकब कादरी भी कहते हैं कि दो सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने से पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह है। वे मानते हैं कि पार्टी आलाकमान उपचुनाव के नतीजों के आधार पर भविष्य का फैसला कर सकता है।

आरजेडी के खिलाफ कांग्रेस का एक धड़ा

कांग्रेस के अंदर भी एक गुट ऐसा है जो आरजेडी से दोस्ती को लेकर हमेशा सवाल उठाता रहा है। इस गुट का मानना है कि आरजेडी राजनीतिक फायदे के लिए कांग्रेस को नुकसान पहुंचाता रहा है। 2019 का लोकसभा चुनाव हो, 2020 का विधानसभा चुनाव, या इसके पूर्व के चुनाव; आरजेडी अपने सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे में सौतेला व्यवहार करता रहा है। इस गुट का मानना है कि कांग्रेस को अपने बेहतर भविष्य के लिए आरजेडी से दूरी बनाकर चलना चाहिए। जानकार भी मानते हैं कि वक्त आ गया है जब कांग्रेस को बिहार में अपनी जमीन मजबूत करने के लिए एकला चलो के पथ पर आगे बढ़ने पर विचार करना होगा।

जदयू नेता ने लालू यादव पर कसा तंज, बोले- महागठबंधन से पहले अपने परिवार को बचाएं राजद सुप्रीमो

सुल्तानगंज (भागलपुर)। बिहार के कुशेश्वरस्थान और तारापुर में हो रहे उपचुनाव में जदयू समर्पित एनडीए उम्मीदवार भारी मतों से जीत दर्ज करने जा रहे हैं। यह उपचुनाव बिहार में विकास बनाम विनाश की लड़ाई है। लालू प्रसाद यादव महागठबंधन तो क्या अपने परिवार को नहीं बचा पाए। उपचुनाव में तेज और तेजस्वी के अलग-अलग बोल हैं, जिससे जनता में ऊहापोह की स्थिति है। दोनों सीटें जदयू की परंपरागत सीट रही हैं। जदयू फिर से इस सीट पर काबिज होगा। पूरे मजबूती के साथ हमारी पार्टी दोनों जगहों पर चुनाव लड़ रही है। जन सेवक नीतीश कुमार और उनके द्वारा किए गए विकास के मुद्दे पर हम लोग जनता से वोट करने की अपील कर रहे हैं। लड़ाई कहीं भी नहीं है। जनता सुशासन की सरकार चाहती है। उक्त बातें जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने सुल्तानगंज में विशेष बातचीत में कही।

उन्होंने कहा कि महागठबंधन में नेताओं की कमी है। बिहार को विकास के पथ पर ले जाने के लिए उनके पास विजन ही नहीं है। गठबंधन के सहयोगी दल के अलग-अलग राग हैं, जिससे जनता परेशान हो चुकी है। उन्होंने कहा कि किसी भी सीट पर कांटे की कोई टक्कर नहीं है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार तेजी से बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर कर रही है। सात निश्चय योजनाओं का लाभ जनता को मिल रहा है। हर क्षेत्र में विकास हो रहा है कहीं से भी पटना मुख्यालय पहुंचने के लिए जो 5 घंटे का समय निर्धारित किया था उस पर काम हो चुका है। बिजली पानी 24 घंटे उपलब्ध हो रही है।

विकास योजनाओं को बल दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की मदद से बिहार विकास के नए आयाम को छू रहा है। इस दौरान जेडीयू के प्रदेश संगठन महामंत्री अंजनी कुमार सिंह, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण चंद्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष डा. विजय सिंह, जिला महासचिव विनय सिंह, सांसद प्रतिनिधि पवन केसान समेत काफी संख्या में जदयू कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा में देर रात तक बंद कमरे में जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ तारापुर विधानसभा उपचुनाव पर रणनीति बनाई और जनता का मंतव्य लिया देर रात तक बंद कमरे में बैठक चलती रही।

स्नातक में नामांकन के लिए आवेदन में सुधार का मिला मौका, 20 तक छात्र कर सकते हैं आवेदन

पूर्णिया । पूर्णिया विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में स्नातक स्तरीय बीए, बीकाम, बीएससी एवं बीबीए, बीसीए ऑनर्स, बीसीए सेमेस्टर एवं सीएनडी में नामांकन के लिए आनलाइन आवेदन में छात्र-छात्राओं से हुई त्रुटि के सुधार के लिए अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है । यह जानकारी विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रो. गौरी कांत झा ने दी। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राएं अपनी समस्या निर्धारित मेल पर भेज सकते हैं। या फिर मोबाइल नंबर 9608906395 अथवा 7870031554 पर निर्धारित तिथि तक संपर्क कर इसमें सुधार करवा सकते हैं।

सत्र 2021-22 के यूजी बीए, बीएससी, बीकाम एवं वोकेशनल कोर्स के लिए आनलाइन नामांकन आवेदन फार्म भरने की तिथि बढ़ाने की मांग छात्र नेता सौरभ कुमार ने की है। बता दें कि पूर्व में आवेदन की तिथि 10 अक्टूबर बढाकर 15 अक्टूबर की गई थी। छात्र नेता सौरभ कुमार ने कहा कि तिथि विस्तार के बाद भी कई छात्र छात्राओं का आनलाइन नामांकन आवेदन फार्म भरने का शुल्क भुगतान नहीं हो पाया। छात्र-छात्राओं के अनुसार पेमेंट भुगतान के समय पूर्णिया विश्वविद्यालय का नामांकन पोर्टल में सर्वर इरर बता रहा था। ऐसे छात्र छात्राओं को ऑनलाइन नामांकन आवेदन फॉर्म भरने का मौका देना चाहिए। छात्र नेता श्री कुमार ने कहा कि पूर्णिया विश्वविद्यालय के यूएमआईएस की लापरवाही के कारण भी छात्र -छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे विलग उन्होंने पूर्णिया विश्वविद्यालय द्वारा जारी हेल्प डेस्क मेल एवं मोबाइल नंबर से छात्र -छात्राओं की समस्याओं का समाधान की उम्मीद पर भी सवाल उठाया है।

खास मेल-मुलाकातें

राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मिले पश्चिम मध्य रेल के जीएम

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता ने पद संभालने के बाद अपने दो दिवसीय भोपाल प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को राजभवन पहुंचकर प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की और मंडल में चल रहे रेलवे के निर्माण एवं विकास कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट के दौरान हबीबगंज स्टेशन के पुनर्विकास के तहत किए गए निर्माण एवं विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर में महाप्रबंधक द्वारा हबीबगंज स्टेशन के पुनर्विकास से संबंधित कॉफी टेबल बुक भी मुख्यमंत्री को भेंट की गई। श्री गुप्ता ने विगत एक अक्टूबर को पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय जबलपुर में अपना पदभार ग्रहण किया है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक पश्चिम मध्य रेल भोपाल सौरभ बंदोपाध्याय भी मौजूद थे।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा से मिलने पहुंचे सज्जन सिंह वर्मा

भोपाल । प्रदेश में हो रहे एक लोकसभा और तीन विधानसभा उपचुनाव के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधायक सज्जन सिंह वर्मा सोमवार को प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा से मिलने उनके चार इमली स्थित निवास पर पहुंचे। बंद कमरे में दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे से ज्यादा मुलाकात हुई। हालांकि इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच बातचीत क्या हुई, इसका खुलासा नहीं हो सका है। मीडिया से चर्चा में भी उन्होंने इसे सहज और सामान्य मुलाकात बताया। लेकिन उपचुनाव से पहले हुई इस मुलाकात ने एक बार फिर मप्र का सियासी पारा हाई कर दिया है। यहां बता दें कि सप्ताह भर पहले ही पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह ने नरोत्तम से मुलाकात की थी और उसके पहले कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक डॉ. गोविंद सिंह और कांतिलाल भूरिया भी नरोत्तम से मिल चुके हैं। अब नरोत्तम मिश्रा और सज्जन वर्मा की सियासी मुलाकात क्या रंग दिखाएगी, यह तो आने वाला समय दिखा बताएगा।

संक्षिप्त समाचार

एआईआईएमएस रामलीला मामले में जांच के आदेश

भोपाल । दशहरे पर दिल्ली एआईआईएमएस में हुई रामलीला में अभद्रता और अश्लीलता का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हालाँकि रामलीला का मंचन करने वाले एमबीबीएस के छात्रों ने माफी मांग ली है, लेकिन रामलीला का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने भी इस पर अपनी कड़ी आपत्ति जताई है और जांच के आदेश दिए हैं। मप्र के गृह मंत्री और सरकार के प्रवक्ता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दिल्ली एआईआईएमएस के छात्रों द्वारा रामलीला मंचन में उड़ाए गए हिन्दू संस्कृति के मजाक को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि मैंने भी उस वीडियो को देखा और सुना है, निश्चित रूप से उसमें अश्लीलता और अभद्रता है। मैं अधिकारियों से कहूंगा कि वे उसकी विधि अनुसार जांच करें और यदि कोई केस बनता है कि उसकी जीरो पर कायमी कर दिल्ली भेजें।

सीएम ने की रजौधा के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सूबेदार सिंह रजौधा के अस्वस्थ होने पर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री चौहान ने ट्वीट कर कहा कि जौरा विधानसभा के साथी विधायक सूबेदार सिंह रजौधा जी के अस्वस्थ होने का समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से शीघ्र उनको पूर्णतः स्वस्थ करने की प्रार्थना करता हूं। बता दें कि मुरैना जिले के जौरा के भाजपा विधायक सूबेदार सिंह रजौधा रविवार को सबलगढ़ में दशहरा मिलन समारोह के मुख्य अतिथि थे। वे मंच पर प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कार वितरित कर रहे थे कि अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनको चक्कर आ गए वह गिर पड़े। उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत ग्वालियर ले जाया गया जहां अपोलो अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है।

किसानों को मिलेगी और अधिक बिजली: ऊर्जा मंत्री

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि विद्युत कंपनियों द्वारा वित्तीय वर्ष2021-22 में रबी सीजन के दृष्टिगत योजनाबद्ध तरीके से अधोसंरचना के कार्यों को पूर्ण किया जा रहा है। इससे कृषि उपभोक्ताओं को और अधिक गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय सुनिश्चित की जा सकेगी। प्रदेश की ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा इस वित्तीय वर्ष में सितंबर तक 9 नवीन अति उच्च दाब उपकेंद्र, 8 अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफॉर्मर स्थापना एवं 11 ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि के कार्य पूर्ण किए गए हैं। इससे कुल ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता में 1766 एमव्हीए की वृद्धि हुई है। आगामी तीन माहों में 2 नवीन अति उच्च दाब उपकेंद्र, 20 अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफॉर्मर स्थापना एवं 4 ट्रांसफॉर्मर क्षमता वृद्धि के कार्य पूरे किए जाएंगे। इससे 1859 एमव्हीए की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता में अतिरिक्त वृद्धि होगी। तीनों वितरण कंपनियों ने भी 11 नवीन 33-11 केव्ही उपकेंद्रों के कार्य पूर्ण किए हैं। इनमें से सात पूर्व क्षेत्र और 2-2 मध्य तथा पश्चिम क्षेत्र में स्थित हैं।

कैबिनेट आज

भोपाल । प्रदेश में प्रति मंगलवार को होने वाली कैबिनेट की बैठक मद्देनजर मंगलवार, 19 अक्टूबर को भी कैबिनेट की बैठक होगी। कैबिनेट के लिए सुबह 9.45 बजे का समय तय किया गया है। कैबिनेट में लगभग आधा दर्जन विषय निर्णय के लिए पेश होंगे। कैबिनेट के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के एक लोकसभा और तीन विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव के सिलसिले में चुनाव प्रचार के लिए रवाना हो जाएंगे।

ऑक्सीजन के क्षेत्र में आत्म-निर्भर बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

प्रदेश में अब 9145 रोगियों को प्रति मिनट 10 लीटर मिल सकती है ऑक्सीजन

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में ऑक्सीजन की स्थानीय उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अस्पतालों में 163 ऑक्सीजन प्लांट्स स्थापित किए जा चुके हैं। इन प्लांट्स की प्रतिदिन 182 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता है। इससे आवश्यकता पड़ने पर 9,145 रोगियों को 10 लीटर प्रति मिनट की दर से ऑक्सीजन प्रदाय की जाकर उपचारित किया जा सकेगा। प्रदेश में पीएम केयर फंड एवं राज्य शासन के प्रयासों से 202 ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट्स की स्थापना का कार्य कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी को महसूस कर प्रारंभ किया गया था। शेष 39 ऑक्सीजन प्लांट्स की स्थापना इसी माह सुनिश्चित कर ली जाएगी।

- अब तक 163 ऑक्सीजन प्लांट्स स्थापित
- प्रतिदिन उत्पादन क्षमता 182 मीट्रिक टन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए सहयोग से मप्र ऑक्सीजन के क्षेत्र में आत्म-निर्भर बनाने की ओर अग्रसर है। कोरोना की दूसरी लहर में कोरोना मरीजों की जान बचाने के लिए अन्य राज्यों से ऑक्सीजन आयात की गई। सीएम चौहान ने कहा कि मप्र में ऑक्सीजन की स्थानीय व्यवस्था के लिए प्लांट्स स्थापना के शासकीय चिकित्सालयों में अतिरिक्त रूप से 30 हजार 291 ऑक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि मार्च 2020 की स्थिति में प्रदेश के किसी भी शासकीय चिकित्सालय में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट उपलब्ध नहीं थे। आज की स्थिति में 163 ऑक्सीजन प्लांटस प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रारंभ हो चुके हैं। शेष प्लांट्स भी शीघ्र स्थापित कर लिए जाएंगे। इन सभी 202 प्लांट्स से प्रतिदिन लगभग 230 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन जनरेट हो सकेगी। प्रदेश में पीएम केयर फंड से 88, मुख्यमंत्री राहत कोष से 13 एवं अन्य विभिन्न माध्यम जैसे स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रयासों से 101 ऑक्सीजन प्लांट्स स्थापित करने का काम गत मई माह से शुरू किया गया। आज मध्यप्रदेश 163 ऑक्सीजन प्लांट्स स्थापित कर आत्म-निर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है।

प्रदेश में अब 360 मीट्रिक टन भंडारण की सुविधा

प्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में वर्तमान में 360 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन के भंडारण की सुविधा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के 34 जिला चिकित्सालयों में 06 किलो लीटर की क्षमता के लिक्विड ऑक्सीजन के टैंक की स्थापना की जा रही है। शासकीय चिकित्सालय में 13,956, चिकित्सालय महविद्यालयों में 1350 ऑक्सीजन कॉन्सनट्रेटर की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा भारत सरकार ने भी पूर्व में दिए ऑक्सीजन कॉन्सनट्रेटर के अतिरिक्त 3860 कॉन्सनट्रेटर का आबंटन और किया गया है।

आईसीयू, एचडीयू, ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड्स

स्वास्थ्य विभाग के अधीन स्वास्थ्य संस्थाओं में जून 2021 तक 11 हजार 156 ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड्स उपलब्ध थे। इस माह के अंत तक विभाग के अधीन स्वास्थ्य संस्थाओं में 14 हजार 255 ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड्स उपलब्ध हो जाएंगे। इसी तरह प्रदेश के समस्त जिलों में जून 2021 की स्थिति में कुल 785 आईसीयूए एचडीयू बेड्स मय वेंटिलेटर क्रियाशील थे लेकिन अब स्वास्थ्य संस्थाओं में 1435 आईसीयू, एचडीयू बेड्स रोगियों के उपचार के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। जिला चिकित्सालयों में उपलब्ध 210 पीडीयाट्रिक आईसीयू बेड्स के अतिरिक्त नवीन 310 पीडीऐट्रिक आईसीयू बेड्स की स्वीकृति दी गई। इनमें से 100 का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। शेष का निर्माण अंतिम चरण में है।

पिछड़ा वर्ग की महापंचायत में मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा

सरकार शीघ्र ही करेगी ओबीसी के चयनित शिक्षकों की नियुक्ति

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री एवं भाजपा के कद्दावर नेता भूपेंद्र सिंह ने कहा है कि पिछड़े वर्ग के चयनित शिक्षकों की नियुक्ति शीघ्र ही करवाई जाएगी। इस विषय में वह अविलंब मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। मंत्री श्री सिंह सोमवार को गांधी भवन में ओबीसी की महापंचायत में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

गांधी भवन में ओबीसी के समस्त संगठनों सहित ओबीसी के चयनित शिक्षकों का यह महासम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें पिछड़ा वर्ग के चयनित शिक्षकों के पांच विषयों में होल्ड 13 प्रतिशत पदों के संबंध में नाराजगी जताई गई। साथ ही शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में कई गई धांधली तथा ओबीसी की जातिगत जनगणना के तथा ओबीसी को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के मुद्दे पर महापंचायत में वक्ताओं ने खुलकर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में मप्र शासन की ओर से शिरकत करने पहुंचे कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह ने मंच से चयनित शिक्षकों को संबोधित किया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ओबीसी के छह विषयों में होल्ड किए गए 13 प्रतिशत पदों की नियुक्ति के संबंध में मुख्यमंत्री से चर्चा की जाएगी, इसके बाद नियुक्ति करने का प्रयास किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि आगे से मध्यप्रदेश राज्य में ओबीसी को 27 प्रतिशत के मान से समस्त भर्तियां की जाएंगी।

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जेपी धनोपिया ने कहा, अब तक ओबीसी को जो भी आरक्षण दिया गया है, उसे कांग्रेस पार्टी द्वारा ही दिया गया है। भाजपा ने ओबीसी को कभी भी कोई आरक्षण नहीं दिया। चुनाव पूर्व किए गए वायदे को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाकर पूर्ण किया गया है। भविष्य में भी कांग्रेस पार्टी ओबीसी के आरक्षण को लागू करने पूरी ताकत से हर स्तर पर मदद करेगी। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने किया। मुख्य संयोजक महेंद्र सिंह पूर्व डिप्टी कलेक्टर प्रकाश सिंह धाकड़ केपी कुर्मवंशी, पूर्व महापौर श्रीमती विभा पटेल तथा चयनित शिक्षक संघ की ओर से भारत यादव, विद्या बिसेन, श्रीमती शरद मीना आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के चयनित शिक्षण, जातीय संगठनों के प्रमुख तथा सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित हुए। सभी ने अपने अधिकारों के लिए एकजुटता से संघर्ष करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनायक शाह एडवोकेट, उदय साहू तथा प्रमुख संगठनों में पिछड़ा वर्ग अधिकार मोर्चा ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन आदि संगठन प्रमुखों ने भाग लिया।

सीएम कल जबलपुर में पुरस्कार वितरण में शामिल होंगे

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार, 20 अक्टूबर को जबलपुर में आचार्य श्री विद्यासागर जीवदया गौसेवा सम्मान पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। दयोदय पशु संवर्धन एवं पर्यावरण केंद्र गौशाला, तिलवारा घाट जबलपुर में आयोजित होने वाला यह राज्य-स्तरीय कार्यक्रम आचार्य श्री विद्यासागर जी के सान्निध्य में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम में प्रदेश की उत्कृष्ट गौशालाओं और पशुओं के प्रति सेवाभावी संस्थाओं और व्यक्तियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा।

संस्थागत श्रेणी में कुल सात पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम, द्वितीय, तृतीय के साथ चार सांत्वना पुरस्कार दिए जाने हैं, जिनकी राशि क्रमशः पांच लाख, तीन लाख, दो लाख और 50-50 हजार है। व्यक्तिगत श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार में क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 20 हजार की राशि दी जाएगी। कार्यक्रम शाम चार बजे आरंभ होगा।

शहरी क्षेत्रों में गंदगी फैलाने पर अब जुर्माना वसूलेंगे नगरीय निकाय

भोपाल (एजेंसी)। स्वच्छ भारत अभियान के तहत प्रदेश के सभी छोटे-बड़े शहरी क्षेत्रों में कचरा फैलाने या स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर स्थल पर ही जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। अभियान का आरंभ शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन कर पर्यावरणीय सुधार और व्यापक जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया है। पर्यावरण विभाग द्वारा प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्त और कलेक्टर्स को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

पर्यावरण विभाग ने सभी निकायों और कलेक्टरों को जारी किए निर्देश

सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी किए जाने वाले कार्यों में सड़कों एवं गलियों में कचरा फैलाना, सार्वजनिक स्थलों पर थूकना, खुले में स्नान, खुले में मल-मूत्र विसर्जन और खुले में बर्तन, कपड़े आदि की धुलाई शामिल हैं। ठोस अपशिष्ट संग्रहण, पृथक्कीकरण, भंडारण, प्रदाय संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर भी कार्रवाई होगी। ठोस अपशिष्ट का अलग-अलग संग्रहण न करते हुए एक ही डस्टबिन में एकत्र करने पर व्यक्तिगत श्रेणी, थोक कचरा उत्पादक, नष्ट होने योग्य बायोडीग्रेडेबल कचरा पृथक्कीकरण उचित प्रकार से नहीं देने पर, जैव अनाश्य अपशिष्ट का पृथक्कीकरण, निर्माण एवं विध्वंस सामग्री का पृथक्कीकरण न करने, सूखा कचरा अलग न करने, बगीचे और हरे कचरे को खुले में फैकने, खुले में कचरा जलाने के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

निकाय तय करेंगे स्पॉट फाइन की दरें

व्यावसायिक उपयोग घरेलू छोड़कर के दौरान मछली, मीट, पोल्ट्री अपशिष्ट को अलग किए बगैर कचरा प्रदान करना, बगैर डस्टबिन के और बिना अलग किए हुए कचरा देने वाले विक्रेता, ठेला, फेरीवाला आदि, निवास और गली की सफाई न रखने, घरेलू पालतू जानवरों द्वारा कचरा-खुले में मल-मूत्र, विष्ठा कराने पर, सार्वजनिक स्थलों पर आयोजन के पूर्व अनुमति प्राप्त न करने पर और सार्वजनिक स्थल पर आयोजित समारोह के बाद चार घंटे में सफाई न करने पर जुर्माना-शास्ति अधिरोपित किए जाने का प्रावधान किया गया है। शास्ति-स्पॉट फाइन की दरें नगरीय निकायों तथा शहरी समूहों द्वारा परिषद स्तर पर निर्धारित की जाएंगी।

कमलनाथ पर से उठा लोगों का भरोसा

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने 2023 में कर्जमाफी करने के बयान पर कसा तंज कसते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर से लोगों का भरोसा उठ गया है। एक बार धोखा देने के बाद लोग बार-बार विश्वास नहीं करते हैं।

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कर्जमाफी करने के बयान पर कसा तंज

नगरीय विकास मंत्री श्री सिंह ने कहा कि कमलनाथ ने किसानों को धोखा दिया है, किसान इस उम्मीद में थे कि कर्जमाफी होगी, इसलिए बैंकों में पैसा नहीं जमा किया। कर्जमाफी न होने के चलते अनेक किसान डिफाल्टर हो गए। हमारी सरकार उनका पैसा भर रही है ताकि वे डिफाल्टर न हों। किसान सम्मान निधि हम किसानों को दे रहे हैं। फसल बीमा का पैसा हम दे रहे हैं जो कमलनाथ के समय नहीं मिला। किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर खाद-बीज हमारी सरकार उपलब्ध करा रही है। मंत्री सिंह ने कहा कि कमलनाथ ने किसानों के कल्याण की योजनाओं को बंद कर दिया था।

धर्म के नाम पर ढोंग करती है कांग्रेस

राम वन गमन पथ के क्रेडिट को लेकर कांग्रेस के दावे पर मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस का यदि भगवान राम के प्रति इतना ही सम्मान था तो अयोध्या में राम मंदिर बनने में 450 साल का वक्त नहीं लगता। अयोध्या में मंदिर बनने का काम हमारी सरकार में शुरू हुआ है। कांग्रेस धर्म के नाम पर केवल ढोंग करती है, कांग्रेस का धर्म पर कोई विश्वास नहीं है, कांग्रेस का चरित्र पूरी तरह से साम्प्रदायिक है।

दिग्विजय सिंह पर भी बोला हमला

बांग्लादेश को लेकर दिग्विजय सिंह के विवादित ट्वीट पर मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हम सब जानते हैं कि दिग्विजय सिंह आतंकवाद या आतंकवादियों के पक्ष में बोलते हैं, हम सब जानते हैं कि अनेकों बार उन्होंने आतंकवादियों के नाम के साथ जी लगाने का काम किया है, हमेशा उनके बयान साम्प्रदायिता फैलाने का काम करते हैं। मप्र में हमारी सरकार की कानून व्यवस्था इतनी मजबूत है कि कांग्रेस राज्य में साम्प्रदायिक दंगे नहीं करवा पा रही है।

लोकायुक्त संस्था को फर्जी बताने पर भाजपा ने की चुनाव आयोग से पूर्व मुख्यमंत्री की शिकायत

कमलनाथ पर आचार संहिता के उल्लंघन की कार्रवाई करे आयोग

भोपाल (एजेंसी)। उपचुनाव वाले क्षेत्र पृथ्वीपुर में कमलनाथ द्वारा लोकायुक्त जैसी संस्था को फर्जी बताए जाने एवं अधिकारी कर्मचारियों को देख लेने की धमकी देने को लेकर भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी के चुनाव प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में सोमवार को चुनाव आयोग में शिकायत कर कमलनाथ के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन की कार्रवाई कर उनके सभाएं लेने पर रोक लगाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर, एसएस उप्पल शामिल थे।

भाजपा द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को की गई शिकायत में कहा गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पिछले दिनों पृथ्वीपुर विधानसक्षा क्षेत्र में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो हम एक असली लोकायुक्त बनाएंगे। यह नकली लोकायुक्त नहीं, जिसकी लगाम सरकार के हाथों में है।

शिकायत में कहा गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा लोकायुक्त जैसी संवैधानिक एवं स्वतंत्र संस्था पर जिस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है वह बेहद निंदनीय, आपत्तिजनक एवं आचार संहिता का उल्लंघन है। शिकायत में कहा गया है कि कमलनाथ द्वारा चुनाव कार्य में लगे अधिकारी और कर्मचारियों को भाषणों के माध्यम से डराया-धमकाया जा रहा है। पार्टी ने चुनाव आयोग से मांग की है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सभाएं लेने पर रोक लगाई जाए तथा उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की कार्रवाई की जाए।

कमलनाथ का कृत्य आचार संहिता का उल्लंघन: भूपेंद्र सिंह

मीडिया से चर्चा के दौरान भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पृथ्वीपुर की आमसभा में कमलनाथ ने लोकायुक्त के बारे में कहा है कि ये फर्जी है। सभी जानते हैं कि लोकायुक्त की नियुक्ति हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस, नेता प्रतिप्रक्ष और मुख्यमंत्री की सहमति से होती है। इस प्रकार की संवैधानिक संस्था पर टिप्पणी करना आदर्श आचार संहिता के विरुद्ध है। ये धमकी की श्रेणी में आता है और संस्था का अपमान है। उन्होंने अधिकारी कर्मचारियों को भी धमकी दी है, यह भी आचार संहिता का उल्लंघन है। दोनों मामलों में हमने निर्वाचन आयोग में लिखित शिकायत करके कार्रवाई की मांग की है। श्री सिंह ने कहा कि जोबट में जिस तरह से कांग्रेस प्रत्याशी महेश पटेल और उनके समर्थक भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं, उन्हें काम करने से रोक रहे हैं, उस मामले में भी कार्रवाई की मांग चुनाव आयोग से की है।

पूर्व थानेदार की करीब तीन करोड़ की प्रॉपर्टी आयकर ने की बेनामी में अटैच

भोपाल (एजेंसी)। आयकर विभाग की बेनामी संपत्ति शाखा ने राजधानी भोपाल के एक पूर्व थानेदार की प्रॉपर्टी को बेनामी संपत्ति कानून के तहत अटैच कर लिया है।

जानकारी के अनुसार भोपाल के हनुमानगंज थाने में थाना प्रभारी के चार्ज में रहे चंद्रदेव दुबे (सेवानिवृत्त) की भोपाल के आसपास की प्रॉपर्टी को आयकर विभाग ने बेनामी संपत्ति कानून के तहत अटैच कर लिया है। श्री दुबे ने अपनी पत्नी, लड़के और बहू के नाम से यह प्रॉपर्टी खरीदी थी जिसकी उन्हें ही जानकारी नहीं है। खरीदी गई प्रॉपर्टी में करीब 15 एकड़ कृषि भूमि, आधा दर्जन से अधिक प्लाट शामिल हैं। श्री दुबे का पुत्र मंदिर में पुजारी का काम करता है। आयकर विभाग ने कृषि भूमि और प्लाट के अलावा तीन मंजिला मकान एवं बैंक में की गई सावधि जमा को भी बेनामी में अटैच कर लिया है। वहीं दूसरों के नाम से बैंक में खाते होने की जानकारी भी मिली है, जिसमें करीब साढ़े सात लाख रुपए जमा हैं। प्रॉपर्टी की कीमत करीब तीन करोड़ बताई जा रही है। श्री दुबे ने कृषि भूमि भोपाल के आसपास के क्षेत्र में ही खरीदी थी। इसके अलावा उनका एक ढाबा भी सूखी सेवनियां में है।

यह है प्रॉपर्टी

कृषि भूमि करीब 15 एकड़ भोपाल के आसपास,आधा दर्जन से अधिक प्लाट भानपुर, छोला, बरखेड़ी अब्दुल्ला और माली खेड़ी स्थानों पर। बैंक में जमा करीब 30 लाख की सावधि जमा।

करीना कपूर खान

ने बताया ग्रीस का किस्सा, जब एक बॉउल सूप ने बदलकर रख दी पूरी जिंदगी

बॉलीवुड की चुलबुली एक्ट्रेस करीना कपूर खान (Kareena Kapoor Khan) भले ही दो बच्चों की मां बन चुकी हैं, लेकिन उनका अंदाज नहीं बदला. इसकी झलक अपनी शादी की सालगिरह पर दिखाई है. अपनी शादी के नौंवीं सालगिरह पर सैफ अली खान (Saif Ali Khan) के साथ इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक फोटो शेयर की है. इसके साथ ही बताया है कि कैसे उनकी जिंदगी बदल गई.

करीना कपूर खान ने अपने इंस्टाग्राम पर सैफ अली खान के साथ एक पुरानी फोटो शेयर की है. इस फोटो में सैफ और करीना बेहद रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं. करीना ने अपनी मैरिज एनिवर्सरी पर इस फोटो को शेयर कर लिखा है 'एक समय ग्रीस मेंज्सूप का बॉउल था और हम थे. और इसने मेरी जिंदगी बदल दी..दुनिया के सबसे हैंडसम शख्स को सालगिरह की मुबारकबाद'.

करीना कपूर के इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फैमिली और फ्रेंड्स जमकर रिएक्शन देते हुए सैफ अली खान और करीना को सालगिरह की बधाई दे रहे हैं. करीना की बड़ी बहन करिश्मा कपूर ने लिखा 'फेवरेट कपल फॉरएवर', तो सैफ की बहन और करीना की ननद सबा पटौदी ने प्यार जताते हुए लिखा 'Awww..माशा अल्लाह, ढेर सारा प्यार ! एक बार फिर हैप्पी एनिवर्सरी !'. बता दें कि सबा पटौदी ने सबसे पहले अपने भाई और भाभी को सालगिरह की मुबारकबाद देते हुए प्यारा सा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया था.

बॉलीवुड के पॉवरफुल कपल में शुमार सैफ अली खान और करीना कपूर ने जिस तरह से अपनी सफल शादीशुदा जिंदगी बिता रहे हैं, कई लोगों के लिए नजीर है. दोनों ने न सिर्फ कपूर खानदान और पटौदी खानदान को जोड़ कर रखा बल्कि अपने पर्सनल लाइफ को भी खूबसूरत बनाया है. दो बेटों के माता-पिता करीना और सैफ एक दूसरे को काफी स्पेस भी देते हैं. चूंकि दोनों ही फिल्मी दुनिया से ताल्लुक रखते हैं तो एक दूसरे की परेशानी भी अच्छी तरह समझते हैं.एक बार करीना ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि 'मैंने सैफ को अपना लाइफ पार्टनर इसलिए चुना, क्योंकि मैं एक सेल्फ इंडीपेंडेंट महिला की तरह रहना चाहती थी. मैं शादी के बाद भी काम करना चाहती थी और सैफ ने मेरी इस शर्त को मान लिया'. बता दें कि करीना कपूर सिर्फ शादी के बाद ही नहीं बल्कि मम्मी बनने के बाद भी लगातार काम कर रहीं हैं. अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी में तो डिलेवरी के पहले तक शूटिंग करती रहीं थीं, जिसकी खूब फोटोज वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था.

गोल्डन गाउन में मलाइका अरोड़ा ने ऐसे दिखाए अपने हुस्न के जलवे, मिनटों में वायरल हो गया वीडियो

मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपने फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है जो कि बिहाइंड द सीन वीडियो है. इस वीडियो में मलाइका एक से बढ़कर एक पोज़ देती हुई काफी खूबसूरत नज़र आ रही हैं. गोल्डन गाउन में मलाइका का बेपनाह हुस्न निखरकर सामने आ रहा है जिसे देखकर सामने वाले के होश ना उड़ें, ऐसा हो ही नहीं सकता. वीडियो के हर फ्रेम में मलाइका ने अपनी कातिलाना खूबसूरती से फैन्स को घायल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है.

मलाइका ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, मुझे अपना बेस्ट शॉट दो. आपको बता दें कि इससे पहले भी मलाइका की गोल्डन वन शोल्डर गाउन में कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं जिनमें उनके अंदाज़ की जमकर तारीफ हुई थी. मलाइका का अंदाज़ ही ऐसा है कि वो जो भी चर्चा में आ जाती हैं. आपको बता दें कि इन दिनों मलाइका एमटीवी के रियलटी शो मॉडल ऑफ़ द ईयर में बतौर जज नज़र आ रही हैं. इसके अलावा वह जल्द ही शुरू होने जा रहे डांस रियलटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर 2 में भी जज बनी नज़र आएंगी.

हाल ही में मलाइका एक फैशन शो में दुल्हन के लिबास में पहुंची थीं जहां उनकी रैंप वॉक के चर्चे काफी देखने को मिले थे. पर्सनल लाइफ की बात करें मलाइका अर्जुन कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहती हैं. दोनों को डेट करते हुए तकरीबन चार साल का वक्त हो चुका है. ऐसे में फैन्स को इस बात का बेताबी से इंतज़ार है कि दोनों शादी कब करते हैं?मलाइका और अर्जुन शादी के सवाल पर कई बार कह चुके हैं कि वह अभी अपने करियर पर फोकस करना चाहते हैं और फ़िलहाल वह अपने रिलेशनशिप से ही खुश हैं और अभी उनका शादी का कोई इरादा नहीं है.

महिमा चौधरी ने किया बॉलीवुड का पर्दाफाश, कहा - वे सिर्फ वर्जिन चाहते थे, जिसने कभी किस तक न किया हो...

फिल्म परदेस से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं एक्ट्रेस महिमा चौधरी (Mahima Chaudhry) बीते लंबे वक्त से ऑनस्क्रीन नजर नहीं आई हैं, हालांकि वो सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। इस बीच हिन्दुस्तान टाइम्स से खास बातचीत के दौरान महिमा ने एक्ट्रेसेस के लिए बदलते इंडियन फिल्म इंडस्ट्री पर अपनी बात रखी।

अब एक्ट्रेसेस को भी अच्छे रोल मिल रहे...

महिमा चौधरी ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि पहले के मुकाबले में अब एक्ट्रेसेस को भी अच्छे रोल और मौके मिल रहे हैं। उन्हें अच्छे पार्ट्स मिल रहे हैं, अच्छा पैसा मिल रहा है, अच्छे ब्रांड्स मिल रहे हैं और वे पहले से ज्यादा ताकतवर पोजिशन्स पर हैं। इसके साथ ही अब वे पहले से अधिक लंबे वक्त तक काम कर सकती हैं।

वे सिर्फ वर्जिन चाहते थे...

महिमा ने आगे कहा, पहले आपके रिलेशनशिप का असर, बड़े तौर पर आपके काम पर पड़ता था। अगर आप किसी को डेट कर रही हैं तो लोग लिखने लगते थे कि वे सिर्फ वर्जिन चाहते थे, जिसने कभी किस तक न किया हो। अगर आप किसी को डेट कर रही है तो.... ओह वो तो डेट कर रही है। वहीं अगर आपकी शादी हो गई है तो भूल जाइए.... आपका करियर खत्म हो गया था और अगर आपके बच्चे है तो बिल्कुल ही सब कुछ खत्म हो गया है।

अगर आपने मां का रोल कर लिया तो...

बातचीत में महिमा चौधरी ने आगे कहा कि अब दर्शक भी एक्ट्रेसेस को अलग अलग किरदारों में अपना रहे हैं। वहीं पहले एक्ट्रेसेस को अपनी पर्सनल लाइव को भी छिपानी पड़ती थी। महिमा ने कहा, पहले अगर आपने मां का रोल कर लिया तो आपको फिर कोई और रोल जल्दी नहीं मिलता था। पहले कई पुरुष भी अपने रिलेशनशिप को छिपाते थे और उनकी फिल्मों की रिलीज या कई साल बाद चलता था वो तो शादीशुदा हैं।

1997 में किया था डेब्यू

गौरतलब है कि महिमा ने 1997 में फिल्म परदेस से बॉलीवुड करियर शुरू किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान और अपूर्व अग्निहोत्री नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन सुभाष घई ने किया था और फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। बता दें कि महिमा ने बॉबी मुखर्जी से 2006 में शादी की थी, लेकिन 2013 में दोनों अलग हो गई। महिमा और बॉबी की एक बेटी है।

नुसरत जहां

यश दासगुप्ता की शादी की खबरें नहीं हैं झूठ! दूसरी बार एक्ट्रेस ने दिया HINT

टीएमसी सांसद और बंगाली फिल्म एक्ट्रेस नुसरत जहां (Nusrat Jahan) ने दुनिया के सामने ये खुल्लमखुला कबूल लिया है कि एक्टर यश दासगुप्ता (Yash Dasgupta) के साथ उनका खास रिश्ता है. एक्ट्रेस ने अपने बेटे का पिता भी यश को ही बनाया है. इस बीच ये सवाल बना हुआ है कि दोनों ने शादी कर ली है या अभी नहीं. लेकिन एक्ट्रेस बार-बार जो तस्वीर शेयर कर रही हैं, उनके जरिए लोगों का अब ये शक यकीन में बदलता जा रहा है कि दोनों ने अब शादी कर ली है.यश दासगुप्ता (Yash Dasgupta) के बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरों के बाद हाल ही में एक्ट्रेस ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उन तस्वीरों से ऐसा लग रहा कि दोनों ने अपने नए रिश्ते को नाम दे दिया है. दरअसल, नुसरत जहां ने शुक्रवार को विजयादशमी के अवसर पर एक तस्वीर साझा की और इसमें वो विवाहित बंगाली महिलाओं द्वारा पहने जाने वाला शाखा पोला (shakha pola) पहने हुए नजर आईं.

तस्वीर में नुसरत ने माथे पर लाल रंग की बिंदी लगाई है. नुसरत का सिंपल लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है. फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन बंगाली में लिखा, शुभ विजय की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं.

सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें त्योहार की बधाई देते हुए उनकी शादी के बारे पूछ रहे हैं. नुसरत और यश ने इससे पहले एक नवरात्रि और दुर्गा पूजा पंडाल में की तस्वीरें शेयर की थीं. वहीं एक तस्वीर में नुसरत, यश की गोद में बैठी नजर आ रही थीं.आपक बता दें कि लोगों इसलिए भी दोनों की शादी का चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि नुसरत जहां ने एक्टर के जन्मदिन पर केक की जो तस्वीर शेयर की थी, उस पर Husband और Father लिखा है. इस तस्वीर को देखकर लोगों के मन में ये सवाल आ रहा है कि क्या सच में उन्होंने शादी कर ली है?आपको बता दें कि एक्ट्रेस ने 26 अगस्त 2021 को बेटे ईशान को जन्म दिया था. एक्ट्रेस को बच्चे के पिता को लेकर भी खूब ट्रोल किया गया था. बाद में बच्चे का बर्थ सर्टिफिकेट वायरल हो गया जिसमें पिता का नाम यश दासगुप्ता लिखा था.

पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ जीत की लय कायम रखने उतरेगा स्कॉटलैंड

एजेंसी ■ अल अमेरात

बांग्लादेश पर शानदार जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत स्कॉटलैंड की टीम टी20 विश्व कप में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में जीत की लय कायम रखने उतरेगी। क्रिस ग्रीव्स के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर स्कॉटलैंड ने बांग्लादेश को पहले मैच में छह रन से हराया। वहीं पापुआ न्यू गिनी को सह मेजबान ओमान ने 10 विकेट से मात दी। स्कॉटलैंड का स्कोर एक समय छह विकेट पर 53 रन था लेकिन ग्रीव्स ने 28 गेंद में 45 रन बनाकर उसे मैच में लौटाया। उन्होंने मार्क वियाट (51 रन) और जोश डेवी (27 रन) के साथ उपयोगी साझेदारियां की। शीर्षक्रम के बल्लेबाजों की नाकामी स्कॉटलैंड के लिए चिंता का सबब होगी चूंकि उसके चारों प्रमुख बल्लेबाज पांच रन से आगे नहीं बढ सके। कप्तान काइल कोएत्जर और माइकल लीस्क खाता भी नहीं खोल पाए। गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शुरू ही से दबाव बनाए रखा। विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे जिससे स्कॉटलैंड ने शानदार जीत दर्ज की। कोएत्जर ने कहा , हमें हर मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके।

यह मैच जीतने पर स्कॉटलैंड का सुपर 12 चरण में पहुंचने का दावा पुख्ता हो जाएगा। दूसरी ओर पापुआ न्यू गिनी को पहले मैच में ओमान ने सभी विभागों में उन्नीस साबित कर दिया। उन्हें अब न सिर्फ यह मैच जीतना होगा बल्कि रनरेट भी बेहतर करना होगा। ओमान के खिलाफ कप्तान असाद वाला और चार्ल्स अमीनी को छोड़कर कोई बल्लेबाज नहीं चल सका। वहीं गेंदबाज भी विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाए। वाला ने कहा , हमें स्कॉटलैंड या बांग्लादेश की बजाय अपने प्रदर्शन के बारे में सोचना है। हम अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर पाए जिसकी वजह से हारे।

टीमें इस प्रकार हैं:

स्कॉटलैंड : काइल कोएत्जर (कप्तान), रिचर्ड बैरिंगटन, डिलन बज, मैथ्यू क्रास (विकेटकीपर), जोश डेवी, एली इवांस, क्रिस ग्रीव्स, माइकल लीस्क, कैलुम मैक्लियोड, जार्ज मुनसे, साफ्यान शरीफ, हम्जा ताहिर, क्रेग वालेस, मार्क वाट, ब्रैड व्हील।

पापुआ न्यू गिनी: असाद वाला (कप्तान), चार्ल्स अमिनी, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, नोसाइना पोकाना, किपलिंग डोरिगा, टोनी उरा, हिरी हिरी, गोडी टोका, सेस बाउ, डेमियन रावू, क्बुआ वागी-मोरिया, साइमन अताई, जेसन किला , चाड सोपर, जैक गार्डनर।

मैच का समय : दोपहर 3 . 30 से।

कैंफर और एडेयर ने नीदरलैंड को 106 रन पर समेटा

एजेंसी ■ अबुधाबी

तेज गेंदबाज कर्टिस कैंफर के चार गेंद में चार विकेट और मार्क एडेयर के तीन विकेट की बदौलत आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के पहले दौर के ग्रुप बी मैच में नीदरलैंड को 106 रन पर समेट दिया। कैंफर ने 26 रन देकर चार जबकि एडेयर ने नौ रन देकर तीन विकेट चटकाए। जोश लिटल ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 14 रन देकर एक विकेट हासिल किया। कैंफर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार गेंद में चार विकेट चटकाने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। इससे पहले आफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने आयरलैंड के खिलाफ 2019 में जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने भी 2019 में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ यह कारनामा किया था। आयरलैंड की ओर से सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडोड (51) के अलावा कोई बल्लेबाज टिककर नहीं खेला पाया। उनके अलावा कप्तान पीटर सीलार (21) ही 20 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रहे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी नीदरलैंड की टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने मैच की तीसरी गेंद पर ही बेन कूपर (00) का विकेट गंवा दिया जो ओडोड के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हुए। ओडोड ने जोश लिटल पर पारी का पहला चौका जड़ा और फिर सिमी सिंह की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। बेस डि लीडे (07) ने लिटल पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए। नीदरलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 24 रन बनाए। ओडोड और कोलिन एकरमैन (11) ने पारी को संभालते हुए नौवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। कैंफर ने हालांकि 10वें ओवर में लगातार चार विकेट के साथ नीदरलैंड की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। उन्होंने दूसरी गेंद पर एकरमैन को विकेटकीपर नील रॉक के हाथों कैच कराया। कैंफर अगली दो गेंद पर अनुभवी रियान टेन डोएशे (00) और स्कॉट एडवर्ड्स (00) को पगबाधा करके टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हैट्रिक बनाने वाले आयरलैंड के पहले गेंदबाज बने।

एक नजर

ईपीएल : टोटेनहम ने न्यूकैसल को हराया

न्यूकैसल। अच्छी शुरूआत के बावजूद न्यूकैसल को इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल के मैच में टोटेनहम ने 3 . 2 से हरा दिया। महज 11 दिन पहले ही न्यूकैसल टीम को सउदी अरब ने खरीदा और इस मैच से पहले इसका ऐलान पूरे जोश के साथ किया गया। कालम विल्सन ने 107वें सेकंड में गोल करके टीम को बढत भी दिलाई लेकिन हाफटाइम से पहले ही टीम ने तीन गोल गंवा दिया। न्यूकैसल के आठ मैचों में तीन ही अंक है। इस मैच के दौरान टोटेनहम के प्रशंसकों ने उसकी जमकर हूटिंग की। अन्य मैचों में वेस्ट हैम ने एवर्टन को। . 0 से मात दी।

नॉरी, बाडोसा ने पहली बार इंडियन वेल्स खिताब जीता

इंडियन वेल्स। कई बड़े खिलाड़ियों ने कोरोना महामारी के कारण देर से आयोजित बीएनपी परीबस ओपन में भाग नहीं लिया तो कई बड़े नाम उलटफेर का शिकार हो गए। नतीजतन दो ऐसे खिलाड़ी चैम्पियन बने जो विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में भी नहीं हैं। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी ने निकोलोज बासिलाश्विली को 3 . 6, 6 . 4, 6 .। से हराकर पुरूष एकल खिताब जीता। वहीं स्पेन की पाउला बाडोसा ने विक्टोरिया अजारेंका को 7 . 6, 2 . 6, 7 . 6 से मात देकर खिताब अपने नाम किया। वह पहली बार खेलते हुए यह टूर्नामेंट जीतने वाली तीसरी महिला बन गई। नोवाक जोकोविच, रफेल नडाल, रोजर फेडरर, नाओमी ओसाका और सेरेना विलियम्स ने इस टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया था। वही दानिल मेदवेदेव और कैरोलिना प्लिसकोवा जैसे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी उलटफेर का शिकार हो गए। नॉकी और बाडोसा ने अपने कैरियर का सबसे बड़ा खिताब जीता और 12 लाख डॉलर भी अपनी झोली में डाले। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज नॉरी से पहले इवान जुबिचिच (2019), एलेक्स कोरेत्जा (2000) और जिम कूरियर (1991) शीर्ष 25 से बाहर रहने के बावजूद खिताब जीतने वाले खिलाड़ी थे।

संक्षिप्त खबर

टी20 विश्व कप कैरियर की सबसे बड़ी जिम्मेदारी, धोनी लाइफ कोच और भाई : हार्दिक पंड्या

एजेंसी ■ दुबई

भारत के स्टार हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या का मानना है कि टी20 विश्व कप उनके कैरियर की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि लाइफ कोच और भाई महेंद्र सिंह धोनी की गैर मौजूदगी में एक फिनिशर के तौर पर सारा भार उनके कंधों पर होगा। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की क्रिकेट मंथली को दिए गए इंटरव्यू में पंड्या ने अपने जीवन की कई चुनौतियों और धोनी के साथ असाधारण तालमेल पर बात की। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले धोनी के बिना भारत का यह पहला टी20 विश्व कप है। भारत को पहले मैच में 24 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलना है। धोनी को टूर्नामेंट के लिए टीम का मेंटर बनाया गया है। पंड्या ने कहा , यह कैरियर की सबसे बड़ी चुनौती है क्योंकि इस बार महेंद्र सिंह धोनी नहीं है। सब कुछ मेरे कंधों पर है। मैं इसी तरह से सोचता हूं क्योंकि इससे मेरे लिए चुनौती बढ जाती है। यह रोमांचक टूर्नामेंट होगा। धोनी के बारे में उन्होंने कहा कि हालात अनुकूल नहीं होने पर , परेशानी में या खुद को समझने के लिए वह धोनी के पास जाते हैं। उन्होंने कहा , एम एस मुझे शुरू ही से समझते आए हैं। मैं कैसे काम करता हूं या मैं कैसा इंसान हूं। मुझे क्या पसंद नहीं है , सब कुछ। पंड्या ने बताया कि एक टीवी शो पर विवादास्पद टिप्पणी के बाद निलंबन पूरा करके जब वह 2019 में न्यूजीलैंड दौरे पर वापसी कर रहे थे तो धोनी ने उनसे बात की। उन्होंने कहा , शुरू में मेरे लिए कोई होटल रूम नहीं था। फिर मुझे फोन आया कि यहां आ जाओ। एम एस ने कहा कि वह बिस्तर पर नहीं सोते हैं। वह नीचे सोएंगे और मैं उनके बिस्तर पर। वह पहले व्यक्ति हैं जो हमेशा साथ थे। वह मुझे गहराई से जानते हैं। मैं उनके काफी करीब हूं। वही मुझे शांत रख सकते हैं। उन्होंने कहा , जब यह सब हुआ, उन्हें पता था कि मुझे सहयोग की जरूरत है। मुझे एक कंधा चाहिए था जो मेरे क्रिकेट कैरियर में उन्होंने मुझे कई बार दिया। मैने उन्हें एम एस धोनी , एक महान क्रिकेटर के रूप में कभी नहीं देखा। मेरे लिए वह मेरे भाई हैं।

आईसीसी टी20 विश्व कप में खेलने वाले 32 खिलाड़ी अबु धाबी टी10 लीग में खेलेंगे

एजेंसी ■ अबुधाबी

अबुधाबी टी10 टूर्नामेंट के पांचवें सत्र के लिए विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों में शामिल किए गए 32 खिलाड़ी अपने देशों की ओर से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में खेलते हुए नजर आएंगे। अबुधाबी टी10 टूर्नामेंट का आयोजन यूएई की राजधानी में 19 नवंबर से चार दिसंबर तक किया जाएगा। यह टूर्नामेंट टी20 विश्व कप के खत्म होने के पांच दिन बाद शुरू होगा। निकोलस पूरन, क्रिस गेल, आंद्रे रसेल, फाबियान एलेन, ड्वेन ब्रावो, इविन लुईस, ओबेद मैकाय, रवि रामपाल, डेरेन ब्रावो, अकील हुसैन और आंद्रे फ्लेचर टी20 विश्व कप में गत चैंपियन वेस्टइंडीज की ओर से खेलेंगे। इयोन मोर्गन, मोईन अली, क्रिस जोर्डन, रीस टोप्ली, लियाम लिविंगस्टोन, टाइमल मिल्स, आदिल राशिद और जेसन रॉयल इंग्लैंड की ओर से चुनौती पेश करेंगे। इसके अलावा अफगानिस्तान, श्रीलंका, आयरलैंड, बांग्लादेश और नामीबिया की ओर से खेलने वाले खिलाड़ी भी अबुधाबी टी10 लीग में खेलेंगे। अबुधाबी टी10 सीरीज दुनिया का एकमात्र 10 ओवर का क्रिकेट टूर्नामेंट है जिसे औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से स्वीकृति और अमीरात क्रिकेट बोर्ड से लाइसेंस हासिल है।

ला लिगा : बार्सीलोना ने वालेंशिया को 3 .। से हराया

एजेंसी ■ मैड्रिड

लियोनेल मेस्सी के जाने के बाद बार्सीलोना के नए सितारे बनकर उभर रहे 18 वर्ष के एंसू फाटी के शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम ने स्पेनिश लीग फुटबॉल में वालेंशिया को 3 .। से हराया। फाटी ने एक गोल करने के अलावा टीम को एक पेनल्टी भी दिलाई। मेंफिस डिपे और फिलीपे काउंटिन्हो ने भी बार्सीलोना के लिए गोल किए। इस जीत के बाद अब बार्सीलोना सातवें स्थान पर है और उसे एक मैच और खेलना है। घुटने की चोट के कारण दस महीने मैदान से दूर रहे फाटी ने पिछले महीने वापसी की लेकिन लगातार तीन मैचों में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर आए। पहली बार वह इस मैच में शुरूआती टीम में थे। मेस्सी बार्सीलोना के साथ करार खत्म होने के बाद पेरिस सेंट जर्मेन के लिए खेल रहे हैं। अन्य मैचों में तीसरे स्थान पर काबिज सेविला ने सेल्टा विगो को। . 0 से हराया। वहीं ओसासुना ने विलारीयाल को 2 .। से मात दी। रायो वालेकानो ने एल्चे को 2 .। से हराया।

डेनमार्क ओपन : सिंधू की नजरें जीत के साथ वापसी पर

एजेंसी ■ ओडेन्से

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैम्पियन पी वी सिंधू मंगलवार से शुरू हो रहे डेनमार्क ओपन विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के जरिए एक ब्रेक के बाद कोर्ट पर वापसी करेंगी तो उनका लक्ष्य जीत के साथ शुरूआत करने का होगा। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद सिंधू ने ब्रेक लिया था। अब वह कोरोना महामारी में निलंबन के बाद शुरू हो रहे बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर में अच्छा आगाज करने को बेताब होंगी। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल भी ग्रोइन की चोट से उबरकर वापसी करेंगी। चोट के कारण पिछले सप्ताह उबेर कप फाइनल में उन्हें पहले मैच से ही रिटायर होना पड़ा था। चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू का सामना पहले मैच में तुर्की की नेसलिहान यिजिट से होगा जबकि साइना जापान की आया ओहोरी से खेलेगी। रियो ओलंपिक 2016 की रजत पदक विजेता सिंधू दूसरे दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगामरूंगफान से खेल सकती है जिसमें जीतने पर मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त कोरियाई खिलाड़ी अन सियंग से हो सकता है। चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रंकिरेड्डी पर भी सभी की नजरें होंगी। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पहले दौर में इंग्लैंड के कालम हेमिंग और स्टीवन स्टालवुड से खेलेगी। दोनों ने डेनमार्क में थॉमस कप फाइनल में चारों मैच जीते थे। पुरूष एकल में लक्ष्य सेन पहले दौर में हमवतन सौरभ वर्मा से खेलेंगे। लक्ष्य सुदीरमन कप और थॉमस कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके थे। ट्रायल में एकमात्र मैच हारने के बाद उन्हें बाहर रहना पड़ा लेकिन रविवार को डच ओपन में उपविजेता रहकर उन्होंने वापसी की। किदाम्बी श्रीकांत और बी साइ प्रणीत सुदीरमन कप और थॉमस कप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। वे पहले दौर में एक दूसरे से खेलेंगे।

हेजलवुड ने कहा, टी20 विश्व कप की परफेक्ट तैयारी था आईपीएल

एजेंसी ■ दुबई

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि हाल में यूएई में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान मैच खेलने का पर्याप्त समय मिला जो टी20 विश्व कप की परफेक्ट तैयारी थी और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उन्हें इसका फायदा मिलेगा। तीस साल के हेजलवुड ने आईपीएल के दूसरे चरण में खेलने का फैसला किया था जबकि उनके हमवतन साथी तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और केन रिचर्डसन यूएई में इस लुभावने टी20 टूर्नामेंट में खेलने के लिए नहीं आए थे। आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलने वाले हेजलवुड के हवाले से आस्ट्रेलियाई मीडिया ने कहा, आगे बढ़ते हुए यही मेरी सोच है। यहां के हालात- मौसम काफी गर्म है और विश्व कप से पहले टी20 के कई मैच खेलने का मौका मिलना परफेक्ट है। खिताब जीतने वाले सुपरकिंग्स का हिस्सा बनने के बाद हेजलवुड अब अबुधाबी में राष्ट्रीय टीम से जुड़ गए हैं। यूएई के हालात और धीमी पिचों की अच्छी जानकारी रखने वाले हेजलवुड ने पिछले छह साल से अधिक टी20 मैच पिछले छह महीने में खेले हैं और इसका कारण आईपीएल जैसी लीग भी हैं। उन्होंने कहा, मैं अब अपनी भूमिका को लेकर काफी आश्वस्त हूं। हेजलवुड ने कहा, चेन्नई हो या आस्ट्रेलिया, मेरी भूमिका काफी समान है- शुरुआत में कुछ ओवर और फिर अंत में कुछ ओवर। इसलिए मैं किसी भी स्थिति को लेकर आत्मविश्वास से भरा हूं। उन्होंने कहा, आप एक गेंदबाज के रूप में कभी टी20 में दबदबा नहीं बना सकते, मुझे ऐसा नहीं लगता। लेकिन मैं अपने खेल को लेकर काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। आईपीएल के दूसरे चरण में हेजलवुड ने नौ मैच खेले और सुपरकिंग्स के सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल रहे। पिंडली में चोट के कारण आईपीएल के दूसरे चरण में दिल्ली कैपिटल्स के मैचों से बाहर रहे आलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है और शनिवार को अबुधाबी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम के पहले विश्व कप मैच में खेल सकते हैं।

श्रीलंका के पहले टेस्ट कप्तान बांदुला वर्णपुरा का निधन

एजेंसी ■ कोलंबो

श्रीलंका के पहले टेस्ट कप्तान बांदुला वर्णपुरा का सोमवार को यहां शहर के अस्पताल में निधन हो गया। वह 68 बरस के थे। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार शरीर में शर्करा का स्तर काफी अधिक बढ़ने के चलते रक्त संचार में समस्या के कारण इसी महीने उनका दायां पैर काटना पड़ा था। ठोस तकनीक वाले सलामी बल्लेबाज वर्णपुरा मध्यम तेज गति की गेंदबाजी करने में भी सक्षम थे। फरवरी 1982 में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में श्रीलंका की अगुआई करने के अलावा वह देश की ओर से टेस्ट क्रिकेट में पहली गेंद का सामना करने वाले और पहला रन बनाने वाले बल्लेबाज भी थे। इसी मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी (दूसरी पारी में) दोनों में श्रीलंका के लिए आगाज करने का कारनामा भी उन्होंने किया। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने उनके निधन पर शोक जताया है। एसएलसी प्रमुख शम्मी सिल्वा ने बयान में कहा, मुझे बांदुला वर्णपुरा के निधन का बेहद दुख है जो श्रीलंका के पहले टेस्ट कप्तान थे। उन्होंने कहा, वह शानदार क्रिकेटर, प्रशासक, कोच, कमेंटेटर और इन सबसे ऊपर अच्छे इंसान थे और उनका निधन क्रिकेट जगत का भारी नुकसान है। वर्णपुरा ने 1975 से 1982 तक चार टेस्ट और 12 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया। वर्णपुरा ने हालांकि विद्रोही टीम के साथ 1982-83 में रंगभेद दौर में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने का फैसला किया था जिसके बाद श्रीलंका क्रिकेट ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगाया था।

टी20 विश्व बांग्लादेश की टीम आखिर मे सात विकेट पर 134 रन ही बना पाई।

ग्रीव्स का आलराउंड प्रदर्शन, स्कॉटलैंड ने बांग्लादेश को हराया

एजेंसी ■ अल अमेरात (ओमान)

अपना दूसरा मैच खेल रहे क्रिस ग्रीव्स के आलराउंड प्रदर्शन से स्कॉटलैंड ने रविवार को यहां बांग्लादेश को छह रन से हराकर टी20 विश्व कप के पहले दिन ही बड़ा उलटफेर किया। स्कॉटलैंड ग्रुप बी के इस मैच में टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज जार्ज मंजी के 29 रन के बावजूद एक समय छह विकेट पर 53 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। ग्रीव्स (28 गेंदों पर 45 रन, चार चौके, दो छक्के) ने यहीं से मार्क वाट (17 गेंदों पर 22 रन) के साथ 51 रन की साझेदारी की जिससे स्कॉटलैंड ने नौ विकेट पर 140 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। ग्रीव्स ने गेंदबाजी में भी स्कॉटलैंड को वापसी दिलाई। मुशफिकुर रहीम (36 गेंदों पर 38) और शाकिब अल हसन (28 गेंदों पर 20) जब बांग्लादेश को शुरुआती झटकों से उबार रहे थे तब ग्रीव्स ने इन दोनों को लगातार ओवरों में आउट किया। बांग्लादेश की टीम आखिर में सात विकेट पर 134 रन ही बना पाई। इस तरह से स्कॉटलैंड ने दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। ग्रीव्स ने तीन ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। ब्रैड व्हील ने 24 रन देकर तीन जबकि जॉन डैवी और मार्क वाट ने एक एक विकेट लिया। स्कॉटलैंड के तेज गेंदबाजों ने बेहद कसी हुई गेंदबाजी की तथा दोनों सलामी बल्लेबाजों सौम्य सरकार (पांच) और लिट्टन दास (पांच) के विकेट लेकर बांग्लादेश को दबाव में ला दिया जिससे वह आखिर तक नहीं उबर पाया। आलम यह था कि पावरप्ले में बांग्लादेश दो विकेट पर 25 रन तक ही पहुंच पाया। बांग्लादेश के दो सबसे अनुभवी खिलाड़ी रहीम और शाकिब ने पारी संवारने का बीड़ा उठाया। इन दोनों ने 47 रन की साझेदारी की लेकिन इसके लिए 46 गेंदें खर्च की जिससे टीम पर दबाव बढ़ा। रहीम ने नौवें ओवर में माइकल लीस्क पर लगातार दो छक्के लगाकर स्कोर 50 रन तक पहुंचाया, लेकिन ग्रीव्स ने गेंद थामते ही कमाल दिखाया और इन दोनों को आउट करके बांग्लादेश को बैकफुट पर भेज दिया। ग्रीव्स की पहली गेंद पर कैलम मैकलॉयड ने दौड़ लगाकर शाकिब का खूबसूरत कैच लपका। इस लेग स्पिनर ने अगले ओवर में रहीम को गुगली पर बोल्ड किया। उन्हें अफीफ हुसैन (12 गेंदों पर 18) का विकेट भी मिल जाता लेकिन माइकल क्रास ने उनका कैच छोड़ दिया। बाएं हाथ के स्पिनर वाट ने उन्हें देर तक नहीं टिकने दिया। कप्तान महमुदुल्लाह (23) और मेहदी हसन (नाबाद 13) हार का अंतर ही कम कर पाए। इससे पहले बांग्लादेश के अनुभवी स्पिनरों के सामने स्कॉटलैंड का शीर्ष और मध्यक्रम बिखर गया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सैफुद्दीन ने कप्तान काइल कोएत्जर को बोल्ड करके पहला विकेट दिलाया। मंजी ने इसके बाद कुछ आकर्षक शॉट लगाए जिसमें तास्किन अहमद और मुस्ताफिजुर रहमान पर लगाए गए छक्के शामिल हैं। स्कॉटलैंड का स्कोर पावरप्ले तक स्कोर एक विकेट पर 39 रन था और वह अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन इसके बाद स्पिनरों ने गेंद संभाली और फिर पूरी कहानी बदल गई। स्कॉटलैंड ने आठ रन के अंदर पांच विकेट गंवा दिए। स्पिनर मेहदी हसन ने 19 रन देकर तीन जबकि शाकिब (17 रन देकर दो) और तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर (32 रन देकर दो) ने दो-दो विकेट लिए। शाकिब ने दबाव बनाया तो मेहदी ने अपने पहले ओवर में ही मैथ्यू क्रास (11) को पगबाधा आउट करने के बाद मंजी को बोल्ड कर दिया। शाकिब ने इसके बाद रिची बैरिंगटन (दो) और माइकल लीस्क (शून्य) को आउट करके स्कॉटलैंड का मध्यक्रम झकझोर दिया जबकि मेहदी ने अनुभवी कैलम मैकलॉयड (14 गेंदों पर पांच रन) की संघर्षपूर्ण पारी का अंत किया।